



१८१/९२

भारत का घोषणा The Gazette of India

प्राप्तिकार के लिए प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

हाई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 13, 1991/आषाढ़ 22, 1913

No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 13, 1991/ASADHA 22, 1913

हाई दिल्ली में भिन्न दृष्टि संस्थाएँ दी जाती हैं जिनमें फिल्म और गवर्नर के दृष्टि से
रखा जा रहा है।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांघिकिय आदेश और अधिनियम और
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिक्षायत तथा पेशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)
ग्रादेश

नई दिल्ली, 24 जून, 1991

का. आ 1917—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष
पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम
म 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, आध्र
प्रदेश राज्य सरकार की सहमति में (गृह एवं सो. ए.)
विभाग जी औ यार डी म 2736 तारीख
11-10-90 (द्वारा) दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन वे
मदम्यों की शक्तियों और प्रतिकारिता का विस्तार भ्राटा-
चार नियारंग अधिनियम, 1947 और भ्राताचार नियारंग
अधिनियम, 1938 की मुद्रण धाराओं और भारतीय
दण्ड सहित की विभिन्न धाराओं के प्रवीन दण्डीय ऐसे
प्रमाणाद्वारा के अन्वेषण के लिए विनके बारे में केन्द्रीय
अन्वेषण व्यापे द्वारा यह प्रभिकार द्वारा है कि वे

निन्तलिखित मामले में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों और
विनी व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं, आन्ध्र प्रदेश के संपर्ण
राज्य पर करती है —

निम्नलिखित एस आई आर प्रभियूक्त का नाम
संहारा

1	2
भरतीय दण्ड महिला की धारा	1 श्री के. राजशेखर राम, 420, 467, 471 के पाथ पठित धारा 120-ब्र, ट्रूपाइटेड इडिया इस्पोर्स क व्रात्वारविवाह अधि- नियम, 1947 लो धारा 5(1) (घ) साथ पठित 5(2), भ्राताचार निया- रंग अधिनियम, 1988 की धारा 13 (1)
	2 श्री ए. हरिताथ, प्रबन्धक, ग्राम ग्रामी वी. ए. ग्राम ग्रामी वी. ए. के फि हैदराबाद प्रादेशिक कार्यालय

1

2

1

2

(व) के साथ पठित 13 (2) के अधीन एस. आई. आर. सं. 20/90, हैदरा- बाद तारीख 24-7-90।"	(केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी)
3. श्री वी. सत्यनारायण, प्रभागीय प्रबंधक, श्री. श्रो. (1) यू. आई. आई. क लिमिटेड, हैदराबाद (केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी)	
4. मैसर्स सी. श्री. आर. हैल्थ केयर, हैदराबाद (प्राइ- वेट फर्म)	
5. मैसर्स मेडिकार्ड हैल्थ एसोशिएशन, हैदराबाद (प्राइवेट फर्म)	
6. मैसर्स कोस्टल हैल्थ केपर प्राइवेट लि. हैदराबाद (प्राइवेट फर्म)	

[सं. 228/30/91-ए वी डी -II]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
& PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 24th June, 1991

ORDER

S.O. 1917.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh Vide Home (SC-A) Deptt. G.O. Rt. No. 2736 dated 11-10-1990, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under relevant sections of Prevention of Corruption Act, 1947 and Prevention of Corruption Act, 1988 and various sections of Indian Penal Code alleged to have been committed by the employees of Central Government and Private Persons in the following case by the CBI Hyderabad:

SIR No. Sec. of Law	Name of the accused
1	2
SIR No. 20/90-Hyd. dt. 24-7-90 under Section 120-B read with 420, 467. 471 Indian Penal Code (2) read with 5(1)(d) of Preven- tion of Corruption Act, 1947 of 13(2) read with 13(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1988.	1. Sri K. Rajasekhar Rao, formerly Regl. Manager, United India Insurance Co. Ltd., Hyderabad (Central Govt. employee).
	2. Shri N. Harinath, Manager, RIB. U.I.I Co. Ltd., Hyderabad Regional Office (C.G. Employee).

3. Sri Y. Satyanarayana.
Divl. Manager. D.O. III.
U.I.I. Co. Ltd., Hyderabad
(C.G. Employee).
4. M/s. CDR Health Care.
Hyderabad (Pvt. firm)
5. M/s. Medicard Health
Association. Hyderabad
(Pvt. firm).
6. M/s. Coastal Health Care
Pvt. Ltd. Hyderabad (Pvt.
firm).

[Fo. 228/30/91-A.V.D.-II]

नई दिल्ली, 26 जून, 1991

का. आ. 1918.—केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री प्रभात कुमार चौबे, अधिवक्ता की मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय, दिल्ली, सेसन न्यायालय, दिल्ली और अपील न्यायालय, दिल्ली में सरकार बनाम ले. क. एस. जे. चौधरी के विली विशेष पुलिस स्थापन नियमित मामला सं. 3/83-सी. आई. यू. (पी.) में जो कृष्ण सिकन्द पुत्र श्री एच.डी. सिकन्द की नई दिल्ली में 2 अक्टूबर, 1982 को हुई हत्या के सम्बन्ध में है, अभियोजन के संचालन के लिए विशेष लीक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/39/90-ए. वी. डी. II]

New Delhi, the 26th June, 1991

S.O. 1918.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Prabhat Kumar Chaube, Advocate, as Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 3/83-CIU(P) State versus Lt. Col. S. J. Choudhary relating to the murder of Krishan Sikand son of Shri H. D. Sikand at New Delhi on the 2nd day of October, 1982 in the Court of Chief Metropolitan Magistrate, Delhi, Court of Sessions, Delhi and the appellate/revisional Courts, Delhi.

[No. 225/39/90-AVD.II]

आवेदन

नई दिल्ली, 16 जून, 1991

का. आ. 1919.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के माथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्राव्य प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (देखिए गृह) (एस सी ए) विभाग जी श्री आरटी सं. 628 तारीख 12-3-1991 (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, नीचे वर्णित

अपराधों और भास्त्रों का अध्येत्वण के लिए, सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है) :—

आरसी सं. और कानून की अभियुक्त का नाम
धारा

आरसी 3 (एस) 89 बीएसपी 1. श्री जे. उपेन्द्र शर्मा,
तारीख 2-2-89 भारतीय रोकड़-महान्नेखा लिपिक,
दण्ड संहिता की धारा 477- वैक आफ इंडिया, मुख्य शाखा
क और 409 के अधीन विशाखापट्टनम।

2. श्रीमती अजंनी देवी,
श्री जे. उपेन्द्र शर्मा की
बहन, मकान सं. 6-14-12
अचंतीवारी स्ट्रीट राजमुद्दरी

[संख्या 228/30/91-ए. बी. डी. II]

ORDERS

New Delhi, the 26th June, 1991

S.O. 1919—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Home SC-A) Department G.O. Rt. No. 628 dated 12-3-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and cases as mentioned below:—

RC No. and Sections of Law	Name of the accused.
RC.3(S)/89-VSP dated 2-2-89 under section 477-A and 409 Indian Penal Code.	1. Shri J. Upendra Sarma Cash-cum-Accounts Clerk Bank of India, Main branch, Visakhapatnam. 2. Smt. Anjani Devi, Sister of Sri J. Upendra Sarma. House No. 6-14-12, Achantiwari Street, Rajahmundry.

[No. 228/30/91-AVD.II]

का. आ. 1920:—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (देखिए गृह) (एस सी ए) विभाग जी श्री आरटी सं. 629 ता. 12-3-1991 (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, जीवे वर्णित

अपराधों और भास्त्रों का अध्येत्वण के लिए, सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है) :—

आरसी सं. और कानून अभियुक्त का नाम
की धारा

आरसी 27(एस)/88 वी- 1. देवपल्ली मुतायलु पुल
एस पी तारीख 26-12- गंगाया, काशीपुरम, देवरा-
88, भारतीय दण्ड पल्ली विशाखापट्टनम जिला
संहिता की धारा 420 और (प्राह्वेट अक्तित)
477-के अधीन। 2. देवपल्ली वीरसु पुल
गंगाया कलर्क, डी सी टीओ आफिस गजुवका, विशाखा-
पट्टनम (राज्य सरकार कर्म-
चारी)

[संख्या 228/30/91- ए. बी. डी. II]

S.O. 1920—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Home SC-A) Department G.O. Rt. No. 629 dated 12-3-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and cases as mentioned below:—

RC. No. and Sections of Law	Name of the accused
RC.27(S)/88-VSP dated 26-12-88 under Section 420 & 477-A Indian Penal Code.	1. Devupalli Mutyalu, S/o Gangayya, Kasipuram, Devarapalli, Visakhapatnam Distt. (Private person). 2. Devupalli Veeresu S/o Gangayya, Clerk, DCTO Office Gajuwaka, Visakhapatnam (State Govt. employee).

[No. 228/30/91-AVD.II]

का. आ. 1921:—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (देखिए गृह) (एस सी ए) विभाग जी श्री आरटी सं. 611 तारीख 8-3-1991 (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, जीवे वर्णित अपवाहों

श्रीर मामलों का अन्वेषण के लिए, समूह आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती हैः—

**आर सी सं. और कानून अभियुक्त का नाम
की धारा**

आर सी 25 (ए) / 87-बी एम पी नारीख 3-8-87, अटावार निवारण अधिनियम, 1947 की धारा 5 (1) (घ) के साथ पठित धारा 5 (2) श्रीर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420, 467 और 477-के अधीन।

1. श्री जी. वी. रघुराम, शाखा प्रबन्धक, कार्पोरेशन बैंक, मल्लवारम् शाखा, ईस्ट गोदावरी जिला (केन्द्रीय सरकार उपकरम)

2. श्री एम. के. एम. स्वामी, मोलुरु, मल्लवारम्, ईस्ट गोदावरी जिला (प्राइवेट व्यक्ति)

[संख्या 228/30/91-ए. वी. डी. II]
ए. नी. शर्मा, प्रवर सचिव

ORDER

S.O. 1921.—In exercise of the powers conferred by subsection (I) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Home SC-A) Department G.O. Rt. No. 611 dated 8-3-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and cases as mentioned below :—

RC No. and Sections of Law	Name of the Accused
RC.25(A)/87-VSP dated 3-8-87 under sections 420, 467, 477-A, Indian Penal Code and Sec. 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Ac, 1947	1. Sri G.V. Raghuram Branch Manager Corporation Bank Mallavaram Branch, Est. Godavari Distt. (Central Govt. under-taking). 2. Sri M.K.M. Swamy, Molkeru, Mallavaram' East Godavari Dist. (private person).
[No. 228/30/91-AVD.II A.C. SHARMA, Under Secy.	

वित्त मंत्रालय
(ग्राहिक कार्यविभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1991

का. आ. 1922 :—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय (ग्राहिक कार्यविभाग) के प्रशासनिक विभाग में स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृद्धि

ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :

भारतीय जीवन बीमा निगम

1. सूरत शहर शाखा कार्यालय, क्र. 1, मुगलीसरा।
2. सूरत शहर शाखा, क्र. 2, मुगलीसरा।
3. सूरत शहर शाखा क्र. 3, मुगलीसरा।
4. सूरत शहर शाखा, क्र. 4, मुगलीसरा।
5. सूरत शहर शाखा, क्र. 5, उधना।
6. सूरत शहर शाखा, क्र. 6, सूरत।
7. सूरत शहर शाखा, क्र. 7, नानपुरा।
8. सूरत शहर शाखा, क्र. 8, अडाजण पाटिया।
9. सूरत शहर शाखा, क्र. 9, कनाराम।
10. सूरत शहर शाखा, क्र. 10, मुगलीसरा।
11. पाडेसरा शाखा, कार्यालय, उधना।
12. बारडोली शाखा, कार्यालय, बारडोली।
13. ब्यारा शाखा, कार्यालय, ब्यारा।
14. नवसारी शाखा कार्यालय, नवसारी।
15. नवसारी शाखा कार्यालय—2, नवसारी।
16. बिल्लीमोरा शाखा कार्यालय, बिल्लीमोरा।
17. चिखला शाखा कार्यालय, चिखला।
18. बलसाड शाखा कार्यालय, बलसाड।
19. बलसाड शाखा कार्यालय, क्र. 2, बलसाड।
20. बापी शाखा कार्यालय, बापी।
21. भरुव शाखा कार्यालय, भरुव।
22. अकलेश्वर शाखा कार्यालय, अकलेश्वर।
23. अकलेश्वर जी. एस. डी. सी. शाखा कार्यालय, अकलेश्वर।
24. राजपोलता शाखा कार्यालय, भरुव।
25. बडोदरा मंडल कार्यालय, बडोदरा।
26. बडोदरा शाखा कार्यालय, बडोदरा।
27. बडोदरा शाखा कार्यालय - बडोदरा।
28. बडोदरा शाखा कार्यालय-3, बडोदरा।
29. बडोदरा शाखा कार्यालय-4, बडोदरा।
30. बडोदरा प्रतापनगर शाखा कार्यालय, बडोदरा।
31. बडोदरा अलकापुरी शाखा कार्यालय, बडोदरा।
32. बडोदरा फोहोर्ज शाखा कार्यालय, बडोदरा।
33. बडोदरा मंजलपुर शाखा कार्यालय, बडोदरा।
34. डभोई शाखा कार्यालय, डभोई।
35. बोडेली शाखा कार्यालय, बोडेली।
36. नडियाद शाखा कार्यालय-I, नडियाद।
37. नडियाद शाखा कार्यालय-II, नडियाद।
38. आणंद शाखा कार्यालय-I, आणंद।
39. आणंद शाखा कार्यालय-II, आणंद।
40. ठासरा शाखा कार्यालय, ठासरा।
41. लुणावाडा शाखा कार्यालय, लुणावाडा।
42. दाहोद शाखा कार्यालय, दाहोद।
43. गोधरा शाखा कार्यालय, गोधरा।

44. हुलोल शाखा कार्यालय, हुलोल।
45. पेटलाव शाखा कार्यालय, पेटलाव।
46. कपड़वंज शाखा कार्यालय, कपड़वंज
47. खंभान शाखा कार्यालय, खंभान।
48. बोरसद शाखा कार्यालय, बोरसद।
49. उमरेठ शाखा कार्यालय, उमरेठ।

[स. एफ 13011/7/88—हि. का. क.]

प्रदीप पूरी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
New Delhi, th 28th June, 1991

S.O. 1922.—In pursuance of Sub-Rules (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Life Insurance Corporation of India (Under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Life Insurance Corporation of India :

1. Surat City Branch Office No. 1, Muglisa
2. Surat City Branch Office No. 2, Muglisa
3. Surat City Branch Office No. 3, Muglisa
4. Surat City Branch Office No. 4, Muglisa
5. Surat City Branch, No. 5, Ughn
6. Surat City Branch No. 6, Surat
7. Surat City Branch No. 7, Nanpur.
8. Surat City Branch No. 8, Adajan Patia.
9. Surat City Branch No. 9, Katragam.
10. Surat City Branch No. 10, Maglisra
11. Padesra Branch Office, Ugha.
12. Bardauli Branch Office, Bardauli
13. Byara Branch Office, Byara.
14. Navsari Branch Office, Navsari
15. Navsari Branch Office-2, Navsari
16. Brilimaran Branch Office, Ballimaran.
17. Chikhli Branch Office, Chikhli
18. Balsad Branch Office, Balsad.
19. Balsad Branch Office No. 2, Balsad.
20. Vapi Branch Office, Vapi.
21. Bharuch Branch Office, Bharuch.
22. Akleshwar Branch Office, Akleshwar.
23. Akleshwar G.I.D.C. Branch Office, Aklshwar
24. Rajpepla Branch Office, Bharuch.
25. Baroda Divisional Office, Baroda.
26. Baroda Branch Office, Baroda.
27. Baroda Branch Office-2, Baroda
28. Baroda Branch Office-3, Baroda.
29. Baroda Branch Office-4, Baroda.
30. Baroda Pratapnagar Branch Office, Baroda.
31. Baroda Alkapuri Branch Office, Baroda.

32. Baroda Fatehganj Branch Office, Baroda.
33. Baroda Mangalpur Branch Office, Baroda.
34. Dhaboi Branch Office, Dhaboi
35. Bodeli Branch Office Bodell.
36. Nadiyad Branch Office-2, Nadiyad.
37. Nadiyad Branch Office-II, Nadiyad.
38. Anand Branch Office-1, Anand.
39. Anand Branch Office-II, Anand.
40. Thasra Branch Office, Thasra.
41. Lunavada Branch Office, Lunavada.
42. Dahod Branch Office, Dahod.
43. Godhra Branch Office, Godhra.
44. Halol Branch Office, Halol
45. Petlad Branch Office, Petlad.
46. Kapadvanj Branch Office, Kapadvanj.
47. Khambhat Branch Office, Khambhat.
48. Borsad Branch Office, Borsad.
49. Umreth Branch Office, Umreth.

[No. F. 13011/7/88-HIC].

PRADEEP PURI, Deputy Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

तदे दिल्ली 25 जून, 1991

का. आ. 1923 :—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री युवराज करण को 23 मई, 1991 से आरम्भ होकर 22 अगस्त, 1991 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये, एतद्वारा यूनियन बैंक ग्रांफ इडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[संख्या एफ-9/50/91-वी. ओ. -I]

अनिता कपूर, उप सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 25th June, 1991

S.O. 1923.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby reappoints Shri Yuvraj Karan as whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Union Bank of India for the period commencing on 23rd May, 1991 and ending with 22nd August, 1991.

[No. F. 9/50/91-BO.I]

ANITA KAPUR, Dy. Secy.

कानूनीय भूम्य आयकर आयुक्त - III

कलकत्ता, 4 मार्च, 1991

का. पा. 1924:—इस कानूनीय के अधिसूचना सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-89 के भावे, आयकर अधिनियम, 1961 की आरा 120 की उपधारा (1) और (2) एवं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर दोई, नई दिल्ली द्वारा आरा अधिसूचना सं. 7818 दिनांक 30-3-1988 और इसके बाद जारी की गई अधिसूचना सं. 8694 का, सं. 187/6/89-प्राई. डी. ए 1/एस, ओ. सं. 548 (ई) दिनांक 9-7-90 एवं उक्त अधिनियम की आरा 120 की उपधारा (2) और (5) के प्रक्रीय और इसकी ओर से सुन्ने प्रवास करने वालों सभी अन्य व्यक्तियों का प्रयोग करने हुए, 3 मुख्य आयकर आयुक्त-III, कलकत्ता एवंदशाय निरेश देता हूँ कि आयकर नियम 32 (2) और 36ए के अनुसार मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा.) और (तक.) परिचम बंगाल, कलकत्ता द्वारा पश्चात्मित जारी अधिसूचना सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-1989) के प्रानुसार निम्न संघ 3 से बर्णित आयकर अधिकारी/सहायक आयकर आयुक्त (स्वो. क. क.) निम्न पैरा 2 में वर्णित ऐसे लोकों या ऐसे मामलों या व्यक्ति के समूह के संबंध में उक्त अधिनियम के अध्याय 17वीं उआरा 195 का लाइकर और अध्याय 17 द्वी एवं अध्याय 16 के प्रक्रीय निराण अधिकारी के रूप में अपने व्यक्तियों का प्रयोग करें।

2. निम्न संघ 3 में बर्णित निराण अधिकारीयों को, अपने उपूटियों के प्रतिरिक्ष, कोई या सभी व्यक्तियों के बर्गों जो अध्याय 17 द्वी के सभी आराओं, आरा 195 को छोड़कर, में वर्णित रकम के रक्खण या कोई आमदारी की प्रवादाधीन के लिए उत्तरदायी और ऐसे निराणिति के संबंध में जिनका कानूनीय (प्रशा. कानूनीय संवेद) या क्षमापर के स्वाम, निम्न संघ 4 में वर्णित आयकर अधिकारी के शेषाधिकार के अधीन हूँ, आयकर अधिनियम 1961 के प्रायाय 21 एवं 17द्वी की अवधास्या से संबंधित मामलों में जी अपने सेवाधिकार का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

3. यह अधिसूचना दिनांक 1-10-89 से लागू होगा।

आयकर आयुक्त के प्रसार

रेज. उ. आ.,

निराण अधिकारी

(स. पा./पा. अ.)

सेवाधिकार

1	2	3	4
आ. पा., प. वै. - 11,	उ. पा., ईज- 19,	आ. अ. वार्ड - 1, हुगली	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आ. अ., हुगली के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
कलकत्ता	कलकत्ता		
-वही-	-वही-	आ. अ., वार्ड - 1, मिथनापुर	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आ. अ., मिथनापुर के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ. अ., हुसिया	इस अधिसूचना का पैरा 2 में परिणाम ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आ. अ., हुसिया के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
-वही-	वही-	आ. अ., आसनसोल ईज- आसनसोल	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आ. अ., आसनसोल के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ. अ., - 1, दुर्गपुर	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आ. अ., दुर्गपुर के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
आयकर आयुक्त, प. वै. - 11 उ. पा., आसनसोल कलकत्ता	रेज. आसनसोल	आ. अ., सूरी	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आ. अ., सूरी के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ. अ., संकुरा	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आयकर अधिकारी आकुरा के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ. अ., पुरुलिया	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्ग जो आयकर अधिकारी, पुरुलिया के शेषाधिकार के प्रधान हैं या आयेंगे।

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX-III

Calcutta, the 4th March, 1991

S.O. 1924—In continuation of this office Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989 and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 vide Notification No. 7818 dated 30-3-1988 and subsequent Notification No. 8694 in F.No.187/6/89-ITA.I/S.O.No. 548 (E) dated 9-7-1990 issued by the Central Board of Direct Taxes New Delhi, and under sub-sections (2) and (5) of Section 120 of the said Act, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, hereby direct that the Income Tax Officer/Assistant Commissioner of Income Tax (TDS) as mentioned in column 3 below, designated as such by the then Chief Commissioner of Income Tax (Admn) & (Tech), West Bengal, Calcutta (vide Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989) under Rule 32(2) and Rule 36A of the Income Tax Rules, shall exercise powers and functions as an Assessing Officer under Chapter-XVIB excepting Section 195, Chapter-XVID and Chapter-XXI of the said Act in respect of such areas or such persons or class of persons as mentioned in para 2 below.

2. The Assessing Officers, as mentioned in column 3 below, in addition to their own duties, are empowered to act and exercise jurisdiction over any or all persons or class of persons who are responsible or paying any income or sum of the nature mentioned in all Sections of Chapter-XVII excepting Section 195, and also relating to provisions of Chapter XVID and Chapter-XXI of the Income Tax Act, 1961 in respect of assessees whose office (including branch office) or place of business is situated within the area of jurisdiction of Income-tax Office as mentioned in column 4 below.

3. This Notification takes effect retrospectively from 1-10-89.

Charge of the Commissioner of Income Tax.	Range D.C.	Assessing Officer (AC/ITO)	Jurisdiction
1	2	3	4
CIT, WB-XI, Calcutta.	D.C. Range-19, Calcutta.	ITO, Ward-1, Hooghly.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the I.T. Office at Hooghly.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Midnapur.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Midnapur.
-do-	-do-	I.T.O., Haldia.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Haldia.
-do-	D.C. Asansol Range, Asansol.	I.T.O., Ward-1, Asansol.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Asansol.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Durgapur.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Durgapur.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Burdwan.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Burdwan.
-do-	-do-	I.T.O., Suri.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Suri.
-do-	-do-	I.T.O., Bankura.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Bankura.

1	2	3	4
-do-	-do-	I.T.O., Purulia.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Purulia.
[No. 18/90-91 (Memo No. AC/HQ/Planning/89-90/345/11109-11708)]			
V.K. SINHA, Chief Commissioner of Income Tax-II			
কলকাতা, 4 মার্চ, 1991			
<p>কা আ 1925—ইম কার্যালয় কে স্বাক্ষর সং. 9187/89-90 বিনাক 11-9-1989 কে প্রাপ্ত, আয়কর প্রতিনিয়ম, 1961 কী ধারা 120 কী উপর্যায় (1) ও (2) এবং কেন্দ্রীয় প্রত্যক্ষ কর বোর্ড, নই হিন্দুন দ্বারা জারী প্রতিসূচনা সং. 7818 বিনাক 30-3-1988 ওর ইসকে বাদ আগৈ কী গৈ প্রতিসূচনা সং. 8694 কা স. 187/6/89 থার্ড. টো এ ।/এস ও. ম. 548 (ই) বিনাক 9-7-90 এবং উক্ত প্রতিনিয়ম কী ধারা 120 কী উপর্যায় (2) এবং (5) কে অধীন দৈন ইসক; আর সে মুলে প্রদান করনে বালী সমী অন্য প্রতিক্রিয়া কী প্রয়োগ করলো দুঃ� মে, মুল্য আয়কর আয়ুক্ত, করকাতা একাডেমি নির্দেশ দেতা হুঁ কি আয়কর নিয়ম 32 (2) এবং 36এ কে অধীন মুক্ত আয়কর আয়ুক্ত (প্রসা.) ওর (তক.) পরিচয় বংশাল, কলকাতা দ্বারা পদনামিত (জারী প্রতিসূচনা সং. 9187/89-90 বিনাক 11-9-89 কে প্রনুসার নিম্ন স্তর 3 মে বর্ণিত আয়কর প্রতিকারী/ভাবায়ক আয়কর আয়ুক্ত য(9 ক.ক.) নিম্ন পৈরা 2 মে বর্ণিত এসে ক্ষেত্র যা এসে মামলো যা অভিযন্ত কে সমূহ কে সংবল মে উক্ত প্রতিনিয়ম কে প্রযোগ 17বো, উপকারা 195 কী ছোড়ক, অভ্যায় 17ডী ওর অভ্যায় 21 কে প্রতিকারী কে উপর এসে অভিযন্ত কী প্রয়োগ করেণ।</p> <p>2. নিম্ন স্তর 3 মে বর্ণিত, নির্ধারণ প্রতিকারিয়া কে আপনে ড্যাটিয়ো কে প্রতিরিক্ষ কোর্ট যা সমী অধীন যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো অভ্যায় 17বো কে সমী আরাও, ধারা 195 কী ছোড়ক, বর্ণিত রকম কে স্বরূপ যা কোর্ট আদানী কে লিএ উত্তরণযো হোঁ ওর এসে নির্ধারিত কে সংবল মে জিনকা কার্যালয় (গুজ্বা কার্যালয় সমেত) যা ব্যাপার কে স্থান নিম্ন স্তর 4 মে বর্ণিত আয়কর প্রতিকারী কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো, আয়কর প্রতিনিয়ম, 1961 কে অবৈত 21 এবং 17ডী কী অভিযন্ত মামলো মে ভী প্রতিন শ্রেণীধিকার কে প্রয়োগ করনে কা প্রতিকার দিয়া জাগু।</p> <p>যহু প্রতিসূচনা বিনাক 1-10-89 সে লাগু হোগু।</p>			
আয়কর আয়ুক্ত কে প্রস্তাব	রেজ- উ আ	নির্বাচন প্রতিকারী	ক্ষেত্রাধিকার
1	2	3	4
আ আ , প ব - 1,	উ আ . জনপাইগুড়ী,	আ অ বাড় ।	প্রতিসূচনা কে পৈরা 2 মে বর্ণিত এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আয়কর প্রতিকারী, জনপাইগুড়ী কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো যা আয়েণ।
কলকাতা	রেজ- জনপাইগুড়ী	জনপাইগুড়ী	
-বছো-	-বছো-	আ অ , বাড় - । ম ল্বা	এন প্রতিসূচনা কে পৈরা 2 মে 3 ফিলিঙ্গ এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আ আ , মানদা কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো যা আয়েণ।
-বছো-	-বছো-	আ অ , বাড় - । ম ল্বা	এন প্রতিসূচনা কে পৈরা 2 মে বর্ণিত এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আ অ কোক বিহার কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো যা আয়েণ।
-বছো-	-বছো-	আ . অ ., বাড় - । দার্জিলিং	এন প্রতিসূচনা কে পৈরা 2 মে বর্ণিত এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আ শার্জিলিং কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো যা আয়েণ।
-বছো-	, বছো-	আ . অ বাড় - । কানিপোংগ	এন প্রতিসূচনা কে পৈরা 2 মে বর্ণিত এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আ অ প্রাপ্তিলিপোংগ কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন আতে হো যা আয়েণ।
-বছো-	-বছো-	ম প্রা., সকল - । গৈগটোক	ম প্রতিসূচনা কে পৈরা 2 মে বর্ণিত এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আ অ , গৈগটোক কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো যা আয়েণ।
আ . আ , প ব - ১,	উ আ ., রেজ- । । ।	ম আ . সকল ।। ()	এন প্রতিসূচনা কে পৈরা ।। ম নিয়ন্ত এসে সমী অভিযন্ত যা অভিযন্ত কে বাগৈ জো আ . অ , অড়মন ঔর নিয়োবার শাল্লেং কে ক্ষেত্রাধিকার কে অধীন হো যা আয়েণ।
কলকাতা		অড়মন ঔর নিয়োবার	
		আশ্লেং	

CALCUTTA, THE 4th MARCH, 1991

S.O. 1925.—In continuation of this office Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989 and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 vide Notification No.7818 dated 30-3-1988 and subsequent Notification No.8694 in F.No.187/6/89-ITA,I/S.O.No.548(E) dated 9-7-1990 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, and under sub-sections (2) and (5) of Section 120 of the said Act, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, hereby direct that the Income Tax Officer/Assistant Commissioner of Income Tax (TDS) as mentioned in column 3 below, designated at such by the then Chief Commissioner of Income Tax (Admn) & (Tech), West Bengal, Calcutta (vide Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989) under Rule 32 and 36A of the Income Tax Rules, shall exercise powers and function as an Assessing Officer under Chapter-XVIB, excepting Section 195, Chapter-XVID and Chapter-XXI of the said Act in respect of such areas and such persons or class of persons as mentioned in para 2 below.

2. The Assessing Officers, as mentioned in column 3 below, in addition to their own duties, are empowered to act and exercise jurisdiction over any or all persons or class of persons who are responsible for paying any income or sum of the nature mentioned in all Sections of Chapter-XVIB, excepting Section 195, and also relating to provisions of Chapter XVID and Chapter-XXI of the Income Tax Act, 1961 in respect of the assessees whose office (including branch office) or place of business is situated within the area of jurisdiction of Income Tax Office as mentioned in column 4 below.

3. This Notification takes effect retrospectively from 1-10-89.

Charge of the Commissioner of Income Tax	Range D.C.	Assessing Officer & A.C./L.T.O.	Jurisdiction
1	2	3	4
C.I.T., WB-1, Calcutta.	D.C. Jalpaiguri Range, Jalpairuguri.	ITO, Ward-1, Jalpaiguri.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Jalpaiguri.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Siliguri.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Siliguri.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Malda.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Malda.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Cooch-Behar.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Cooch-Behar.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Darjeeling.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Darjeeling.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Kalimpong.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Kalimpong.
-do-	-do-	AC, Circle-1, Gangtok.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Gangtok.
C.I.T., WB-VIII Calcutta.	D.C, Range-10 Calcutta.	AC Circle-10(-), Andaman Nicobar Islands.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Andaman & Nicobar Islands.

[No. 19/90-91 (Memo No. AC/HQ/Planning/89-90/345/11709-12308)]
Dr. N.R. SIVASWAMY, Chief Commissioner of Income Tax,

কলকাতা, ৪ মার্চ, ১৯৯১

কা. আ. ১৯২৬—এস প্রয়োগ কে প্রাদেশ সং. ৯১৮/৮৯-৯০ দিনাংক ১১-৯-১৯৮৯ কে প্রাগে প্রাথমিক প্রতিনিয়ম, ১৯৬১ কী প্রার. ১২০ এর উপরাজ (১) ও (২) এবং কেবল প্রস্তাৱ কৰ বোই, সেই বিলে^১ দ্বাৰা কাৰী অধিসূচনা সং. ৭৮১৮ দিনাংক ৩০-৩-১৯৮৮ ওৱ ইসকে বাব জাৰী কী গৈ অধিসূচনা সং. ৮৬৯৪ কা সং. ১৮৭/৬/৮৯ আই. টী. এ. - ১/এস. আ. সং. ৫৪০ (ই) দিনাংক ৯-৭-৯০ এবং উক্ত অধিনিয়ম কী প্রার. ২০ কী উপরাজ (২) এবং (৫) কে প্ৰদীপ আৰু ইসকো আৰু সে খুলি প্ৰদান কৰন থালো সৰ্বী অন্য পত্ৰিকায়ো কা প্ৰযোগ কৰণে দুৱ মে মুক্ত প্ৰাপকৰ প্ৰাপকৰ—II, কলকাতা এন্ডডায় নিদেশ দৈতা হু কি ৩/যক. নিয়ম ৩২ (২) এবং ৩৬ এ কে অভিন মুক্ত প্ৰাপকৰ প্ৰাপকৰ (প্ৰণা.) আৰু (তক.) পত্ৰিক মাল, কলকাতা দ্বাৰা পত্ৰনিit (পত্ৰ) অধিসূচনা সং. ১১৭৮১-১০ নিয়ম ১১-১-৯০ কে অনুসাৰ নিয়ন স্থান ৩ কে বৰ্ণিত প্ৰাপকৰ অধিকাৰ/সহায়ক প্ৰাপকৰ (স্বো. ক. ক.) নিয়ন পৰা ২ মে অণিত এসে কোৰ্টো যা এসে মালো যা অ্যক্ষিত কে সমতুল কে সংৰক্ষ মে উক্ত অধিনিয়ম কে প্ৰয়াপ XVIIIB পত্ৰার ১৯৫ কী ছোড়কৰ প্ৰয়াপ XVII D, আৰু পত্ৰায় XXI কে প্ৰদীপ নিৰ্ধাৰণ অধিকাৰী কে রূপ মে অপনী শব্দিতয়ো কা প্ৰযোগ কৰেণ।

২. নিম্ন স্থান ৩ মে অণিত নিৰ্ধাৰণ অধিকাৰিয়ো কে অপনে ড্যুটিয়ো কে অভিনিয়ম কোই যা সৰ্বী অ্যক্ষিত যা অভিনিয়ম কোই যা পত্ৰ পত্ৰায় XVII. B কে ২ মে ধাৰাও, পত্ৰার ১৯৫ কী ছোড়কৰ অণিত রকম কে স্বীকৃত যা কোই ধাৰাদনী কী অ্যাপোগী কে লিপ উত্তৰণযো হু আৰু এসে নিৰ্ধাৰিতী কে সক্ৰিয় মে জিনতা কাৰ্য্য ক্ষেত্ৰ (শাৰ্কা কাৰ্য্য ক্ষেত্ৰ) যা প্ৰাপকৰ, কে স্থান নিয়ন স্থান ৪ মে বৰ্ণিত প্ৰাপকৰ অধিকাৰ কে অভিন হো, আৰু ২ পত্ৰিতিয়ম ১৯৬১ কে পৰ্যন্ত XXI এবং XVII D কী ঘৃণন্যা সে সংৰক্ষ মালো মে ভা অপনে ধোকাধিকাৰ কে প্ৰযোগ কৰন কা অধিকাৰ দিয়া জাতা হৈ।

৩. যহ অধিসূচনা দিনাংক ১-১০-১৯৮৯ সে লাগু হোৱা।

পা. আ. কা প্ৰাপকৰ	ডেজ - উ. আ.	নিৰ্ধাৰণ অধিকাৰী	ধোকাধিকাৰ
১	২	৩	৪
আ. আ., প. ব. - ১০, কল. উ. আ., রেজ - ১৭, কল. আ. অ. আৰ্দ - ১, মুশিদাবাদ		এস অধিসূচনা কে পৰা - ২ মে উলিমোৰা এসে তাৰী অভিনয়ো যা অ্যক্ষিতয়ো কে বৰ্ণ জো প্ৰাপকৰ অধিকাৰী মুক্তিযোৱাৰ কে কোকাধিকাৰী কে প্ৰদীপ হৈ যা আয়েগে।	
আ. আ., প. ব. - ১০, কলকাতা	উ. আ. রেজ - ১৭, কলকাতা	আ. অ. আৰ্দ - ৭, নিয়া	এস অধিসূচনা কে পৰা পৰা ২ মে বৰ্ণিত এসে সৰ্বী অ্যক্ষিতয়ো যা অ্যক্ষিতয়ো কে বৰ্ণ জো প্ৰাপকৰ অধিকাৰী, নিয়া কে কোকাধিকাৰ কে প্ৰদীপ হৈ যা আয়েগে।

(সং. ২০/৯০ - ৯১ (মীমো) ন. এ. সী /এছ. স্ব. /পত্ৰিতিয়ম/৮৯ - ৯০/৩৪০/১২৩০৯ - ১২৯০৪)
দে.ক. বাৰ মুক্ত প্ৰাপকৰ, পত্ৰক্ষণ-II

S.O. 1926 :—In continuation of this office Notification No. 9187/89-90 dated 11-9-1989 and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 120 of the Income Tax Act, 1961 vide Notification No. 7818 dated 30-3-1988 and subsequent Notification No. 8694 in F. No. 187/6/89-ITA. I/S.O. No. 540(E) dated 9-7-1990 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi and under sub-sections (2) and (5) of section 120 of the said Act, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, hereby direct that the Income Tax Officer /Assistant Commissioner of Income Tax (TDS) as mentioned in column 3 below, designated as such by the then Chief Commissioner of Income Tax (Admn.) & (Tech.), West Bengal, Calcutta (vide Notification No. 9187/89-90 dated 11-9-1989) under Rules 32(2) and 36A of the Income Tax Rules, shall exercise powers and functions as an Assessing Officer under Chapter XVIIIB, excepting section 195, Chapter XVIID and Chapter XXI of the said Act in respect of such areas and such persons or class of persons as mentioned in para 2 below.

2. The Assessing Officers, as mentioned in column 3 below, in addition to their own duties, are empowered to act and exercise jurisdiction over any or all persons or class of persons who are responsible for paying any income or sum of the nature mentioned in all sections of Chapter XVIIIB, excepting section 195, and also relating to provisions of Chapter XVIID and Chapter XXI of the Income Tax Act, 1961 in respect of the assessees whose office (including branch office) or place of business is situated within the area of jurisdiction of Income-tax Office as mentioned in column 4 below.

3. This Notification takes effect retrospectively from 1-10-1989.

Charge of the Commissioner of Income Tax	Range D.C.	Assessing Officer (A.C./ITO)	Jurisdiction
১	২	৩	৪
CIT, WB-X, Coal.	D.C. Range-17, Calcutta.	I.T.O. Ward-I, Murshidabad.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Murshidabad.
C.I.T., WB-X, Calcutta.	D.C. Range-17, Calcutta.	I.T.O., Ward-1 Nadia	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Nadia

[No. 20/90-91(Memo No. AC/HQ/Planning/89-90/345/12309-129087)]

K.K. VEER, Chief Commissioner of Income-Tax-II Calcutta.

(राजस्व विभाग)

प्रधान समाहर्ता, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का
कार्यालय

अधिसूचना सं. 04/91-सीमाशुल्क (एन.टी.)

हैवराबाद, 17 जून, 1991

का.प्रा. 1927.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 6-4-90 तथा 18-6-90 की अधिसूचना सं. 16/90 सीमा शुल्क (एन.टी.) तथा 34/90 सीमा शुल्क (एन.टी.) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्ताक राज्य के कोजार तालुक/जिले, कसबा होम्बि के “तामाका श्रौद्धोगिक स्थल” को श्रौद्धोगिक विकास विभाग, श्रौद्धोगिक अनुमोदन सचिवालय, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित समिति प्रयोगनार्थ

शत प्रतिशत निर्यातीनयुक्त उपक्रम स्थापित करने के लिये भण्डागांव स्टेशन घोषित किया जाता है।

[फा.म. सा.-8/40/16/91-त्रिपात्र समाहर्ता (ह.)]
सा. भजंगहारो, प्रधान समाहर्ता

(Department of Revenue)

Office of the Principal Collector of Customs & Central Excise

NOTIFICATION NO. 04/91-CUSTOMS (N.T.)
Hyderabad, the 17th June, 1991

S.O. 1927.—In exercise of the powers conferred by Notifications No. 16/90-Customs (N.T.) dated 6-4-90 and No. 34/90-Customs (N.T.) dated 18-6-90, of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, “TAMAKA INDUSTRIAL AREA” Kasaba Hobli Kolar Taluk/District in the State of Karnataka is hereby declared a warehousing station under Section 9, of Customs Act, 1962 (52 of 1962) as amended, for the limited purposes of setting up 100 per cent Export Oriented Undertakings, approved by the Government of India, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Secretariat for Industrial Approvals, New Delhi.

[File No. VIII/40/16/91 P.C. (H.Z.)]
C. BHUJANGASWAMY, Principal Collector

जात्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 जून, 1919

का.प्रा. 1928.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विभाग, 1935 के विनियम 4 के उन्नियम (5) के प्रत्युत्तर में भारतीय मानक ब्यूरो एवं विभाग करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, वे स्वीकृत कर दिये गये हैं:

प्रत्युत्तर

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	देशाता की प्रवादित	लाइसेंसदारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. सी.एम./एल-1846566	1988-07-16	पंचेक्स इंजी प्रा.लि, होमाइग्रा, ताको एकलोशी रोड ब्लॉक वी पान प्रा के रामने खेलापुर तालुक, जि-रायगढ़—कार्यालय: भारत वाल्वेट फॉम्यूल, शेषपुल, सरएम वासन जी रोड, बम्बई-400072	गोवर चूल्हा, डेन ढीवा रोगन किंवा, वी बनेर बाला, डेन बनेर बाला रेटिंग 450 लि/घं प्रत्येक	माई एस : 8749-1978
2. सी.एम./एल-1846667	1988-07-16	मे. हिन्दुस्तान विभिंग इंडस्ट्री, 2 पालडग्गा रोड, कलकत्ता-700013 (पंजाब)	पटसन के लिये छोड़े करपे के शटल पाई एस : 2910-1971	
3. सी.एम./एल-1846768	1988-07-16	—शही—	पटसन के लिये स्वतः परिवर्तित होने वाले करपे के शटल पाई एस : 2784-1981	
4. सी.एम./एल-1846869	1988-07-16	—शही—	हेसियान और सेकिंग करपों के लिये शटल पाई एस : 1186-1971	
5. सी.एम./एल-1846970	1988-07-16	मंडोत इंडस्ट्रीज, 573/1 बेन रोड, मेडली (नंद नगरी के पास) शाहवरा, फिल्मी-110093	पार्लियामेंट कल्जे, टाइप-2, साइज 65, 75 और 100 मिमी पाई एस : 362-1982	
6. सी.एम./एल-1847063	1988-07-61	तोमोली एल्पाइसेज एं-24-ए, गारी नं. 4, मानंद पर्वत, नई विल्सी-110005	पार्सी गम्ब कर देने वाले नियन्त्रित हीटर 10 किलो रेटिंग पाई एस : 368-1982	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
7.	सी एम/एल- 1847164	1988-07-01	बस्टन्होम एप्लाइसेज, ए-३७, जीटीरोड, करनाल रोड, नई दिल्ली-110033	एल्प्रमिनियम तल प्लैट सहित बिजली की इस्तगी मापस्थापी 750 वा रेटिंग आईएस : 366-- 1985
8.	सी एम/एल-1847265	1988-07-01	काऊल इलेक्ट्रिकल्स, सी-108 नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-I, नई दिल्ली-28	एल्प्रमिनियम तल प्लैट सहित, 600 वा रेटिंग आईएस : 366- 1985
9.	सी एम/एल- 1847366	1988-07-01	जैन एस्ट्रोइलेसेज, बी-1443-44, शास्त्रीनगर दिल्ली	पानी गर्म करने के लिये निम्नज्यन हीटर 10किलो से 2.0 किलो रेटिंग आईएस : 368-- 1983
10.	सी एम/एल- 1847467	1988-07-16	हिन्दुस्तान पुलवराइंजिंग मिल्स, जीटी करनाल रोड, विल्ली-110036 कार्या 209, 210 भनुपम भवन, प्राजाशपुर कम्पनीयल काम्पलेक्स, दिल्ली-110037	मैलाशियान 5% भुक्तन चूर्ण आईएस : 2568-- 1978
11.	सी एम/एल- 1847568	1988-07-16	इंडियन धार्या इलेक्ट्रिंग लि, माहूल ट्रांस्फोर्डर वीथेओएल रिफाइनरी के पास, बम्बई-400074 (महा) कार्या: पीवीसी पाद, बम्बई-400074 (महा)	स्वचालन के लिये द्वितीय चालित द्रव्य, हैवीइयूटी टाइप आईएस : 8654-- 1986
12.	सी एम/एल- 1847669	1988-07-16	उदय एवं इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, ई-81, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर-144004	घातकर्ष ढलवां पाइप फिटिंग, समान, पवनाम 2 तक, एल्बो भाग 2, टी भाग 3 साकेट भाग 6 यूनियन भाग 10 आईएस : 1879 (भाग 1 से 10 तक) -- 1975
13.	सी एम/एल- 1847770	1988-07-16	विष्वकर्मा कारपो, (वायर इंडिया) 22-23 इंडस्ट्रियल एस्टेट, कालपी रोड, कानपुर (उ.प्र.)	कंजीट प्रबलन के लिये कठोर कवित इस्पात तार आईएस : 432 (भाग 2)-- 1982
14.	सी एम/एल- 1847871	1988-07-16	रासी सिरेपिक इंडस्ट्रीज लि, इसनापुर, मेडफ जि-502329 (कार्या: 3-2-248/1/7/1 और 2 पहला तल रोड सं. 1, बंजरा हिंस पंजागुटा, हैररावाड-500482)	कमोड (वाटर क्लोसेट) और मूकालयों हेतु फ्लॉट (टायिंग) विट्रियल आरिता 10 सिटर आईएस : 774-- 1984
15.	सी एम/एल- 1847972	1988-07-01	तोसाबो एप्लाइसेज कं-24 ए, गली नं. 6, मानव पर्वत, नई दिल्ली	बिजली की इस्तरो, सोपस्थापी 750 वा रेटिंग आईएस : 366-- 1985
16.	सी एम/एल- 1848065	1988-07-01	पू.मीवसेल इनेक्ट्रिकल्स इंडस्ट्रीज, वी-214, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-I, नई दिल्ली-110028	बिजली के विकिरक, 10 किलो रेटिंग आईएस : 369-- 1983
17.	सी एम/एल- 1848166	1988-07-16	भ्रमित इलेक्ट्रिकल्स, 31-एफ, मदन पार्क, रामपुरा नई दिल्ली-110028	परेलू और ऐसेही कार्यों के लिये स्विच 5 ए और 15 ए, 250 वा, एसी फ्लॉट टाइप आईएस : 3854-- 1975
18.	सी एम/एल- 1848267	1988-07-16	पंजाब इंडस्ट्रीज, प्लाट नं. 150, सेक्टर-24 फरीदाबाद-121005 (हरियाणा)	सरेचना हस्तात (सोधारण किस्म) गोल सैक्षण आईएस : 1977-- 1975
19.	सी एम/एल- 1848368	1988-07-01	मोरखी बेजिटेल प्राइवेट लि, बेजिटेल रोड, मोरखी-363641 (गुजरात)	खाद्य तेलों और बनस्पति के लिये नम्य धैसिया 0. 5 किग्रा और 1 कि ग्रा धारिता आईएस : 11352-- 1985
20.	सी एम/एल- 1848469	1988-07-01	मधुमुद्दन बेजिटेल प्राइवेट लि, रखील स्टेशन, तालुक वेगधाम, जि-भग्नवाबाद-382318	खाद्य तेलों और बनस्पति के लिये नम्य धैसिया 1 किग्रा धारिता आईएस : 11352-- 1985
21.	सी एम/एल- 1848570	1988-07-01	राजाधिराज इंडस्ट्रीज लि, इंडस्ट्रियल एस्टेट, तिलोनी-480661(म.प्र.)	खाद्य सेलों और बनस्पति के लिये नम्य धैसिया 0. 5 किग्रा और 1 कि ग्रा धारिता आईएस : 11352-- 1985

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
22. सी एम/एल-1848671	1988-07-16	रहीमनिया मेटन्स 15 हॉस्ट्रीजल एन्डे ट, पश्चिमाई-622084	खाद्य भूमि और यन्मानि के लिये 15 किलो के चौकोर कनस्तर आई एस 10325—1982	
23. सी एम/एल-1843772	1988-07-16	ग्रेट होजमरीज, सेमियल बिल्डिंगम (भ. तल) 20, मथुराम्यामी स्ट्रीट ओकाहू नियम-638602(तमि)	पेन थनी सुमी बनियान साइज-75 से 110 सेमी तक, टाइप-मार और आर एन एम गेज़ . 24 आई एस 4964—1980	
24. सी एम/एल-1848873	1988-07-16	मोर्सया प्राक्षय इंस्ट्रीज प्रा लि, जलधर, पठानकोट रोड, प्राप्त्रोकर डा-प्रेश्वर होणियारपुर	पण चो के लिये भिन्नित पाण्याहार आई एस 2052—1979	
25. सी एम/एल-1848974	1988-07-16	नवमी इंडस्ट्रीज, ई-26, एम आई ही सा, गिरावी (पलाची) बोन्हपुर-416122	कृषि प्रयोगना के लिये अपरिवर्तित संपोइन प्रज्ञवान (डीजेस) इन की कार्यकारिता अपेक्षा आई एस : 11170—1985	
26. सी एम/एल-1849067	1988-07-16	इंडिया कास्टिंग, बालकेश्वर रोड, आगरा	आन्तरिक दहन डीप्रेश्वर आई एस : 11170—1985	
27. सी एम/एल-1849168	1988-07-16	फादन शार्ट इंडस्ट्रीज (रजि) गुरु ते गवहाहुर नगर(तिम्ही) करगाड़ा	वायोनेट नेप होल्डर, रोधित ब्रेकिट पर्फ्युम बूर वर्स टाइप, ट ई-बी-22 पदनाम आई एस : 1258—1979	
28. सी एम/एल-1849269	1988-07-16	नवेंदा कारेट इंडस्ट्रीज प्रा लि, प्रम्भारी, दीवान गंज जि-रावसेन (म.प.) कार्या. ए-109, 112 शास्त्री नगट, भोपाल-462017	इन्द्रांती लकड़ी के पैनस लगे दरवाजे के शटर आई एस 1003(भाग 1)—1989	
29. सी एम/एल-1849270	1988-07-16	गोयनकाइंडस्ट्रीज, एफ-37 रोड ने ९ एफ, बीकेआई एसिया, जयपुर	एलिफ्ट सुधन चूर्ण आई एस : 1308—1984	
30. सी एम/एल-1849471	1988-07-16	भ दयाल इंस्ट्रीज, प्रीतम भवन निर्मल भीरा स्कल के सामने, मालीपुरा (पोयरेट), भोपाल-462001		
31. सी एम/एल-1849572	1988-07-16	प्रिसिजन एक्सप्रेस, ८-वी विश्वेश्वरनाहे इंडस्ट्रियल एरिया, महाविष्वना, बंगलौर-560084 कार्य : रेसकोर्स रोड इंडस्ट्रीज हाउस, बंगलौर-560001	पैद जल हेतु अप्लास्टोकूल पीवीसी पाइप श्रेणी 2 साइज़ : 110 मिमी तक श्रेणी 3 साइज़ 110 मिमी तक आई एस : 4985—1985	
32. सी एम/एल-1849673	1988-07-16	मिनोटी इंजी वर्स, 32 बमारोह रोड, हावड़ा-711306	रिफ्रिजरेशन बाल्क साइज 15 मिमी से 300 मिमो तक 1.0 म पान्धन आई एस : 5312(भाग 1)—1984	
33. सी एम/एल-1849774	1988-07-16	मैनम अपिस इंजीनियर्स, 13 एन वी एन लेशाउट, कोयम्बत्तूर-44	एक फट्टी छोटी यूनिवर्सल बिजली की मोटर 0.37 किलो, 240 को, श्रेणी बी रोधन सहित आई एस : 996—1979	
34. सी एम/एल-1849875	1988-07-16	श्रष्टम उद्योग, 3410 मोहिन्दर पार्क, रानीबाग, नई दिल्ली-110034	बिजनी की इस्तरी, गर तापस्थापी टाइप, 60097 रेटिंग आई एस . 366—1985	
35. सी एम/एल-1849976	1988-07-16	अभा इंडस्ट्रीज, बी-136-बी फेझ-2 नैएडा (उ.प.) कार्या. 23 मंशाकिनी एक्सेव, अलकनन्दा, नई दिल्ली-110019	पैराकिन मोम आई एस : 4654—1974	
36. सी एम/एल-1850052	1988-07-01	हिमाचल एल्यूमिनियम कं प्रा लि, 6 इंडस्ट्रियल एरिया, स्टैटर 2, परवान-173220	शिरोपरि प्रेषण हेतु जस्तीहृत इस्पात प्रबलित पदवाने एल्यूमिनियम चालक आई एस : 398(भाग 2)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
37. सीएम/एल-1850153	1988-08-01	रायबीर (हिंडिया) लि, स्टेशन रोड इगतपुरा, जगपुर-302015	खाद्य तेलों और बनस्पति पैकिंग के लिये सम्प्र वैशिष्ट्य, 1 किमी वारिला प्राईएस: 11352--1985	
38 सीएम/एल- 1850254	1988-08-01	गोता इंजीनियर्स, 155 फोर्योर रोड, रामकृष्णपुर, हावड़ा-711101	दोर कनोजर (द्रव चालक ड्राइविंग) साहब-2 प्राईएस: 3564--1975	
39. सीएम/एल-1850355	1988-08-01	मणिपुर कॉडवर्ट्स, केवल्स प्रा. लि., मुक्तिहिंदिक पार्क, येनमिवेड, इस्काल-795001	शिरोपारि प्रेषण हेतु सम्पर्क एन्डुमेन्टम चालक प्राईएम: 398 (भाग 1)--1976	
40. सीएम/एल- 1850456	1988-08-01	मणिपुर कॉडवर्ट्स, केवल्स प्रा. लि., मुक्तिहिंदिक पार्क, येनमिवेड, इस्काल-795001	शिरोपारि प्रेषण हेतु नमोहा इंस्ट्रुमेन्टम चालक लड़ाके एन्डुमेन्टम चालक प्राईएम: 398 (भाग 2)--(त)	
41. सीएम/एल- 1850557	1988-08-01	प्रापोली एन्टरप्राइजेज, 27 थो/ एच/13/1 चाहूल पेटी रोड, कलकत्ता-700010	सामान्य प्रकाश सेवा हेतु टास्टर तंतु बाले बालब, 15वा से 100 वा तक, 230 वा, बो-22 डो-योरी सहित प्राईएम: 418--1974	
42. सीएम/एल- 1850658	1988-08-01	यूनिवर्सल वायर, बुवेश्वरी के वास, हावड़ाना स्टेशन रोड, भवनेश्वर-6	शिरोपारि प्रेषण हेतु अस्टोहन इस्पात हेतु एन्डुमेन्टम चालक प्राईएस: 398 (भाग 2)--1976	
43. सीएम/एल- 1850759	1988-08-01	टीगल इंजी वर्क्स, ई-5 अस्टिनगढ़, ईंड एस्टेट, राजकोट-2	हविं प्रयोजनों हेतु झीजल इंजन प्राईएस: 11170--1985	
44. सीएम/एल- 1850860	1988-08-01	विप्रो लि., निर्मलनगर, भावनगर-364001	खाद्य तेलों और वात्सरी पैकिंग हेतु सम्प्र वैशिष्ट्य, 0.5 किमी से 1 किमी तक प्राईएस: 11352--1985	
45. सीएम/एल- 1850961	1988-08-01	सोराब इंडस्ट्रीज, बी-7 और 8 एवं बीएक इंडिस्ट्रियल एस्टेट, माधवपुरा, बंगलौर-560048	साफ, ठडे ताज ताज के रिएक्टिंग मर- केल्पी वाप्त, प्राईएस: 6595--1980	
46. सीएम/एल- 1851054	1988-08-01	प्रगोक्ष इंड काउन्सी वर्क्स, प्रसोक वाटिका, टेलर्साइड रोड, पश्चिम राजकोट (कार्यालय: 15 एचीसी, उद्योगनगर, राजकोट-360002)	हविं प्रयोजनों हेतु झीजल इंजन, प्राईएस: 11170--1985	
47. सीएम/एल- 1851155	1988-08-01	धी राय रेफिनरीजन इंडस्ट्रीज लि., बालानगर, हैदराबाद-500037	हविं प्रयोजनों हेतु ग्राहिंग गमि संरीक प्रज्ञवलन डॉज इंजन (20 किलो वज़ा) प्राईएस: 11170--1985	
48. सीएम/एल- 1851256	1988-08-01	धीराम मेटल इंडस्ट्रीज, 46-डी ओल्ड ईस्ट मदुरै स्टेशन रोड, मदुरै-625009	बनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 13 किमी के चौकोर कनस्टर्टर प्राईएस: 10325--1982	
49. सीएम/एल- 1851357	1988-08-01	जैन संस मैकेनिकल वर्क्स, 821--822 इंडिस्ट्रियल एरिया बी सुश्रीयाना	खाद्य 160 मिलो और 300 मिलो टाइप "ए" प्राईएस: 2876--1978	
50. सीएम/एल- 1851458	1988-08-01	प्रकाश एशोर्स, इंडस्ट्रीज, फाउन्ड्रीगढ़, हायरस, रोड, आगरा (उ.प्र.)	हविं प्रयोजनों हेतु झीजल प्राईएस: 11170--1985	
51. सीएम/एल- 1851559	1988-08-01	प्रमिल इलेक्ट्रिकल्स, 31-एफ, भवनपार्क, रामपुरा, नई घिली	सीन पिन साकेट प्राइट्सेट पलश डैम पीन पिन, 15 ए रेटिंग प्राईएस: 1293--1987	
52. सीएम/एल- 1851660	1988-08-01	यूनिवर्सल वायर, बुधीसोबारी हावड़ाना, स्टेशन रोड, भवनेश्वर-6	शिरोपारि प्रेषण हेतु एन्डुमेन्टम चालक प्राईएस: 398 (भाग 1)--1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
53. सीएम/एल—1851761	1988-08-01	लोगका मोमेट प्रा. लि., प-16, हैंडस्ट्रियर एरिया, वेस्टर, जिनाश्री बंगर		सा. गवर्नर गोडार्ड मॉर्ट आईएम : 269—1976
54. सीएम/एल—1851862	1988-08-01	विहार कंटर्म, डोना इंडिप्रिया एरिया, रटना-13		शिरोपात्र प्रेषण हेतु जस्तोहुत इस्पात प्रबलित लहवाले एल्यूमीनियम चाकड़ आईएम : 399 (भाग 2)—1976
55. सीएम/एस—1851963	1988-08-01	बही		शिरोपात्र प्रेषण हेतु जस्तोहुत इस्पात प्रबलित लहवाले एल्यूमीनियम चाकड़ आईएम : 399 (भाग 2) 1976
56. सीएम/एस—1852036	1988-08-01	हीमा पेरिमाईस, विजगेल रोड, (रेलवे स्टेशन के पास) जि. बेरठ (उ.प.)		परिवर्तन पायथर्नाय पाठ्र आईएम : 1307—1998
57. सीएम/एस—1852157	1988-08-01	मनगांव हैंडस्ट्रीज, मायापुरी, नई दिल्ली		गवर्नर चिकित्सा भवन निर्वाचन के लिए उपकरण आईएम : 1223 (खण्ड 6)—1932
58. सीएम/एस—1852258	1988-08-01	रेपसन इलेक्ट्रिकल हैंडस्ट्रीज, वी-10/10, घा. एड प्रिया, ब्रह्मपुर, दिल्ली-110052 (कार्यालय 110072, यात्री बंधुवाली, नवाबगढ़ युनिवर्सिटी, दिल्ली-110006		पानो गर्म करने के नियन्त्रण हीटर 2 किलो रेटिंग आईएम : 361—1983
59. सीएम/एल—1852359	1988-08-01	स्टाक्सो प्रोप्रेल, 111 कामरोज रोड, विद्युत—638684 (तमिल नाडु)		सादी बीनुमूली बनियान माइग्र : 75-110 सेमी टाइप : आर एन और आर प्रैन एन गेज़ : 25 आईएम :
60. सीएम/एल—1852460	1988-08-01	ए.पी. एन. लोमारीज, मेथिर विराइम 20 मृदुशामी स्ट्रोट, नियुक्त—638602 (तमिल नाडु)		सादी बुनी सूनी बनियान माइग्र : 75-110 सेमी टाइप : आरएन आर प्रैन एन गेज़ : 21
61. सीएम/एल—1852561	1988-08-01	विएलांट प्रोटेस्टन प्रॉडक्ट्स लि., 4/90 ए. नवाबपेट, नेल्लोर-524002		श्रीशीर्ण जय पर्सोपरीय चर्च माठ आईएम 565—1984
62. सीएम/एल—1852662	1988-08-01	बाहुबली प्लास्टिक्स (प्रा) लि., 41/20-ए. 1 साइट-4, हैंडस्ट्रिप्रल प्रिया मात्रिकाशाल, जि. गांधिनगर (उ.प.) कार्यालय 8 बीरलगढ़, दिल्ली-11000		पॉलि प्रापिकीत रस्ती उनड होमर लेड (थाल 1 में 24 मिमी तर)
63. सीएम/एल—1852763	1988-08-01	चक्रास्पन पाल्प कं. घा.—सीकरी, बालभगड़, जि. फरीदाबाद (हरियाणा) कार्यालय नेहरूमार्केट, बद्रगुरु, नई दिल्ली		(मेच: माध्यारंग और विशेष आईएम : 5175—1982
64. सीएम/एल—1852864	1988-08-01	मार्केट पार्टनर्स लिमिटेड, घा.—चिक्कोद्रावाना, गोधरा-389001, जि.—पश्चम (गुजरात)		प्रवर्तित सीमेंट कंशेट पार्श थ्रोटी 2 माइग्र : 450 मिमी तर आईएम : 458—1971
65. सीएम/एल—1852963	1988-08-01	मार्केट कॉमोटेक पैकिंग घा. कावड़, गिरिहांशाल जि.—मिन्दुरी उ.प. कार्यालय 785/15 मोहम्मद बाहर, गिरिहांशाल (उ.प.)		माध्यारंग पोर्टफैंड सोमेट, आईएम : 269—1976
66. सीएम/एल—1853058	1988-08-01	माला टोरी गोमेट थर्म अस्त्री ग्रामेट पाइमेट, गलतारा टोली गोपेश्वर-111601 जि.—सेंटरा (प. बं.)		प्रवर्तित सीमेंट कंशेट 6 मोट पार्श थ्रोटी 2 एनी 2 माइग्र 120 लिमो तर

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
67 सीएम/पल—18-3159	1988-05-01	पा वनीग मालापुरम् २ गरुदाम वत्त गार्डन ऐन कलकत्ता-700067	चाय की परियो के लिए एलाइंस के बमे आईएम 10 (भाग 2)—1976	
68 सीएम/पल—1853260	1988-09-01	जेपो रोड सीमेट (यह प्रकाश हड्डि लि का उच्च सामर्थ्य साधारण पोर्टफैशन सीमेट एक डिवीजन जयप्रकाश नगर, पा बान 60 रोड-466001-(उ प्र)	आईएम 8112--1976	
69 सीएम/पल—18-3361	1988-09-01	पांग वनस्पति प्रैडक्ट्स जोगा गढ़ नारगढ़ा ग्रामीण (उ प्र)	बाय तना और बनस्पति के लिए वैकिन की सी नम्बर पाँक 500 रिमा और 1 रिमा आरिना आईएम 11352--1985	
70 सीएम/पल—1853462	1988-08-01	माद्रिगरीन दूधध ग्रा लि अन्नामा ग्रा लेनन राहटवेन ८ मे इट्टर, बनस्पति 396001	इ पैरे मिलिंडर को मरात्र ओर रिंग छोपमिंग आईएम 3195--1982	
71 सीएम/पल—1953563	1988-08-01	टीटा का इन्फ्रीज ५५८ ५५८ इन्फ्रीज प्लॉट नंदा आगरा-282006	इष्टि प्रयोजनों के लिए आरिंगरिंग वाले सपीजन प्रश्नकरन डोजन इन्फ्रा आईएम 11170--1987	
72 सीएम/पल—1853664	1988-08-01	मावामी इन्फ्रीज ७६९ पुनोकृतम गाड कोयम्बत्तूर 611037 कार्यो ७०२ अविनाशी गाड बायम्बत्तूर 611019	तिदृश्य माझर रेटिंग ३ ७ किला ५ ५ किला ५ किला और ७ ५ किला वैट ट्राय आईएम 9283--1999	
73 सीएम/पल—1857865	1988-09-01	पवन पवन प्रैडक्ट्स ग्रा लि प्लाट न० १४१/१ एम बी सी इन्फ्रीजल प्लॉट ग्राम बेनाग्राम नरसापुर तरसापुर तालुक मेहक जि (आ प्र)	1100 ओ तक कायेकारी ब्रॉड के लिए एयु- मीनियम बालको महिलों की सी रोधिन (डैमी इष्टटी) केबल आईएम 1554 (भाग 1)--1976	
74 सीएम/पल—1853866	1988-09-01	वाईमारी इन्फ्रीज शेष न १५२ (ग) इन्फ्रीज एस्टेट बीनपा २ बगलौर-५६००५५	यामान्य प्रगति सेवा के लिए टग-२८ रितारेन्ट लेस २५वा मे १०० वा १२० रुपये २५० वा १५० रुपयों बी-२२ डोरेपी आईएम 418--1978	
75 सीएम/पल—1953967	1988-09-01	सेटेनाइट वश्वम (शा) लि एफ-६२६ इन्फ्रीज मिडिल-३०१०१९ जि—ग्रामर (ग्रा) कार्यो जी-३ कोवि नगर एक्सटेंशन नई दिल्ली ११००१३	११९० वा ताजे कारेंगारी बल्ट ट्रैक्ट लिर पार चालको बाली पीजीसी गोदिन (डैमी इष्टटी) केबल आईएम 1551 (भाग 1)--1976	
76 सीएम/पल—1854060	1988-09-01	प्रय निपेट ५ जानियस भी-१३ ५ इन्फ्रीज ल स्टेट, यनाट-५८८१०३	पर्सन पेपर, हाथ से लिखन के लिए प्रेष्ट ए आईएम ३४५६ - १९७०	
77. साराज/एन- 1954111	1988-09-11	वीराराम ३ इन्फ्रीजन, ६१३ भाजपगढ़ राड नई दिल्ली	दिल्ली की इम्परेस, वैर नायस्थाय ६०० रुटि० आईएम ३६६-- १९९५	
78. सीएम/पल—1853262	1988-09-01	मनन इंड मेन प्रा लि विश्वनगर, ५१८हारू	कृषि प्रयोजनों के लिए आरिंगरिंग गति प्रश्नकरन (डैमर) इन्फ्रा (४ ४ मीट्री ३ ७ किला), बी १ यज्ञिनी श्रेणा आईएम 11170-- 1985	
79 साराज/एन- 1951163	1988-05-01	बे एन्ड के इलेक्ट्रिकल्स, डी-४१, बैकट-१० नालाड २०१०१ जि ग्रामीणावान (उ प्र)	विश्वना का इस्तरो शास्त्रीय, ७५०वा रेटिंग आईएम ३८६ - १९८५	
80 सीएम/पल—1951164	1988-05-01	बे एन्ड एन्ट्रोप्राइज बै-२० फाउन्डेशन आगरा-२८२००६ (उ प्र)	इष्टि रायजनों के लिए आपत्तिवृत्ति गति प्रश्नकरन (डैमर) इन्फ्रा (४ ४ मीट्री ३ ७ किला), बी १ यज्ञिनी श्रेणा आईएम 11170-- 1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
81.	सीएम/एल- 1854565	1988-08-01	एनडी सर्जिकल्स (प्रा) नि, सोना रोड, पो वा न. 34, भोपालगढ़-201204	केप पट्टी IS : 4605-- 1981
82.	सीएम/एल- 1854686	1988-08-01	इंडियन वायर्स, जारपाठा, भुवनेश्वर-731006	गिरोपरि प्रेषण हेतु एन्युरीनियम के लड्डावार चालक, 7 लाड़। IS : 398 (भाग 1)-- 1976
83.	सीएम/एल- 1854767	1988-08-01	श्री हरिहर इंडस्ट्रीज (प्रा) लि, एस 102 और 102, मनवेश्वर इंडस्ट्रियल स्टेट, भुवनेश्वर-731010	गिरोपरि प्रेषण हेतु एन्युरीनियम के लड्डावार चालक, 7 लाड़। IS : 398 (भाग 1)-- 1976
84.	सीएम/एल- 1854868	1988-08-01	यूनाइटेड इंडस्ट्रीज, 4965/1 नुगाई. आगरा-282008 (उ.प्र.)	कृषि प्रयोजनों के लिए अवरिवर्तित गति वंपो डन प्रज्ञवलन (डोजन) इंजन, 3.7, 4.8, 5.5 और 5.4 किलो वा, वा 1 IS : 11170-- 1985
85.	सीएम/एल- 1854969	1988-08-01	महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज, 21/48 द्वार्गंग, आगरा-282004 (उ.प्र.)	कृषि प्रयोजनों के लिए अवरिवर्तित गति संपीड़न प्रज्ञवलन (डोजन) इंजन 3.7, 5.9 और 4.8 रेटिंग वी थी। जलशीति IS : 11170-- 1985
86.	सीएम/एल- 1855062	1988-07-16	आलाजी बेजोटेल प्रॉडक्ट्स (प्रा) लि, पो वा न. 43, शाहजहांपुर रोड, सीतापुर-261001 (उ.प्र.)	खाद्य तेलों और बनस्पति के लिए नम्यपैक IS : 11352-- 1985
87.	सीएम/एल- 1855163	1988-08-01	बजरंगबली मैटल इंडस्ट्रीज, जल फाटक डा- धनबाद, जि-- धनबाद	1100 वो तक कार्यकारी बोलता है लिए तांबा चालकों के लिए खोलवार और खोल रहित पीवीसी रोधित केपल IS : 694-- 1977
88.	सीएम/एल- 1855264	1988-08-01	लैन्स, डब्ल्यू-10 इंडस्ट्रियल एस्टेट, यादवगिरि मैसूर-570020	मामाच्य प्रकाशसेवा के लिए टंगस्टनहेतु बल्ब, 25 वा से 100 वा तक रेटिंग 250 वी, एक कुड़नी/कुड़लित कुड़ली, वी-22वी टोणी सहित IS : 410-- 1978
89.	सीएम/एल- 18553645	1988-08-01	नेशनल प्लाईबुड इंडस्ट्रीज लि, मकूम रोड तिनसुकिया, असम-786125 कार्यालय: 5 कंसी रोड, कलकत्ता-700001	बवनों क बाहर प्रयोग के लिए अनाक और व्यापारिक टाइप (काम) और बवनों के अधिक प्रयोग हेतु व्यापारिक टाइप (आईसीओएम) IS : 1659-- 1979
90.	सीएम/एल- 1855466	1988-08-01	प्रमु इंडस्ट्रियल उद्योग प्रा. लि. 1 तर्फ आट रोड, कलकत्ता-700053	विधि उपकरणों हेतु ज्वालासह खोल टाइप एफएम-3 IS : 4985-- 1981
91.	सीएम/एल- 1855567	1988-08-01	प्लास्ट्रेन, 28 पुराना नामिका रोड, बेलधारिया, कलकत्ता-700056 कार्यालय--प्लाट नं. एन, जोधपुर पार्क, कठ ज्वा-700068	पेयजल आटून हेतु अलास्टोहन पीवीसी पाइप साइज 110मिमो तक IS : 4985-- 1981
92.	सीएम/एल- 1855668	1988-08-01	इंडियन वायर्स, जारपाठा, भुवनेश्वर-731006	जस्टीक्ट इस्पात प्रयोगित लड़ वाले एस्प- मोग्नियम चालक-- IS : 398 (भाग 2)-- 1976
93.	सीएम/एल- 1855769	1988-08-01	वन्सन रॉप इंडस्ट्रीज, 22/460 नूरीप. लघाट-67800 (केरल) कार्यालय. पहाड़ा नर वेथी काटेज, नूरानी, अ. पाठा-678004	टंगस्टन तंतु बल्ब 25 वा से 100 वा तक रेटिंग 250 वी एक कुड़नी/कुड़लित कुड़ली वी-22वी टोणी सहित IS : 418-- 1978
94.	सीएम/एल- 1855870	1988-08-01	ममल, इंडस्ट्रीज, म. 73 इंडस्ट्रियल प्लेटफॉर्म, 7 मैसूर-570020	टंगस्टन तंतु बल्ब 100 वा एक कुड़ली/कुड़लित कुड़नी वी-22 वी टोणी सहित IS : 418-- 1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
95.	सीएम/एल- 1855971	1988-08-01	कुमार इंडस्ट्रीज, सदल रोड, इंडियन एरिया जालघर शहर	वात वर्षे बगवा पाइप फिटिंग, समान साइज़: पदाम 2 तक एल्को- - भाग 2, दी-भाग-3 साकेट-4, यूनियन-भाग 10 IS : 1879-- 1975
96.	सीएम/एल- 1856061	1988-08-01	बाबा इंडस्ट्रीज प्लाट नं. 6, सेक्टर 1, परखानू, जि-- सोलन (हिम्च)	1100 थो तक कार्यकारी बोलता के लिए एल्युमिनियम तांबा आलकों वाली बोलदार या खोल रहिए भीवीसी रेखित क्रेबल, वाही और अनाताप घरमस्ता को छोड़कर IS : 694-- 1977
97.	सीएम/एल- 1856165	1988-08-01	श्रीपीएफ इलेक्ट्रिकल्स एसएफ 131/4 विलेनकुरवी, मेन रोड, विलेनकुरवी ठा कोपम्बन्हुर-641035	कृषि प्रयोजनों के लिए अपकेसी पम्प हेतु फूटब्राल IS : 10805-- 1980
98.	सीएम/एल- 1856266	1988-08-01	दुर्गालैंडक सरिया मिल कंपाउण्ड के अंदर, कुम्हारपाल अम्बाला शहर-133001 (हरियाणा)	ध्रातु पालिंग, इब्र IS : 5487-- 1989
99.	सीएम/एल- 1856367	1988-08-01	कुलवीप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन (कैमीकल्स) 41 इंडस्ट्रियल एस्ट्रिया, चंडीगढ़	ध्याटास्लोर पायसर्वीय सांक्र IS : 9356-- 1980
100.	सीएम/एल- 1856468	1988-08-01	-वही-	एल्क्रिट पायसनाय सांक्र IS : 1307-- 1988
101.	सीएम/एल- 1856569		-वही-	एल्क्रिट भूरकन भूर्ण IS : 1308-- 1984
102.	सीएम/एल- 1856670	1988-08-01	एवरेस्ट कार्बन्स प्रा. लि. ग्रा.- बेयरा माजिरा झा.- बापरतह राजपुरा, जि.-पटियाला (चंडीगढ़) पम्बाला हावी	टाइप राइटर के लिए कार्बन पेपर कार्बन पेपर IS : 1551- 1976
103.	सीएम/एल- 1856771	1988-08-01	-वही-	कार्बन पेपर IS : 3450-- 1976
104.	सीएम/एल- 1856872	1988-08-01	के बी कैमोकल्स, एम- 2/183 भू. इंडिस्ट्रियल एस्टेट, ठा-- जगतपुर-754201 जि-- कटक (उडीमा)	एल्युमिनो-- पैरिक IS : 299-- 1989
105.	सीएम/एल- 1856973	1988-08-01	पम्बा कैम इंडस्ट्रीज, 272 जीआईडीपी इंडिस्ट्रियल एस्टेट, एक्स मकारपुरा बरोडा-390010	पायरम जल परिक्षेपणीय भूर्ण IS : 4766-- 1982
106.	सीएम/एल- 1857066	1988-08-01	एसोसिएटेड इंजीनियर्स, सी-3 इंडिस्ट्रियल एस्टेट, परिसिकी-573103 कन्नटक	टाइपराइटर के लिए कार्बन पेपर 3 IS : 4166-- 1982
107.	सीएम/एल- 1857167	1988-08-01	वता एंड वास गुप्ता ग्रा.- दगडेन झा-- भारत-गोपालपुर, जि.-- 24 परगना	हस्तचालित भाग 1 पिटन टाइप IS : 3906 (भाग 1)-- 1982
108.	सीएम/एल- 1857268	1988-08-01	नोर्थीवा होम एलाइसेज ब्लाट न. 126, सेक्टर-25, फरीदबाद-121004 (हरियाणा)	द्रव्यंग हेतु चरेन्स चूल्हा, स्टीनेनरीस इस्पात दी बर्नर, डलवां लोहे के पारपरिक बर्नर 1554 किलो/थ और 2064 किलो/थ कुल गैस 332 ग्रा/थ IS : 4246-- 1984
109.	सीएम/एल- 1857369	1988-08-01	जैनिय कारपोरेशन, 5-ए जैननगर, मेरठ शहर-250002 (उ.प्र.)	हथकरघे का सूती पट्टी का काढा गैर निर्जनित IS : 863-- 1969
110.	सीएम/एल- 1857470	1988-08-01	हरकरन वास दाप चैव, 470 और 479 लारेंस रोड, रामपुरा, पिल्लौ-110035 (कार्यालय: 455 आरीबाबर्न- 110008)	पुनादि का साबून, टाइप 1 IS : 285-- 1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
111	मीएम/एल 1857571	1988 08 01	मुपन्हेटरीज (गंगि) बी-५१ नारायणा हड्डि, एरिया, केंग-१, नई दिल्ली-११००२४	मीसा मम्म सवायक बैटरी मोटर वाहन हेतु, १५ ओ., ६० एच अमता IS 7372-- 1974
112	मीएम/एल- 1457672	1988 09 01	बिस्टर केबल्स शासी (प्रा.) दिल्ली प्रायरन स्टील कंपनी, १८५। जीटी रोड गाजियाबाद (उप्र.)]	नामा चामकों वाली पीछीसी रोकित केबल, ३३/३३ किंवा ब्रेंड तक IS 5 ३४ (भाग २) - 1981
113	मा/एम/एल- 1857773	1988 08 01	ईरीशियल कैमीकल्स प्लाट न. १०३-ए, मेक्टर “ए” हैड एरिया, मद्दोदीप-४६२०४६	विरचक चूर्ण, व्यापी ब्रेंड-२ IS 1063-- 1971
114	मीएम/एल- 1857874	1988 08 01	श्रीराम दीजन (हड्डि) सी-६५-६६ काउडी नगर, आगरा (उप्र.)	[इति प्रयोगना हेतु अपरिवर्तित गति संपीडन प्रज्ञवलन इंजन ३.७, ५.० ओ., जलशीलित, IS बी 11170-- 1985 .
115	मीएम/एन- 1857975	1988 08 01	--वही-	इति प्रयोगना हेतु अपरिवर्तित गति संपीडन, प्रज्ञवलन इंजन, ३.७, ५.०, बी., जलशीलित IS । बी 11170 - 1985
116	मीएम/एल- 1858068	1988 09 01	जयधी काइबर प्रोइंडस लि. आ-- प्रासादपुर डा-- म्यू कोलाया, जि-- हावड़ा	मर्नीखा रसी IS 1084-- 1983
117	मीएम/एल- 1858169	1988 08 01	माइन सेप्टी एप्लाइसेज लि पी-२५ ट्रांसपोर्ट बिपो रोड, कलकत्ता-७०००८८	औद्योगिक मुरक्का हेनमेट्स माइज- मैथम IS । २९२५-- 1984
118	मीएम/एल- 1858270	1988 06 01	गैलाशी एटर प्रार्थिय (प्रा) लि., टी-३३ हैट्स्ट्रिपल एस्टेट, कटक-७५३०१० (जीता)	जस्तीहत इस्पात प्रबलित लड्डाले एम्प्यूटरिंगम बालव IS 398 (भाग २)-- 1976
119	मीएम/एल- 1858371	1988 08 01	श्री हरिहर हृष्ट्रीज (प्रा) लि., एम-१०२ बीर १०३ मनकेश्वर हृष्ट्रियल एस्टेट, मुमोर-७३१०१०	जस्तीहत इस्पात प्रबलित लड्डाले एम्प्यूटरिंगम बालव IS 398 (भाग २) -- 1976
120	सोएम/एल- 1858472	1988 08 01	मीमेट कारपोरेशन प्राफ गुजरात लि., प्रस्तवाड़ा ग्रा-- बोराता, ग्रा के पास नालुक बीराबल जि-- जूनांगढ़	पोटेंसियल पोवलाना सीमेट IS 1499-- 1976
121	सोएम/एल- 1858573	1988 08 01	विजय कायर एपरेटर्स क सी-१/बी-१ जीप्राइडीसी एस्टेट, उमसाम, जि-- बानासाड (गुज.) कार्या ३५ बांदी बालो ग्रा-- साक्षीविहार रोड के भासमे बम्बई-४०००७२	अभिन गमन के लिए चूर्ण टाइप माध्यारण IS 4308-- 1984
122	मीएम/एल- 1858674	1988 08 01	कनकोरा सैम्प हृष्ट्रीज , ३९/४ छोलोकल एसेक्टा कलकापुरा रोड, बगलोर-५६००६२	जीएलएम टैगस्टन नंतु बल्ब, ४०३ से १०० वा तक रेटिंग २५० ओ, एम कुड़ली/कुड़सित कुड़ली बी-२२ औ टोपी सहित IS : 418-- 1978
123	सोएम/एल- 1858775	1988 08 01	बालाजी प्रेशर केबल्स प्रा.लि २६-ए, श्रीवेंकेश्वर काल हृष्ट्रियल एस्टेट, माईडीए, गोडीमटेला, हैवराबाद-५००८६३	पुराने वा ने ने निर्मित रोटरी मरम्मत और निर्माणान्वय IS 3196-- 1976

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th June, 1991

S. O. 1928—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Operative Date (3)	Name and Address of the Licensee (4)	Article/Process covered by the licences and the relevant IS : Designation (5)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-1846566	1988-07-16	M/s Pentax Engg. Pvt. Ltd., Honad Village, Takai Acloshi Road, Opp. Khopoli Pan Highway, Khalapur Taluka, Distt. Raigad-410203 (Office : Bharat Velvet Compd, Safed Pool, Sir M. Vasanji Road, Bombay-400072).	Cast iron painted body Gobar gas double burners stove with cast iron burner of ratings 450 l/h each IS : 8749—1978
2.	CM/L-1846667	1988-07-16	M/s Hindustan Bobbin Industries, 2, Pagledanga Road, Calcutta-700013 (WB)	Shuttles for jute broad looms. IS : 2910—1971
3.	CM/L-1846768	1988-07-16	—do—	Shuttles for automatic Co-changing jute looms. IS : 2784—1971
4.	CM/L-1846869	1988-07-16	—do—	Shuttles for Hessian and sacking looms. IS : 1186—1971
5.	CM/L-1846970	1988-07-16	M/s Manjit Industries, 573/1, Main Road, Mandall (Near Nand Nagari) Shahdara, Delhi-110093.	Parliament hinges type-2, size : 65, 75 and 100 mm. IS : 362—1982
6.	CM/L-1847063	1988-07-01	M/s Toshiba Appliances Co., A-24-A, Gali No. 4, Anand Parbat, New Delhi-110 005.	Electric Immersion water heater 1.0 Kw rating. IS : 368—1983
7.	CM/L-1847164	1988-07-01	M/s Western Home Appliances, A-37, G.T. Road, Karnal Road, Delhi-110033.	Electric Iron, thermostatic with aluminium sole plate 750W rating. IS : 366—1985
8.	CM/L-1847265	1988-07-01	M/s Kajal Electricals, C-108, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110028.	Electric iron, non-thermostatic, 6000 W rating. IS : 366—1985
9.	CM/L-1847366	1988-07-01	M/s Jain Enterprises, B-1443-44, Shastri Nagar, Delhi-110052.	Electric immersion water heaters, 1.0 Kw to 2.0 Kw rating. IS : 368—1983
10.	CM/L-1847467	1988-07-16	M/s Hindustan Pulvorising Mills, G.T. Karnal Road, Bakoli, Delhi-110036 (Office 209, 210, Anupam Bhawan, Azadpur Commercial Complex, Delhi-110037).	Malathion 5% Dusting Powder IS : 2568—1978
11.	CM/L-1847568	1988-07-16	M/s Indian Oil Blending Ltd., Mahul Trombay Road, Near BPOL Refinery, Bombay-400074 (Maharashtra). (Office : PVC Pad Trombay, Bombay-400074 (MS).	Automotive hydraulic brake fluid, heavy duty type. IS : 8654—1986

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
12. CM/L-1847669	1988-07-16	M/s Double Aay Industrial Corporation, E-81, Industrial Area, Jalandhar-144 004.	Malleable cast iron pipe fittings: equal upto and including size designation 2. Elbows—Part II, Tees—Part III, Sockets Part VI, Unions—Part X IS : 1879 (Part I to X)—1975.	
13. CM/L-1847770	1988-07-16	M/s Vishwakarma Corpn. (Wire Division). 22-23, Industrial Estate, Kalpi Road, Kanpur (U.P.).	Hard drawn steel wire for concrete reinforcement IS : 432 (Part II)—1982	
14. CM/L-1847871	1988-07-16	M/s Raasi Ceramic Industries Ltd., Isnapur, Medak Distt.-502329 (Office : 3-2-248/1/7/1 & 2 1st Floor Road No. 1, Bamjara Hills, Panjagutta, Hyderabad-500482.	Flushing cisterns for water closets and urinals (Vitreous) Capacity: 10 litres IS : 774—1984	
15. CM/L-1847972	1988-07-01	Toshiba Appliances Co., A-24/A, Gali No. 4, Anand Parbat, New Delhi-110005.	Electric Iron, Thermostatic, 750W rating. IS : 366—1985	
16. CM/L-1848065	1988-07-01	M/s Universal Electrical Industries, B-214, Naraina Industrial Area, Phase - I, New Delhi-110028.	Electric radiators 1.0 Kw rating. IS : 369—1983	
17. CM/L-1848166	1988-07-16	M/s Amit Electricals, 31-F, Madan Park, Ram pura, New Delhi-110026.	Switches for domestic and similar purposes, 5A and 15A, 250V AC flush type IS : 3854—1966	
18. CM/L-1848267	1988-07-16	M/s Punjab Industries, Plot No. 150, Sector 24, Faridabad-121005. (Haryana).	Structural steel (Ordinary quality) “Round sections only”. IS : 1977—1975	
19. CM/L-1848368	1988-07-16	M/s Morvi Vegetable Products Ltd., Vegetable Road, Morvi-363641 (Gujarat).	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 0.5 Kg & 1kg. Capacity. IS : 11352—1985	
20. CM/L-1848469	1988-07-01	M/s Madhusudan Vegetable Products Co. Ltd., Rakhial Station, Taluka Dehgam, Distt. Ahmedabad-382315.	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 1 Kg capacity. IS : 11352—1985	
21. CM/L-1848570	1988-07-01	M/s Rajadhiraj Industries Ltd., Industrial Estate, Seoni-480661 (M.P.)	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 0.5 Kg, and 1 Kg. capacity. IS : 11352—1985	
22. CM/L-1848671	1988-07-16	M/s Rahimania metals, 15, Industrial Estate, Pudukkottai-622084	15-Kg square tine for vanaspati and edible Oils. IS : 10325—1982	
23. CM/L-1848772	1988-07-16	M/s Grand Hosiery, Santhil Buildings, (Ground floor), 20, Mathura Swamy Street, Odakkadu, Tirupur-638602 (T.N.).	Plain knitted cotton vests sizes : 75 to 110 Cm Types : RN & RNS Gaug. : 24 IS : 4964—1980	
24. CM/L-1848873	1988-07-16	M/s Motia Oil Industries Pvt. Ltd., Jalandhar Pathankot Road, Village Khokhar, P.O. Saidpur, Hoshiarpur.	Compounded feeds for cattle. IS : 2052—1979	
25. CM/L-1848974	1988-07-16	M/s Laxmi Industries, D-26, MIDC, Shiroli (Palachi), Kolhapur-416122.	Performance requirements for constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes. IS: 11170—1985	
26. CM/L-1849067	1988-07-16	M/s India Casting, Balkechwar Road, Agra.	Internal combustion diesel engine, IS : 11170—1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
27. CM/L-1849168	1988-07-16	M/s Fine Art Industries (Regd.), Guru Teg Bahadur Nagar, (Tibbi) Phagwara-	Bayonet lamp holder insulated bracket pendant and button type B-22 Designation. IS:1258—1979	
28. CM/L-1849269	1988-07-16	M/s Narbada Forest Industries, Pvt. Ltd. Ambari, Diwanganj, Distt. Raisen (MP) (Office : A-109, 112, Shastri Nagar, Bhopal-462017).	Timber panelled door shutters IS : 1003 (Part I)—1977	
29. CM/L-1849370	1988-07-16	M/s Goenka Industries, F-37, Road No. 9-F V K I Area, Jaipur.	Aldrin dusting powders IS : 1308—1984	
30. CM/L-1849471	1988-07-16	M/s Dayal Industries, 'Pritam Bhawan' Opp. Nirmal Meera School, Malipura (Pear Gate), Bhopal-462001 Fty: 148-B, Sector A, Industrial Area, Mandideep, Bhopal (M.P.).	Domestic LPG gas stove stainless steel and Ni/Cr plated. Burner : CI & conventional double ratings: 1554 kcal/h, 2064 Kcal/h Total gas consumption 332 g/h. IS : 4246—1984	
31. CM/L-1849572	1988-07-16	M/s Precision Extrusions, 8-B, Visvesvaralal, Industrial Area, Mahadevapura, Bangalore-560048. (Office : Race Course Road, Industry House, Bangalore-560001).	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies. Class 2— Sizes upto and including 110 mm Class 3— Sizes upto and including 110 mm. IS : 4985—1985	
32. CM/L-1849673	1988-07-16	M/s Minoti Engg. Works, 32, Buaroh Road, Howrah-711306	Reflexuvalves : Sizes 150 mm upto and including 300 mm 1.0 MPa IS : 5312 (Part I)—1984	
33. CM/L-1849774	1988-07-16	M/s Magnum Opus Engineers, 13 NVN Layout, Coimbatore-44.	Single phase small ac universal electric Motors 0.37 KW, 240 V, Class B insulation IS : 996—1979	
34. CM/L-1849875	1988-07-16	M/s Rishabh Udyog, 3410, Mohindra Park, Rani Bagh, Delhi-110034.	Electric Iron, Non-thermostatic type, 600W rating IS : 366—1985.	
35. CM/L-1849976	1988-07-16	M/s Khanna Industries, B-136-B, Phase II, Noida-(U.P.). (Office : 225, Mandakhni Enclave, Alaknanda, New Delhi-110019).	Paraffin wax, type—3. IS : 4654—1974	
36. CM/L-1850052	1988-08-01	M/s Himachal Aluminium Co. Pvt. Ltd., 6, Industrial Area, Sector II, Parwanoo-173320.	Seven strand aluminium Conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes. IS : 398 (Part II)—1976	
37. CM/L-1850153	1988-08-01	M/s Raghuvar (India) Ltd., Station Road, Durgapura, Jaipur-302015.	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 1 Kg. capacity. IS : 11352—1985	
38. CM/L-1850254	1988-08-01	M/s Gitasree Engineering, 155, Foreshore Road, Ramkrishnapur, Howrah-711101.	Door Closures (Hydraulically regulated) Size 2. IS : 3564—1975	
39. CM/L-1850355	1988-08-01	M/s Manipur conductors & Cables Pvt. Ltd., Muchiheirak, Themiband, Imphal-795001.	All aluminium conductors for overhead transmission purposes. IS : 398 (Pt. I)—1976	
40. CM/L-1850456	1988-08-01	- do -	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes, seven strands. IS : 398 (Part II)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
41. CM/L-1850557	1988-08-01	M/s Apolo Enterprises, 27B/H/13/1, Chaul Petty Road, Calcutta-700010.	Tungsten filament general lighting service lamps from 15W and upto and 100W, 230V, with B-22 d caps. IS : 418—1974	
42. CM/L-1850658	1988-08-01	M/s Universal Wires, Near Bhudheswari Post Office, Station Road, Bhubaneswar-6.	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes. IS : 398 (Part II)—1976.	
43. CM/L-1850759	1988-08-01	M/s Regal Engg. Works, E-5, Bhakti Nagar, Indl. Estate, Rajkot-2.	Diesel engines for agricultural purposes IS : 11170—1985	
44. CM/L-1850860	1988-08-01	M/s. Wipro Ltd., Nirmalnagar, Bhavnagar-464001.	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 0.5 Kg and 1 Kg. Capacity. IS : 11352—1985	
45. CM/L-1850961	1988-08-01	M/s Sovraba Industries, B-7 & 8, NGEF, Industrial Estate, Mahadevapura, Bangalore-560048.	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold fresh water, IS : 6595—1980	
46. CM/L-1851054	1988-08-01	M/s Ashok Engg. & Foundry Works, Ashok Vatika, Dhebarbhai Road (South) Rajkot. (Office : 15, ABC Udyognagar, Rajkot-360002).	Diesel engine for agricultural purposes, IS : 11170—1985	
47. CM/L-1851155	1988-08-01	M/s Shriram Refrigeration Industries Limited, Balangar, Hyderabad-500037.	Constant speed compression Ignition diesel engines for agricultural purposes (Upto 20 Kw). IS 11170—1985	
48. CM/L-1851256	1988-08-01	M/s Sri Ram Metal Industries, 46-D Old East Madurai Station Road, Madurai-625009	15-Kg. square tins for vanaspati and edible oils, IS 10325—1982	
49. CM/L-1851357	1988-08-01	M/s Jainson Mechanical Works, 821-822, Industrial Area B, Ludhiana.	Lathe chucks sizes 160 mm and 200 mm, Type A IS 2876—1978	
50. CM/L-1851458	1988-08-01	M/s Prakash Agricultural Industries, Foundry Nagar, Hathras Road, Agra (U.P.).	Diesel engines for agricultural purposes. IS 11170—1985	
51. CM/L-1851559	1988-08-01	M/s Amit Electricals, 31-F, Madan Park, Rampura, New Delhi-110026.	Three pin socket-outlets, flush type 5 and 15A, rating; three-pin plugs 15A rating. IS : 1293—1967.	
52. CM/L-1851660	1988-08-01	M/s Universals Wires, Near Budhesvari Post Office, Station Road, Bhubaneswar-6.	Aluminium Conductor for overhead trans- mission purpos-s, seven strand. IS : 398 (Part I)—1976	
53. CM/L-1851761	1988-08-01	M/s Khenka Cement Pvt. Ltd., A-16, Industrial Area, Behrar, Distt. Alwar.	Ordinary portland cement IS : 269—1976	
54. CM/L-1851862	1988-07-16	M/s Bihar Conductors, D-II, Industria Area, Patna-13.	7 Strand aluminium conductors galvanized steel reinforced. IS : 398 (Part II)—1976	
55. CM/L-1851963	1988-07-16	—do—	Seven strand all aluminium conductors for overhead transmission purposes. IS : 398 (Part I) —1976	
56. CM/L-1852056	1988-08-01	M/s Heena Pesticides, Bijrol Road, (Near Railway Crossing), Baraut, Distt Meerut (U.P.).	Aldrin emulsifiable concentrates. IS : 1307—1988	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
57. CM/L-1852157	1988-08-01	M/s Sanraj Industries, Mayapuri, New Delhi.	Apparatus for determination of fat by gerber method, IS : 1223 (Section 6)—1982	
58. CM/L-1852258	1988-08-01	M/s. Remson Electrical Industries, B-10/10 Group Indl. Area, Wazirpur, Delhi-110052. (Office : 10072, Gali Zanirwali, Nawab Ganj, Pulbangash, Delhi-110006.	Electric immersion water heaters 2 KW rating. IS : 368—1983	
59. CM/L-1852359	1988-08-01	M/s. Oxo Apparels, 111, Kamoraj Road, Tirupur-638684 (T.N.).	Plain knitted cotton vests. Size : 75 x 110 Cm. Types : RN & RNS Gauge : 26.	
60. CM/L-1852460	1988-08-01	M/s A.P.N. Hosierics, Santhil Buildings, 20, Muthuswamy Str. et, Tirupur-638602 (T.N.).	Plain knitted cotton vests. Size : 75 x 110 Cm. Types : RN & RNS Gauge : 24	
61. CM/L-1852561	1988-08-01	M/s. The Plant Protection Products Pvt. Ltd., 4/90, Nawabpet, Nellore-524002.	DDT water dispersible powder concen- trates IS : 565—1984	
62. CM/L-1852662	1988-08-01	Babubali Plastics (P) Ltd., 41/20-21, Site IV, Industrial Area, Sahibabad Distt. Ghaziabad-(UP) (Office : 8 Veer Nagar, Delhi-110007).	Polypropylene ropes 3-Strand hawser laid (diameter 4 to 24 mm) Grades Ordinary and special IS : 5175—1982	
63. CM/L-1852763	1988-07-16	M/s. Chandra Spun Pipe Co. Village : Seekri Ballabhgarh Distt. Faridabad (Haryana) (Office : Nehru Market, Badarpur, New Delhi-110044)	Reinforced cement concentrate pipes Class 2—Sizes upto and including 450mm. IS : 458—1971	
64. CM/L-1852864	1988-08-01	M/s. Modern Portland Cement, Village : Chikhodratal, Godhra-389001 Distt. Panchmahal (Gujarat)	Ordinary portland cement. IS : 269—1976	
65. CM/L-1852965	1988-08-01	M/s. Modern Corragated Packagings, Post Office Compound, Shikohabad Distt. Mainpuri-UP (Office : 785/15, Mohd. Mah Shikohabad (U.P.)	Packages for high cuplosing for commer- cial use double wall 5 ply. IS : 10212 (Part I)—1986	
66. CM/L-1853058	1988-08-01	M/s. Matatoli Cement Works, Anjali Offset Premises, Kanhartoli, Gondia-441601 Distt. Bhandra (WB)	Reinforced cement concrete pipes Class NP 2-Sizes upto and including 1200 mm IS : 458—1971	
67. CM/L-1853159	1988-08-01	M/s. Rupa Veneer Suppliers, 2, Gurudas Dutta Garden Lane, Calcutta-700067.	Tea chest plywood panels. IS : 10 (Part II)—1976	
68. CM/L-1853260	1988-08-01	M/s. Jaypee Rewa Cement, (A Division of Jaiprakash Ind. Ltd.) Jayper Nagar, P.B. No. 60 Rewa-486001 (MP)	High strength ordinary portland cement IS : 8112—1976	
69. CM/L-1853361	1988-07-16	M/s. Prag Vanaspati Products, G.T. Road, Naurangabad, Aligarh-(U.P.)	Flexible packs for the packing of edible oils and vanaspati 500 gm and 1 Kg Capacity— IS : 11352—1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
70. CM'L-1853462	1988-08-01	M/s. Sahyadri Steel Tubes Pvt. Ltd., Abrama Village, Off National Highway No. 8, Valsad-396001 (Office: Yashkamal 13 First Floor, Tithal Road, Valsad-396001) Gujarat	Repair and reconditioning of LPG by cylinders. IS : 3196—1982	
71. CM/L-1853563	1988-08-01	M/s. Steelco Industries, 54-A, Industrial Estate, Nunhai, Agra-282006.	Constant speed compression ignition diesel engines for agricultural purposes IS : 11170—1985	
72. CM/L-1853664	1988-08-01	M/s. Sabasi Industries, 768, Pulikulam Road, Coimbatore-641037 (Office: 707, Avanashi Road, Coimbatore-641018)	Submersible motors of ratings 3.7 kw 5.5 kW and 7.5 kW wat type IS : 9283—1979	
73. CM/L-1853765	1988-08-01	M/s. Pawan Power Products Pvt. Ltd., Plot No. 141/1, S.V.C. Industrial Estate, Village Ballaram, Narsapur Tq. M. dak Distt. (A.P.)	PVC insulated (Heavy duty) cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100V. IS : 1554 (Part I)—1976	
74. CM/L-1853866	1988-08-01	M/s. Bysani Industries, Shed No. A52(a), Industrial Estate, Peenya II Stage Bangalore-560058	Tungsten filament general lighting service lamps of 25W upto and including 100W rating 250V, single coil/coiled coil, with B22 d caps IS : 418—1978	
75. CM/L-1853967	1988-08-01	M/s. Satellite Cables (P) Ltd., F-626, Indl. Area, Bhiwadi-301019. Distt. Alwar (Rajasthan) (Office: G-2, Extn. Kirti Nagar, New Delhi-110013)	PVC insulated (Heavy Duty) cables with copper conductors for working voltages upto and including 1100V. IS : 1554 (Part I)—1976	
76. CM/L-1854060	1988-08-01	M/s. Associated Engineers, C-13, Industrial Estate, Arsikere-573103 (Karnataka)	Carbon papers, handwriting, Grade A, IS : 3450—1976	
77. CM/L-1854161	1988-08-01	M/s. Paragaon Electricals, 69/5A, Najafgarh Road, New Delhi-110015.	Electric iron, Non-Thermostatic 600W rating. IS : 366—1985	
78. CM/L-1854262	1988-08-01	M/s. Menon & Menon Pvt. Ltd., Vikram Nagar, Kolhapur-416005.	Constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes (4.8 and 3.7 kW) VI, B1 governing class IS : 11170—1985	
79. CM/L-1854363	1988-08-01	M/s. J & J Electricals, D-81, Sector, X, Noida-201301 Distt. Ghaziabad (UP)	Electric iron, thermostatic, 750W rating IS : 366—1985	
80. CM/L-1854464	1988-08-01	M/s. A.K. Enterprises, B-20, Foundry Nagar, Agra-282006 (UP)	Constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes of 5.9, V, B1. IS : 11170—1985	
81. CM/L-1854565	1988-08-01	M/s. H.D. Surgicals (P) Ltd., Sona Road, Post Box No. 34, Modinagar-201204(UP)	Crepe bandage IS : 4605—1981	
82. CM/L-1854666	1988-08-01	M/s. Indian Wires, Jharpada, Bhubaneswar-751006.	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes seven strand. IS : 398 (Part I)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
83. CM/L-1854767	1988-08-01	M/s. Sri Harihar Industries (P) Ltd., S-102 & 103, Municheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-751010	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes Seven strand. IS : 398 (Part I) - 1976	
84. CM/L-1854868	1988-08-01	M/s. United Industries, 4865/1, Nunhai, Agra-282006 (UP))	Constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural pur- poses of 3.7, 4.8, 5.5 & 5.9 kW V, BI water cooled. IS : 11170—1985	
85. CM/L-1854969	1988-08-01	M/s. Mahalaxmi Industries, 21/48, Treeganj, Agra-282004 (UP))	-do- 3.7, 5.9 & 4.8 rating, V, BI, water cooled IS : 11170 -1985	
86. CM/L-1855062	1988-07-16	M/s. Balaji Vegetable Products (P) Ltd P.B. No. 43, Shahjahanpur Road, Sitapur-261001 (UP)	Flexible packs for packing edible oils and vanaspati. IS : 11352—1985	
87. CM/L-1855163	1988-08-01	M/s. Bajrangbali Metal Industries, Jala Phatak, P.O. Dhanbad Distt. Dhanbad	PVC insulated cables sheathed/unsheath'd with copper conductors for working voltages upto and including 1100 Volts excluding cables for outdoor and low temperature applications. IS : 694 --1977	
88. CM/L-1855264	1988-08-01	M/s. Sun Lamps. W-10, Industrial Estate, Yadavagiri, Mysore-570020.	Tungsten filament general lighting service lamps of 25W upto and including 100W, rating 250V, single coil/coiled coil, with B22 d caps. IS : 418—1978	
89. CM/L-1855365	1988-08-01	M/s. National Plywood Industries Ltd., Makum Road, Tinsukia, Assam-786125 (Office: 5, Fancy Road, Calcutta-700001.)	Blockboards exterior grade, commercial type (X com) and interior grade com- mercial type (ICOM) IS : 1659—1979	
90. CM/L-1855466	1988-08-01	M/s. Prabhu Industrial, Udyog Pvt. Ltd., 1, Tarpan Ghat Road, Calcutta-700053	Flameproof enclosures for electrical appa- ratus Types Fs III, upto IS : 4985—1981	
91. CM/L-1855567	1988-08-01	M/s. Plastrain, 28, Old Nimita Road, Belgharia, Calcutta-700066. (Office: Plot No. 15, Jodhpur Park, Calcutta-700068)	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies class 1, Sizes upto and including 110 mm. IS : 4985—1981	
92. CM/L-1855668	1988-08-01	M/s. Indian Wires, Jharpada, Bhubaneswar-751006.	7 Strand aluminium conductors galvanized steel reinforced IS : 398 (Part II) 1976	
93. CM/L-1855769	1988-08-01	M/s. Winson Lamp Industries, 22/460, Nurani, Palghat-678004 (Kerala) (Office: 1st floor, Devi Cottage, Nurani, Jn.. Palghat-678004.	GLS Tungsten filament lamps, 25W upto and including 100W rating 250V, single/coiled coil, with B-22d Caps. IS : 418—1978	
94. CM/L-1855870	1988-08-01	M/s. Mamatha Industries, C-73, Industrial Estate, Yadavagiri, Mysore-570020.	GLS Tungsten filament lamps, 60W upto and including 100W rating 250V coiled coil with B-22d Caps IS : 418—1978	
95. CM/L-1855971	1988-08-01	M/s. Kumar Industries, Sadal Road, Industrial Area, Jallandhar City.	Malleable cast iron pipe fittings, equal upto and including size, designation 2 Elbows—Part III, Tees—Part III, Sockets—Part VI Unions-- Part X IS : 1879 -1972	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
96. CM/L-1856064	1988-08-01	M/s. Baba Industries, Plot No. 6, Sector 1, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.)	PVC insulated cables sheathed and un-sheathed with aluminium or Copper conductors for working voltages upto and including 1100 Volts excluding cables for low temperature and out door application. IS : 694—1977	
97. CM/L-1856165	1988-08-01	M/s. D P.F. Electricals, SF 131/4 Vilankurichi Main Road, Vilankurichi PO., Coimbatore-641035	Footvalves for centrifugal pumps for agricultural purposes IS : 10805—1986	
98. CM/L-1856266	1988-08-01	M/s. Thukral & Co., Inside saria Mill Compound, Kuldip Nagar, Ambala Cantt-133001 (Haryana)	Metal polish, liquid IS : 5487—1969	
99. CM/L-1856367	1988-08-01	M/s. Kuldip Industrial Corporation (Chemicals) 41, Industrial Area, Chandigarh.	Batachlor emulsifiable concentrate IS : 9356 - 1980	
100. CM/L-1856468	1988-08-01	-do-	Aldrin emulsifiable concentrates IS : 1307—1988	
101. CM/L-1856569	1988-08-01	-do-	Aldrin dusting powders IS : 1308—1984	
102. CM/L-1856670	1988-08-01	M/s. Everest Carbons Pvt. Ltd., Village : Bair Majra, P.O. : Dappar, Teh. Rajpura, Distt. Patiala (On Chandigarh Ambala Highway) Office : 1023, Sector, 36-C, Chandigarh).	Carbon papers for typewriters Grade 3. IS : 1551—1976	
103. CM/L-1856771	1988-08-01	M/s. Everest Carbons Pvt. Ltd., Village : Bair Majra, P.O. : Dappar Teh : Rajpura Distt : Patiala (On Chandigarh Ambala Highway) (Office 1023, Sector 36-C, Chandigarh)	Carbon papers, for grade 1 IS : 3450—1976	
104. CM/L-1856872	1988-08-01	M/s. Kay Bee Chemicals, S-2/18 3, New Industrial Estate, P.O.: Jagatpur-754201 Distt : Cuttack (Orissa)	Alumino-ferric IS : 299—1989	
105. CM/L-1856973	1988-08-01	M/s. Amba Chem. Industries, 272, GIDC Industrial Estate, Extn., Makarpura, Baroda-390010	Thiram water dispersible powder IS : 4766 -1982	
106. CM/L-1857060	1988-08-01	M/s. Associated Engineers, C-3, Industrial Estate, Arikere-573103 (Karnataka)	Carbon Paper for typewriter, Grade 3 IS : 1551—1976	
107. CM/L-1857167	1988-08-01	M s. Dutta & Dasgupta, Village Dashden, P.O. R. Gopalpur, Distt. 24 Parganas (WB)	Hand-operated knapsack sprayer : Part 1 Piston type IS : 3906 (Part 1)- 1982	
108. CM/L-1857263	1988-08-01	M/s. Toshiba Home Appliances, Plot No. 126, Sector, 25, Faridabad-121004 (Haryana)	Domestic gas stoves with LPG, Stainless steel body double burners gas stove with cast iron conventional burners of ratings 1554 Kcal/h and 2064 Kcal/h. Total gas consumption is 332 g/h. IS : 4246—1984	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
109. CM/L-1857369	1988-08-01	M/s. Zenith Corporation, 5-A, Jain Nagar, Meerut City-250002 (UP)	Handloom cotton bendage cloth, non-sterilized. IS : 863- 1969	
110. CM/L-1857470	1988-08-01	M/s. Harkaran Dass Deep Chand, 470 & 474, Lawrence Road, Rampura, Delhi-110035. (Office: 455, Khari Baoli, Delhi-110006))	Laundry soap, type I IS : 285- 1974	
111. CM/L-1857571	1988-08-01	M/s. Super Batteries (Regd.) B-96/1, Nataraj Indi. Arca, Phase I, New Delhi-110028.	Lead Acid Storage Batteries for Motor Vehicles, 12V, 60 Ah Capacity. IS : 7372- 1974	
112. CM/L-1857672	1988-08-01	M/s. Victor Cablex Corp. (Prop: Delhi Iron & Steel Co. Ltd.) 185, G.T. Road, Ghaziabad (UP)	PVC insulated (heavy duty) electric cables with copper conductors, upto and including 33/3.3 Kv grade. IS : 1554 (Part II)- 1981	
113. CM/L-1857773	1988-08-01	M/s. Imperial Chemicals, Plot No. 105-A, Sector 'A' Indl. Area, Mandideep-462046, Distt. Raisen (M.P.) (Office : Cottage No. 3, Ahmedabad Palace Road, Bhopal-462001 (MP))	Bleaching powder stable, grade-2 IS : 1065- 1971	
114. CM/L-1857874	1988-08-01	M/s. Shri Ram Diesel(India) C-65, 66, Foundry Nagar, Agra-(UP)	Constant speed compression ignition diesel engines for agricultural purposes 3.7, 5.9, V, water cooled, B.I. IS : 11170--1985	
115. CM/L-1857975	1988-08-01	-do-	Constant speed diesel engines for general purposes 3.7, 3.9, V, B 1 water cooled. IS : 1000I—1981	
116. CM/L-1858068	1988-08-01	M/s. Jayshree Fibre Products Ltd., Village Alampur PO., New Colara, Distt. Howrah.	Manila ropes IS : 1084—1983	
117. CM/L-1858169	1988-08-01	M/s. Mine Safety Appliances Ltd., P-25, Transport Depot Road, Calcutta-700088	Industrial safety helmets Size—Medium IS: 2925— 1984	
118. CM/L-1858270	1988-08-01	M/s. Shailasrec Enterprises (P) Ltd., D-33, Industrial Estate, Cuttack-753010 (Orissa)	7—Strand aluminium conductors galvanized steel reinforced, IS : 398 (Part II)—1976	
119. CM/L-1858371	1988-08-01	M/s. Sri Harihar Industries (P) Ltd., S-102 & 103, Mancheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-751010	7-strand aluminium conductors galvanized steel reinforced, for overhead transmission purposes, IS : 398 (Part II)—1976	
120. CM/L-1858472	1988-08-01	M/s. Cement Corporation of Gujarat Ltd., Prashnawada Village, Near Morasa Village, Taluka Veraval Distt. Junagadh.	Portland pozzolana cement. IS : 1489- 1976	
121. CM/L-1858573	1988-08-01	M/s. Vijay Fire Apparatus Co., C-1/B-1, GIDC Estate, Umergaon, Distt. Valsad (Gujarat) (Office : 35, Chandivali Village, Off Saki Vihar Road, Bombay-400072)	Powder for fire fighting Type : Ordinary IS : 4308—1982	
122. CM/L-1858674	1988-08-01	M/s. Cancora Lamp Industries, 39/4, Doddakalasandra, Kanakapura Road, Bangalore-560062.	GLS tungsten filament lamps, 40W upto and including 100W rating 250V, single coil/cooled coil, with B-22 Caps. IS : 418— 1978	
123. CM/L-1858775	1988-08-01	M/s. Balaji Pressure Vessels Pvt. Ltd., 26-A, Sri Venkateswara Co-op. Industrial Estate, IDA, Geedimetla, Hyderabad-500855	Repair and reconditioning of old LPG Cylinders. IS : 3196— 1974	

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली 17 जून, 1991

का आ 1929.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (मध्य के शासकीय प्रयोगों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (1) के प्रत्युत्तर में वस्त्र मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालय को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कार्यालयों ने हिन्दी का कार्यमालक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है—

अंतर्वीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केन्द्र,

केन्द्रीय रेशम बोर्ड,

माजरा-248171

देहरादून (उ.प्र.)

[स. E-11011/18/89-हिन्दी]

एन. लका, अबर सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 17th June, 1991

S.O. 1929.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union), Rule, 1976 the Central Government hereby notifies the following office under the Ministry of Textiles whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

Regional Sericultural Research Centre,
Central Silk Board,
Mazara-248171
Dehradun (U.P.)

[No. E-11011/18/89-Hindi]

N. LANKA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(भारीण विकास विभाग)

(विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय)

फरीदाबाद, 13 जून, 1991

का.आ . 1930.—मैं ओ.पी. बिहारी, कृषि विपण सलाहकार, भारत सरकार, कृषि उपज (भेणीकरण एवं चिन्हाकरण) अधिनियम, 1937 के अन्तर्गत विनियमित साधारण शेणीकरण एवं चिन्हाकरण नियम, 1988 के अधीन प्रवत्त गणकों का प्रयोग करते हुए विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय के अंतर्वीय कार्यालयों के सभी प्रमाणी, उप कृषि विपणन सलाहकारों अथवा क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रमाणी के द्वारा उप एवं निरीक्षण निवेशालय के अंतर्वीय कार्यालयों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।—

(1) नियम-7 किसी प्राधिकरण प्रमाण-पत्र को निर्दिष्ट अवधार रह करना, यदि उसका यह समावित हो जाता है :—

(क) कि प्राधिकृत पैकर ने शेणी अधिधान चिन्ह ठीक ढंग से नहीं लगाए हैं,
या

(ख) कि प्राधिकृत पैकर ने अधिनियम के अन्मी उपबन्ध का उल्लंघन किया है,
या

(ग) कि प्राधिकृत पैकर ने अधिनियम के किसी नियम का अतिक्रमण किया है
या अधिनियम के उपबन्धों के अधीन

जारी किए गए अनु नहीं किया है।

नियम-7 के उप नियम (2) और (3) के प्रधीन अनुबन्ध यतों पर निर्भर होता है।

(II) नियम-9(5)

कृषि उपज (भेणीकरण एवं चिन्हाकरण) अधिनियम, 1937 के उपबन्धों के अधीन किसी वस्तु के शेणीकरण के लिए रसायनकारी दिया गया अनुबन्ध वापस लेना यदि रसायनकारी अनुदेशों का पालन करने में असफल रहा है या उसने किसी नियम का अनुकूल क्रमण किया है,

कारण बताने का अवसर दे दिया गया है कि क्यों न उसका अनुमोद वापिस किया जाए।

[स. 11011/1/90-क्षू.सा.-III]

ओ.पी. बिहारी, कृषि विपणन सलाहकार

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

(Directorate of Marketing & Inspection)

Faridabad, the 13th June, 1991

S.O. 1930.—I, O. P. Behari, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of powers conferred on me under the General Grading and Marking Rules, 1988, framed under the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, authorise all the Deputy Agricultural Marketing Advisers, In-charge of the Regional Offices of the Directorate of Marketing and Inspection, or any other officer duly appointed to work as Incharge of the Regional Offices to exercise the following powers:—

(I) Rule-7 : To suspend or cancel any certificate of authorisation, if he is satisfied :—

- (a) that the authorised packer has not applied the grade designation marks correctly; or
- (b) that the authorised packer has contravened any of the provisions of the Act; or
- (c) that the authorised packer has violated any rule or has failed to comply with any of the instructions issued under the provisions of the Act.

Subject to the conditions as stipulated under sub-rule (2) and (3) of Rule-7.

(II) Rule-9(5) To withdraw the approval accorded to the Chemist for grading and Marking of an article under provisions of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 if the Chemist has failed to comply with the instructions or violated any rule : Provided that an opportunity shall be given to the approved Chemist for showing cause as to why the approval should not be withdrawn.

[No. 11011/1/90-QC. III]

O. P. BEHARI, Agricultural Marketing Adviser

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1991

का.ग्रा. 1931.—केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करते का प्रस्ताव है, जिस जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा मुक्तावदन हो तो वह अपनी आपत्ति अथवा मुक्तावदन में इस सूचना के जारी होने के तीस दिन की अवधि के अंदर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास मंदन, 'बी' ब्लॉक, अर्डे एन ए, नई दिल्ली को भेज दे। आपत्ति करते अथवा मुक्तावदने वाले व्यक्ति को ग्रपना नाम और पता भी प्रवर्ण्य देना चाहिए।

संशोधन

"उपयाज जो-8 (राजीरो गार्डन भेट) के अंतर्गत अन्ते वाले ओर उत्तर में विद्यमान नाले, दक्षिण-पूर्व में ब्लॉक डी-1 की 192 से 292 नम्बर तक की डुकानों और दक्षिण-पश्चिम में 30 फुट की मार्गाधिकार वाली सड़क से खिरे हुए लगभग 365.67 वर्ग मी. क्षेत्र का भूमि उपयोग विनियोग (ओशोग्राह उपयोग) से नार्वजनिक एवं अर्धमार्वजनिक सुविधाओं (धार्मिक) में परिवर्तित किया जाना प्रस्तावित है।

2. प्रस्तावित संशोधन को दर्शने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उपर्युक्त अवधि के अंदर सभी कार्यदिवसों में उपनिदेशक (मुख्य योजना) कार्यालय, विकास मिनार, छठी सजिल, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली के पास उपलब्ध रहेगा।

[एफ 20(7) 87-एम.पा.]

रणवीर मिह, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1991

S.O. 1931.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan Zonal Development Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection/suggestion with respect to the proposed modification may send the objection/suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, I.N.A., New Delhi within a period of 30 days from the date of issue of this notice. The person making the objection/suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION

The land use of an area measuring about 365.67 sq. mtrs, falling in sub-zone G-8 (Rajouri Garden Area), and bounded by existing nullah in the north, shops of Block D-1 from 192 to 292 in the South East and 30 ft. R/W road in the South West, is proposed to be changed from manufacturing (industrial use) to Public & Semi Public facility (religious)."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of Deputy Director (MP) Vikas Minar, 6th Floor, 1P Estate, New Delhi on all working days within the period referred above.

[F. 20(7)87-MP]

RANBIR SINGH, Secy.

नागर विभाग मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जून, 1991

का ग्रा 1932--नायनियम अधिनियम, 1953 (1453 का 37) के खण्ड 44 द्वारा प्रवत्त शब्दों का उत्तरोंग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आप नियम नियमावली, 1954 म आगे और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्राह्यत्।--

(1) इन नियमों को आप नियम (संशोधन) नियम, 1991 कहा जाएगा।

(2) ये नियम मरकारा राजसभा म प्रकाशन को तारीख म लागू होंगे।

2. आप नियम नियम, 1954 (जिन्हे इसके बाद नियमावली कहा जाएगा) के नियम 8 म, "किसी अधिकारी द्वारा" शब्दों के स्थान पर "मुख्य नेत्रा परीक्षा अधिकारी या मुख्य अंतर्राष्ट्रीय नेत्रा-परीक्षक द्वारा" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

3. नियमावली के नियम 10 में, उन्नियम (2) के प्रमुख में "एक उचित अवधि के अन्तर" शब्दों के स्थान पर "180 दिनों की अवधि के अन्तर" शब्द और अक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

4. नियमावली के नियम 18 म, धारा (5) का उत्तरारा (क) में "प्राधिकृत प्रधिकारी" शब्द के स्थान पर "सचिव" ग्रन्त प्रगति पापित किये जाएंगे।

[स. एच०-11013/6/86-ए.ए.
ओ.पौ अग्रवाल, अध्यक्ष सचिव]

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th June, 1991

S.O. 1932—In exercise of the powers conferred by section 44 of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Air Corporations Rules, 1954, namely:—

1. (1) These rules may be called the Air Corporations (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Air Corporations Rules, 1954 (hereinafter referred to as the Rules), in rule 8, for the words "by an officer", the words "by the Chief Audit Officer or the Chief Internal Auditor" shall be substituted.

3. In rule 10 of the rules, in proviso to sub-rule (2), for the word, "within a reasonable period", the words and figures "within a period of 180 days" shall be substituted.

4. In rule 18 of the rules, in sub-clause (a) of clause (5) for the words "authorised officer", the words "the Secretary" shall be substituted.

[No. H. 11013/6/86-AA]

O. P. AGGARWAL, Under Secy

अम शालम्य

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का ग्रा 1933—ओशोग्राह विवाद प्रबिन्नियम 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय मरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धनकाल के संबंध नियोजकों और उनके वर्तनारों के बीच, अनुशंश में निर्विट ओशोग्राह विवाद में केन्द्रीय सरकार ओशोग्राह अधिकारण व अम शालम्य, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 1986-91 का पाल दृष्टा था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th June, 1991

S.O. 1933 —In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(76)/1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Kutchery Branch, Raipur (M.P.) under Chief General Manager, State Bank of India, Local Head Office, Hamidin Road, Bhopal (M.P.) and their workmen S/Shri R. K. Jain and R. N. Hore, represented through the State Bank of India and Subsidiary Banks Employees Union C/o State Bank of India, Regional Office, P.B. No. 121, Raipur-492001.

APPEARANCES :

For Workmen—Shri S. D. Phadke,
For Bank—Shri K. Samdani.

INDUSTRY: Banking. DISTRICT: Raipur (M.P.).
AWARD

Dated, June 5, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/98/82-D.III(A), dated 5-9-1985, for adjudication of the following dispute—

“Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their branch at Raipur, in rejecting S/Shri R. K. Jain and R. N. Hore in the panel interview held during 1979 for the post of Officers Grade II is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled to?”

2. Facts leading to this case are that the workmen concerned were employed with the management as Head Clerk and Deputy Head Cashier at Kutchery Branch Raipur. They had appeared in written test for the promotion to the cadre of Officer Grade II held in the year 1978 and were declared successful in the written test along with others. In the oral interview, however, they were not selected for the said post. Shri V.M.T. Joshi, Regional Manager was the Chairman of the Interview Committee.

3. In the long drawn pleading the crux of the case of the workmen concerned is that because they were union leaders and they had made complaint against the conduct of certain officers (Shri Deshpande with Smt. Madhu Bhelotkar) labour unrest developed. Shri V.M.T. Joshi, the then Regional Manager, Region V was deputed to bring about a settlement with the workers in which he could not succeed. Hence these officers were hostile to the workmen concerned and contrary to the various Standing Orders etc. they were held unsuccessful due to prejudice and malice. The Committee constituted for interview was illegal. The workmen were not permitted to make an appeal against the order of non-selection of the workmen concerned in interview. They are entitled to the promotion with all consequential benefits.

4. The management has denied all the adverse allegations including any vindictiveness of the management for not selecting the workmen concerned for the post of Grade II Officers. This is said to have been done after the interview. They have been rightly not selected because they were not found fit for the post in the interview. No provisions of law or rules of Standing Orders have been violated. Reference is, therefore, liable to be rejected.

5. Following issue were framed by my learned predecessor and my findings are recorded against each of them.

ISSUES

1. (a) Whether the Bank has violated the provisions contained in Sastry Award, promotion policy and orders of Government?

(b) If so, to what relief.

2. Costs.

Findings with reasons:

6. Workmen have proved 39 documents Ex. W/1 to Ex. W/39 and has examined four witnesses viz. Raj Kumar Jain (W.W. 1), T. W. Bajajani (W.W. 2), H. P. Awadhya (W.W. 3) and Dini Prasad Sharma (W.W. 4). On the other hand, management has proved two documents Ex. M/1 and Ex. M/2 and has examined N. T. Sapre (M.W. 1), who was one of the members of the Interview Committee held for the said purpose. According to this witness, Shri V.M.T. Joshi (Officiating General Manager (Planning) was the Chairman of the Committee and he had issued the interview slips Ex. M/1 and Ex. M/2 under his signatures and the signatures of Shri Pagar. The marks in portion marked A to A of the Interview Slips were given by Shri V.M.T. Joshi soon after the interview of the particular candidates in presence of all the three members of the Committee. According to them all the three members have put questions and given marks to every candidate including the workmen concerned. Shri V.M.T. Joshi was through out on the panel of the Interview Committee.

7. Workmen have led voluminous evidence to show that they have been victimised on account of their Union activities and I have dealt with a part of it in the pleading made by the workman concerned. I have gone through all these documents filed by the workmen and the evidence adduced by them.

8. It is true that some agitation had taken place but it is wrong to say that Shri Joshi was prejudiced against the workmen concerned. It is also wrong to say that Shri Joshi was not competent or that he made entry in the interview to reject the workmen concerned on the date these workmen were interviewed.

9. If that was so objection would have been made at the initial stage and not after such a long lapse of time. The Interview Slips as pointed out were issued under the signatures of Shri Joshi which follows that the workmen were aware of the fact that interview is being held under the Chairmanship of Shri Joshi and if they were really certain that they will not be selected due to certain prejudice against them or malice against them they would have made a protest at the proper opportunity. They have also raised the objection at the initial stage that Shri Joshi is not competent for being a member or Chairman of the Interview Committee for the reasons given by them.

10. No doubt there is a voluminous evidence to show that the workmen concerned were involved in certain activities against the officers but if on this count the management was prejudiced against the workmen or Shri Joshi was prejudiced who was occupying such a post that he could have very well managed to see that the workmen do not succeed in the written test. It is very convenient to make allegations of prejudice. Shri Joshi was never directly involved in any dispute.

11. That apart, the Tribunals or Courts should be very low in interfering in such matters. Nothing could be pointed to me as to what provisions of law, rules, award or Standing Orders have been violated. The workmen concerned are not entitled to any relief. In the circumstances, however, they will bear their respective costs. Reference is accordingly answered.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/98/82-DII(A)]

का.प्रा. 1934—ओशोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यरूप में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ इन्डोर के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चित ओशोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओशोगिक प्रधिकरण व अम स्थायालय जबलपुर के पञ्चपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1934.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Cum Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(107)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of Indore, Indore and their workman, Shri Vidya Bhushan Srivastava, Clerk, Bank Ashtai Karamchari Sangh, Pandey's Building, Court Road, Shivpuri (MP).

APPEARANCES :

For Workman—Workman himself.

For Management—Shri S. K. Mishra, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Indore (M.P.)

ORDER

Dated : June 7th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/26/89-IR(B-3) dated 2nd May, 1989, for adjudication of the following dispute—

"Whether the action of the management of the R.M., State Bank of Indore in not giving an opportunity to Sh. Vidya Bhushan Srivastava Clerk, whose services were terminated on 17-2-1984 for further employment, while recruiting fresh hands under Section 25-H of the I.D. Act, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Parties filed their respective statement of claim No rejoinder or documents have been filed by either party.

3. Workman is not appearing since 29-3-1990 onwards despite repeated adjournments granted and proceedings drawn on 30-5-90, 3-8-90 and 11-2-1991. It appears that the workman concerned has no interest in prosecuting his case. No dispute award is therefore passed. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/26/89-IR(BII)]

का.प्रा. 1935—ओशोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यरूप में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चित ओशोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओशोगिक प्रधिकरण व अम स्थायालय जबलपुर के पञ्चपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1935.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and

their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

ANNEXURE
BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(92)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Jabalpur and their workman, Shri D. K. Suryavanshi, Cashier-cum-Clerk, represented through the Asstt. Secretary, State Bank Employees' Union, 300 Beoharbag, Jabalpur (MP.)

APPEARANCES .

For Workman—Shri D. P. Tiwari.

For Management—Shri A. K. Verma.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated : June 4th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/346/86-D.II(A) Dated 26th June, 1987, for adjudication of the following dispute—

"Whether the action of the management of State Bank of India, Jabalpur, in imposing the penalty on Shri D. K. Suryavanshi, Cashier-cum-Clerk vide their orders dated 24-5-86 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Facts leading to this case are as follows :—

(a) The workman, Shri D. K. Suryavanshi was working as Clerk cum-Cashier with the management at Ordnance Factory, Katni Branch of the Bank. He was charge-sheeted as follows vide Ex. M/9 dated 4-6-84:—

"Under instructions from the Regional Manager, Region I, you are hereby required to show cause as to why disciplinary action should not be taken against you on the following charges.—

1. It was observed that when the Branch Manager of our Katni Branch was serving memoranda to the members of Subordinate Staff/Bank Guards on 28-6-1983 at his Branch, you had entered the Branch Manager's cabin on that day without asking his permission to do so, and threatened him of dire consequences. This act of yours was witnessed by a customer and a member of the staff who were also present at the Branch Manager's cabin when the incident took place. Thus, you have created riotous scenes and behaved in a disorderly manner with the Branch Manager. As a result of your indecent behaviour, the prestige of the Branch Manager as well as the Bank has been reduced in the eyes of the public in general as well as the staff.

2. Your above act is prejudicial to the interest of the Bank, tantamount to gross misconduct and are punishable in terms of the Award governing your service in the Bank. Before, however, we take a final decision in the matter, you are hereby given an opportunity to submit a written statement in defence within 7 days from the receipt of this memorandum, failing which it will be presumed that you have no defence to offer and the Disciplinary Authority will be within his right to proceed further in the matter, without making any further reference to you."

(b) Two different enquiries were held against him and punishment of stoppage of two increments (with cumulative effect) was imposed on him vide order of the management dated 24-5-1986 (see also para 14). He was also transferred from Ordnance Factory Katni Branch to Chaurai Branch vide order of the management dated 28-6-86 (Annexure E to

the statement). Sastry Award and Desai Award and various other settlements taken place between the parties are applicable in this case. The matter had been to the High Court. The workman did not comply with the orders of transfer. A settlement had taken place between the parties on 1-11-83. The workman was charge-sheeted earlier also and was awarded punishment of stoppage of two increments vide order of the management dated 31-5-82.

3. The workman says that because he was a Secretary of the Union and was fighting for the cause of the workman he has been wrongly punished and transferred contrary to the provisions of Sastry Award and different Settlements, as also contrary to the Settlement dated 1-11-1983. The earlier punishment was also vindictive and contrary to the provisions of the Sastry Award. A writ petition was filed by the workman before the High Court. The management was annoyed and he was transferred to Chaurai. This order of transfer is also void and is liable to be quashed. Since he has not joined his date his pay has been stopped.

4. Departmental enquiry on the basis of the charge-sheet dated 11-10-84 was ex parte and the workman was not permitted to be represented by Shri G. K. Gandhi, General Secretary of the Union. Despite request the management refused to reopen the enquiry and to keep it in abeyance, implementation of the punishment awarded as per order dated 24-5-86 but all in vain. The enquiries are bad in law and are liable to be set aside. The impugned orders dated 24-5-86 is unjust, unfair, illegal, ultra vires. It is inoperative and ineffective. It be held accordingly. The management be directed to allow the workman to continue his duties at Ordnance Factory Branch, Katni and to pay wages due to him with retrospective effect from 1-7-1986 with all other benefits as per terms of employment of the workman.

5. According to the management, workman had a remedy against the order of punishment. Some having not been availed the reference is liable to be quashed. It is an individual dispute and it cannot be raised by the Dy. General Secretary of the Union. On this count also the reference is liable to be rejected.

6. While the workman was posted at Katni Market Branch, there were serious complaints of disobedience against him. He was accordingly charge-sheeted and punishment of stoppage of two increments was imposed on him vide order dated 24-5-86.

7. During the pendency of the first enquiry workman again indulged in riotous behaviour prejudicial to the interest of the Bank. He was charge-sheeted on 11-10-84. He filed reply but did not cooperate in the proceedings despite repeated summonses having granted to him. Ultimately, the enquiry proceeded ex parte against him and vide order dated 24-5-86 punishment of stoppage of two increments was awarded to him with cumulative effect.

8. Right from the inception of his service the workman was indulging in misbehaviour with his superiors and malafactions prejudicial to the interest of the Bank. In 1981 also he was charge-sheeted and punished. No Settlement or Award has been violated. The punishments are proper.

9. The workman was at Katni for last over seven years. He was transferred and relieved in June 1986 to Chaurai Branch but he did not join there. Instead he made efforts to get the orders stayed at different forums. Reference is, therefore, liable to be rejected.

10. Reference was the issue in this case.

Findings with reasons:

11. At the outset I must point out that three distinct D.E.s were held against the workman concerned—

(1) D.E. held vide charge-sheet dated 9-3-83 and punishment of stoppage of two increments in 1982 and 1983 without any cumulative effect vide order dated 31-5-1982 (This order has neither been challenged nor is in issue under reference. Merely by inserting para 7 in the statement of claim stating that the D.E. was prejudicial and contrary to the provisions of Sastry Award cannot be considered at this stage.)
1657 GI/91—5.

(2) D.E. held vide charge sheet dated 4-6-1984 and order of punishment of stoppage of two increments issued vide order dated 24-5-1986. It is the order passed irrespective of the subsequent D.E. has been challenged.

(3) D.E. held vide charge-sheet dated 11-10-1984 resulting in the stoppage of two increments vide order dated 24-5-86.

12. The validity of the D.E. has been challenged on the following grounds—

(a) Punishment awarded is contrary to the Sastry Award inasmuch as not more than one increment could be withheld.

(b) It is violative of the Settlement dated 1-11-1983.

(c) It is contrary to the orders of the High Court.

(d) D.E. held vide charge-sheet dated 11-10-84 was ex parte and despite request the workman was not permitted to join the proceedings and despite request the ex-parte D.E. was not set aside and held against him in his absence.

13. I have gone through the documents Ex. W/1 to Ex. W/4 and Ex. M/1 to Ex. M/14 as also the testimony of M.W. 1, S. P. Junshi who was then posted as Branch Manager in the Main Branch of State Bank of India, Katni.

14. Order Ex. M/6 is a consolidated order. Though different orders were issued in both the D.E.s. the validity of the D.E. has not been challenged on the ground that a consolidated order was passed in regard to both the D.E.s. The relevant part of consolidated order is given in para 2 which is as under—

"Stoppage of two future increments with cumulative effect over and above the punishment ordered separately for your misconduct levelled in the charge sheet dated 4-6-84 and proved. Thus the effect of punishment in respect of the two charge-sheets served and decided separately will be stoppage of 4 increments (two in each case) with cumulative effect."

It is pertinent to note that as per para 3 of this order the delinquent workman was posted to a Centre distant and away from Katni to keep him under observation for a period of two years for good conduct. It is in these circumstances as also considering other factors that my learned predecessor vide his order dated 15-10-87 directed the management to post the workman within 25 Kms of their Katni Bank at any Branch at Jabalpur within 15 days of the order. So far the question of payment of wages for the period of non-joining of the workman was concerned, it was left open by my learned predecessor to be adjudicated upon at the time of final judgment.

15. Now we come to the Sastry Award. Sastry Award undisputedly does not disclose that transfer can be made by way of punishment. It is certainly an administrative matter. However, the Tribunals are not prohibited to consider whether the transfer was by way of punishment or not.

16. It is even after the compliance of the order of my learned predecessor that a complaint in regard to the conduct of the workman was lodged before this Tribunal on 1st of March, 1988. I have only to express that suitable action can be taken against the workman concerned in relation to misconduct in this regard by the management without any fear and favour.

17. It is true that as per Clause 521(7)(c) of the Sastry Award there is a mention 'have his increment stopped for a period not longer than six months', but it is an admitted position of law that singular always includes plural and in this regard Sec. 13(2) of General Clauses Act is note worthy.

18. So far the question of not giving an opportunity to the workman to defend his case in regard to his D.E. held on the basis of the charge-sheet dated 4-6-1984 a perusal of the D.E. would disclose that the workman was given long lease and the case was adjourned from time to time to enable the workman to contest the proceedings as pointed out by the management in para 5 of the written statement which is fortified from the facts on record. There is only one application (in reply to the show cause notice dated 5-4-86) of

the delinquent dated nil showing that he could not appear on 3-10-85 before the Enquiry Officer due to the death of his brother on 1-10-1985, but what about the defaults on other dates. Thus it can be ascertained that the delinquent absented himself and allowed the proceedings ex parte against him for which he himself is to be blamed and the D.E. cannot be set aside on this ground.

19. The Settlement dated 1-11-1983 (Annexure D to the written statement) does not in any way deal with matters in issue and does not come in the way of taking disciplinary action against the delinquent.

20. Thus it cannot be said that the impugned D.E.s. or findings are violative of any law, rules, regulations or award and penalty imposed is too lenient to be interfered with. Impertinence of the workman is apparent that he refused to obey the order of transfer. It is true that the transfer order appears to be by way of punishment which mistake has been corrected by the management on the observation of the Tribunal. In the entire contest of the case he shall not be entitled to any wages for the period of his absence after he was relieved after the issuance of order of transfer.

21. I may express in the end that the workman by virtue of being a union leader is not supposed to behave with his superiors in the manner he has been behaving throughout despite punishment having been given to him earlier. I may also add that the workman should be posted at the main Branch at Jabalpur under the direct supervision of the Regional Manager.

22. Reference is answered as follows :—

That the action of the management of State Bank of India, Jabalpur, in imposing the penalty on Shri D. K. Suryavanshi, Casher-cum-Clerk vide their orders dated 24-5-86 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. I-12012/346/86-DII(A)]

कान्दा 1936—ओर्डोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1917 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट थैंक आफ हन्दीर के प्रबन्धनत के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, भारत में निश्चित ओर्डोगिक विवाद से केन्द्रीय सरकार ओर्डोगिक अधिकरण व भ्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करने हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1936.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/L.C(R)(106)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of Indore, Bhopal and their workmen, Shri Ashok Kumar Jain, Peon Mannu Pandey's Building, Court Road, Shivpuri-473551

APPEARANCES :

For Workmen—None

For Management—Shri S. K. Mishra, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Indore (M.P.)

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Govt. Ministry of Labour, vide its Notification No. I-12012/83/IR(B-3) dated 12-5-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of the Regional Manager, State Bank of Indore in not giving an opportunity to Sh. Ashok Kumar Jain, Peon whose services were terminated on 16-3-1984 for further employment while recruiting fresh hands under Section 2511 of the I.D. Act is justified ? If not to what relief is the workman entitled to ?”

2. Both the parties have filed their respective statement of claim. Workman concerned never appeared before the Court. He had only sent his statement of claim by post which was received on 1-12-1989. The case was being fixed for filing of rejoinder by the workman and different dates were given and not ces issued. Therefore it appears that the workman concerned has no interest in prosecuting his case. No dispute award is therefore given. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. I-12012/23/89/IR(B-III)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 1991

कान्दा 1937—ओर्डोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दानवा थैंक आफ हन्दीर के प्रबन्धनत के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चित ओर्डोगिक विवाद से केन्द्रीय सरकार ओर्डोगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट जो प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार का 14-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1937.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Datla West Colliery of Western Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/L.C(R)(51)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Datla West Colliery of Western Coalfields Limited, Kanhan Area, P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.) and their workmen Smt. Shantibai W/o Dindayal Agarwal and 14 others, represented through the General Secretary, M.P.K.K.M.P. (HS) P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workmen—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining

DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

AWARD

Dated, the 4th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/57/85-D.V/D III (B) dated 6th May, 1987, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Dalta West Colliery of W.C.L. Kanhan Area in not fixing Smt. Shantibai W/o Dindayal Agarwal and 14 others (List enclosed) as Water Suppliers and not paying them higher bullockcart charges is justified ? If not, to what relief the workers are entitled ?”

List of workers

1. Shantibai Bindayal
2. Jaiwantee bai Dhudliya
3. Marnoo Khan Dilawar
4. Narayan Gundoo
5. Radhey Lal Dayaram
6. Ganno Mohanlal
7. Ranglal Bhikam
8. Dhanlal Jhanak
9. Ram Charan Mohanlal
10. Batarlal Mohanlal
- 11.
12. Charan Jhagi
13. Mohanlal Hinalal
14. Sahabllal Chattoo
15. Ragan Mohanlal.

2. Facts leading to this case are that the workmen concerned were supplying water to the management for last number of years and they are paid Rs. 3.50 P per drum.

3. Workmen say that they are water carrier mazdoor. They are carrying water from Company's well and pumps to Manager and other staff workers by bullock carts as directed by the management. The management of Delta West Colliery has direct control over them and these workmen work under their orders. They carry water from door to door as directed by the Company by their own carts.

4. Management of Delta Colliery supply water drums and repair them from its Workshop. They are working for more than 12 hours per day. They are paid directly by the management and are on weekly payment register of the management. At all other collieries the Carriers (Water) are placed into Category I of the Wage Board Recommendations and N.C.W.A.I as Water Carriers and separate amount for bullock-carts are paid. But the management of Delta Colliery has prevented the workmen concerned to get the benefit of N.C.W.A. and other Rules. They are workmen well within the definition of the workmen under the I.D. Act and Water Mazdoor Category I. They be accordingly placed and be paid Rs. 61 per trip for their bullock-carts.

5. Management has denied the claim of the workmen concerned. According to the management, there is no employer and employee relationship between the workmen and the management. They have no control, supervision or directions over these individuals. There is no provision in the Wage Board Recommendations and N.C.W.A. as shown by the applicants. They are paid Rs. 3.50 per drum fixed by mutual agreement after discussions. They neither supply water drum nor repair them. They do not work for more than 12 hours daily. Rental charges of the bullock carts are paid by the management on the basis of Rs. 3.50 per drum. They are not at all employed by the management in any manner whatsoever. Bullock-carts are being hired and hire charges are being paid. The recommendations of the Wage Board have no relevancy and the reference is liable to be rejected.

6. Reference was the issue in this case.

7. Management has filed Ex. M/1 to Ex. M/14, while the workmen have examined two witnesses viz. Shantibai as WW-1 and Dhanraj as WW-2. Applications Ex. M/1 to Ex. M/14 only show that these alleged workmen were paid for supplying water as detailed in the pleadings.

8. Ex. M/1 is an application of one M. Nisar dated 27-3-83. He has made this application for engaging his bullock-cart which was allowed temporarily. Ex. M/2 is an application of Shantibai of the same type. Other applications are also of the similar nature.

9. I need not go into the applications and only confine myself on the oral testimony of the workmen which itself disprove the case of the alleged workmen.

10. WW-1 Shantibai says in her cross-examination that "While I am making statement here my son is supplying water. His name is Murari". WW-2 Dhanraj admits in

his cross examination that in his absence his employed labour runs his bullock-cart. How can there be an employer-employee relationship when the payment is made on contract basis? The evidence pointed out above is sufficient enough to show that there is no relationship of employer-employee between the alleged workmen and the management. They are free to replace their bullock-carts put in other bullock-carts, replace other persons in their place, to fetch and supply water. It does not say that the management has control over them. Merely by saying that the management supply the drums or repairs the drums does not make the employer and employee relationship between the parties.

11. Workmen have not filed the alleged Wage Board Recommendations and N.C.W.A.I to show that these persons can be included as Water Mazdoor Category I and consequently they are the workmen of the management. It is a matter of mere contract between the parties as to at what rate they should supply water. I can only express that with the increase in costs the rate should be revised so that the alleged workmen do not suffer. With this observation I hold us follows.—

The action of the management of Delta West Colliery of W.C.L. Kanhan Area in not filing Smt. Shantibai W/o Dindayal Agarwal and 14 others (list enclosed) as Water Suppliers is justified. Management is also justified in not paying them higher bullock cart charges. However, with the increase in costs the rate should be revised so that the alleged workmen (applicants) do not suffer. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/57-85-D.V/D.III (B)]

का आ. 1938.—शोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार दमुआ और आफ बंस्टान कोलफिल्ड्स लिमिटेड के प्रबन्धनालय के सदस्य नियोजकों और उनके बर्मकारों के बीच, अनुवध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक शिक्षण, जबलपुर में एचपट वो प्रतासित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 19-6-91 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 1938.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Damua Group of Western Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(109)/1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of Damua Group of Western Coalfields Limited, P.O. Damua, Distt. Chhindwara (M.P.) and their workmen Shri Jagulal S/o Nammo and five other Tindals represented through the Vice President (C), M.P. Rashtriya Kovala Khadan Mazdoor Sangh, P.O. Chandametta, District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workmen—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

AWARD

Dated, the 3rd June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(8)/85-

D.V dated 26th November, 1985, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Damua Colliery of WCL in stopping from works S/Shri Fagulal S/o Nammoor, Vikram S/o Dayaram, Fagwa S/o Fullusingh, Ramji S/o Dhondu, Nchatalal S/o Rammoo and Jhina S/o Kamalsingh, Tindals with effect from 2-3-1984 and not paying them the wages as per National Coal Wage Agreements I, II and III during the period they were employed is justified ? If not, to what relief the workers are entitled ?”

2. Reference order was received on 9-12-1985. After filing the statement of claims by the parties they sought a number of adjournments for production of documents. Ultimately on 1-1-1990 parties stated that the case be posted for evidence. Accordingly next date was fixed for evidence of parties. Again parties could not adduce evidence and sought adjournments since 28-2-90 onwards. Last date fixed for evidence of parties was 8-5-1991. On this date none was present on behalf of the workmen. Earlier on 4-9-90 and 23-1-91 workman remained absent.

3. The case is pending since 1985. It appears that the workmen concerned have no interest in the case. I, therefore, record a no dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/8/85-D.V.]

का.आ. 1939.—ओर्थांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गेवरा प्रोजेक्ट, एम.ई.सी. विभिन्न, के प्रबन्धन के संबंध नियाजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्थांगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओर्थांगिक प्रशिक्षण, जबलपुर के पंचपट वाले प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1939.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gevra Project, S.E.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(35)/1988

PARTIES :

Employer in relation to the management of Gevra Project, S.E.C. Ltd. Post Gevra Project, District Bilaspur (M.P.) and their workmen represented through the Secretary (C), Samyukta Khadan Mazdoor Sangh (AITUC), P.O. Bankimongia, Bilaspur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workmen—Shri Arvind Srivastava, Advocate.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21011(23)/86-D.III B-3 (B), dated 26-2-1986, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Gevra Project, SECL in not giving promotions to S/Shri

Surendra Singh, Diwakar Pandey, Ravindra Kumar, Ramdeo Thakur and G. C. Biswas E.P. Fitters in Gr. II on completion of three years of service as E.P. Fitters in Gr. III particularly when the other workmen have been given promotion to Gr. II on completion of three years of service as EP Fitters in Gr. III, is justified ? If not to what relief the workmen concerned are entitled ?”

2. In the instant case parties filed their respective statement of claims and rejoinder by the management. The case was at the stage of filing documents and framing of issues. On 26-4-1991 Counsel for the workman file an application stating that the workmen have been promoted. Therefore, there remains nothing to be adjudicated upon. I, therefore, record a dispute award because the workman for whom the reference for adjudication was made have been promoted. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-21011/23 '86-D.III (B)]

का.आ. 1940—ओर्थांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम.ई.सी.एम. कार्यालयार्थी के प्रबन्धसत्र के सबसे नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्थांगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओर्थांगिक प्रशिक्षण, जबलपुर के पंचपट वाले प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1940.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. Korea Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(50)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of S.E.C.L. Korea Colliery, District Surguja (M.P.) and their workman Shri Shivaji S/o Shri Ramakant, Category II Mechanical Helper CHP No. 1, Korea Colliery, District Surguja (M.P.)—49755.

APPEARANCES :

For Workman—Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management—Shri A. K. Shasi, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Surguja (M.P.)

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012/41/88-D.III B-D-4 dated 3-3-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of management employer in relation to Korea Colliery of South Eastern Coalfields Limited P.O. Korea Colliery Dist. Surguja in dismissing from service their workman Shri Shivaji S/o Ramakant, Category II Mechanical Helper (HP No. 1, Korea Colliery w.e.f 25-9-83 is legal and justified ? If so, to what relief the workman is entitled and from what date ?”

2. After filing their respective statement of claim, rejoinder and certain documents by the parties, good sense prevailed in them and they have compromised the dispute between them. On 11-4-1991 the workman concerned, Shri Shivaji,

filed a Memorandum of Settlement dated 4-4-91. The terms of settlement which are as under have been verified by the parties.

TERMS OF SETTLEMENT

1. Shri Shivaji will be re-employed in service as a fresh entrant as Cat. II Helper i.e. in the same job which he was serving. The period from the date of dismissal to till re-employment will be treated as 'Dies non'. This will not count as continuous services and the workman will not get any benefit for these period, like, wages, Provident Fund, Gratuity etc.

2. The workman will be kept on probation for a period of one year as a special case. During this period his work and conduct will be watched and if he works to the satisfaction of the Manager/Supervisor he shall be confirmed, failing which his services shall automatically stand terminated. The decision of the Management will be final and will not be questioned.

3. This settles all the dispute between the parties and neither the workman nor the Union will make any claim whatsoever with reference to his termination of services.

4. This settlement is made as a special case and will not be treated as a precedent in any other case. This has been made with a view to enable the workman to reform himself and purely as a gesture of good will.

5. He will be posted in JB Valley Area of SECL.

6. This is subject to medical fitness.

3 I have gone through the above terms of settlement and I am satisfied that they are just, fair and in the interest of the workman concerned. Therefore, award is given in terms of the settlement. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-21012/41/88-D.III (B)-4]

कान्दा 1941 --आदानिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धरण 17 के प्रत्यय में केंद्रीय सरकार जून 1991 काटा एवं शासक एवं भी.प.के प्रबंधन के मध्य तियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुदाय में निर्दिष्ट आदानिक विवाद भ केन्द्रीय सरकार ओर व्यापिक अधिकारण, जबलपुर के प्राचाट की प्रकाशन करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1941.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamuna and Kotma Area of SECL and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT LC(R)(70)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamuna and Kotma Area of SECL, P.O. Jamuna Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workmen, Shri A. J. Mathew, Clerk Grade-I, represented through the Secretary, Sanyukt Khadan Mazdoor Sangh, Post Jamuna Colliery, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—Shri Rajendra Menon, Advocate.
INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L 22012/162 88-D.4 (B) dated 14-3-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Jamuna and Kotma Area of SECL, PO Jamuna Colliery, Distt. Shahdol in not considering their workman Sri A. J. Mathew, Clerk Grade-I for promotion to Special Grade Clerk during D.P.C. held in 1985 and promoting his juniors to Special Grade Clerks is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date ?”

2. This reference case was registered on 21-3-1989, but nobody appeared on behalf of the workman for the last nine proceedings despite repeated notices issued to the workman, nor statement of claim filed till 5-6-1991. As per reference order it is the party who raised the present dispute should have filed its statement of claim etc. first and thereafter the management, but the workman kept mum. However, the management has filed its statement of claim.

3. In these circumstances, it appears that the workman has no interest in the case. I therefore record a No Dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/162/88-D.IV (B)]

कान्दा 1942 —आदानिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धरण 17 के प्रत्यय में केंद्रीय सरकार वस्तान कालफिल्ड ट्रिभिनल के प्रबंधन के मध्य तियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुदाय में निर्दिष्ट आदानिक विवाद भ केन्द्रीय सरकार ओर व्यापिक अधिकारण, जबलपुर के प्राचाट की प्रकाशन करनी है, जो केंद्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1942.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.), as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT LC(R)(93)/1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd., Korba, Post Office Korba Colliery, District Bilaspur and their workmen represented through the Secretary Chhattisgarh Swatantra Mazdoor Union, Post Office Baraduan, District Bilaspur (M.P.).

APPARANCES :

For Union.—Shri B. R. Sahu.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. I-22011(37)/82-D.III (B)/D.IV (B) dated 9th November, 1984, for adjudication of the following matters of dispute :—

I. “Whether the demand of the Chhattisgarh Swatantra Mazdoor Union, Baraduar for reinstatement of 79

Badli Workmen of Rajgamar Colliery in their former regular posts which they were holding before termination of their services in 1981 is justified? If so, to what relief they are entitled?"

2. "Whether the action of the management of Rajgamar Colliery of W.C. Ltd., Korba in stopping Shri Ishwar Das from his duties as Pump Khala i with effect from 24-6-1981 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
3. "Whether the management of WCL Korba Area is justified in dismissing the following workmen w.e.f. 8th January, 1981 ?

1. Shri Udairam	Rajgamar Colliery.
2. Shri Firtoo	
3. Shri Gangaram	
4. Shri Mohan	
5. Shri Sitaram	
6. Shri Anjorsai	
7. Shri Amoldas	or Surakchhar Colliery.
8. Shri Maniram of Banki Colliery.	

If not, what relief they are entitled to?"

2. A perusal of the reference order would go to show that there are three different matters of dispute for adjudication.—

- (a) Issue No. 1 is regarding reinstatement of 79 Badli workers.
- (b) Issue No. 2 is regarding stopping Shri Ishwar Das from doing his duties.
- (c) Issue No. 3 is the question of dismissal of eight workmen of different collieries. Parties therefore filed separate statement of claim of each issue. They have also filed certain documents. Union even examined one witness on behalf of workmen.

3. On 22-5-1987 Shri Satu, representative of the workmen, stated that this case is likely to be settled and sought adjournment for filing the settlement and the case was fixed on 21-7-87 for the same. Parties took several adjournments and ultimately on 29-7-1988 a Memorandum of Settlement was filed and verified by the parties. The case was reserved for award. But on perusal of the settlement it transpired that all the issues under reference have not been incorporated in the settlement. Therefore parties were again directed to file a complete settlement covering all the issues referred or else the remaining issues will be decided on merits. Next date was fixed for filing the settlement. An application on behalf of the Union was received on 6-9-90 stating that there is no likelihood of settlement and the case may be fixed at Bilaspur for further proceedings.

4. Proceedings of the case reveal that after 29-7-88 no one appeared on behalf of the Union. On 30-5-91 none appeared on behalf of the Union while Shri R. Menon, Advocate, appeared on behalf of the management and stated that no further settlement is sought to be filed and no further evidence is required to be led. Obviously the Union is also not interested in further proceedings. Shri Menon further stated that the settlement dated 20-7-88 has already been verified on 29-7-88. In these circumstances, I need not go into the pleadings of the parties and will confine only to the terms of Settlement dated 20-7-88 for giving a consent award. The terms of the settlement duly arrived at between the parties are as under :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed that Shri Sitaram and Anjorsai will be given employment as loaders and Shri Ganga

Ram will be employed in Time Rate Category in which he was employed prior to his dismissal within 30 days of the filing of settlement. If the persons fail to report for duty within 30 days of the publication of Award, they will forfeit their claim of employment.

2. The employment will be subject to medical fitness i.e. persons concerned will be medically examined and if they are found fit for employment in a Mine, they will be given employment as proposed in Clause 1 as above. In case they are not found fit, they will have no claim of employment.
3. The persons concerned will not be entitled to any wages for the period of their idleness on the principle of no work no pay and the total period from the date of their dismissal till their date of reinstatement shall be treated as disengagement.
4. It is further agreed that the loaders of Rajgamar Colliery shall be paid Special Piece Allowance from the date, they have been regularised as permanent loaders.
5. This settlement shall be in full and final claim of the dispute pending before the Hon'ble Tribunal at Jabalpur under Reference No. 93 of 84 and shall be binding on the parties to the dispute.
6. A copy of the settlement shall be filed before the Hon'ble Tribunal for acceptance and for giving its award accordingly.
7. After the settlement is filed the dispute pending for adjudication under Reference No. 93 of 84 will be taken as amicably settled and withdrawn.

I have gone through the above terms of settlement. The dispute other than the matters on which the parties have arrived at a mutual settlement shall be treated as settled/withdrawn as per Clause 5 & 7 of the Terms of Settlement. The above terms appear to be just and fair and I record my award accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22011/37/82-D.III (B)]

का प्रा 1943—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रयोग में, केन्द्रीय सरकार नियोजित विवादी आफ एवं विवादी भागीदारों के ग्राम्यकाल के सरठ नियोजितों और उनके कर्मकारों के बीच, आपूर्व में नियोजित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, लालापुर के पचपट को प्रसारित करते हैं, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा 19-6-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1943.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nowrozabad Colliery of S.E.C.L. Sohagpur and their workmen which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)71/1988

PARTIES :

Employer in relation to the management of Nowrozabad Colliery of S.E.C.L. Sohagpur, Post Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workmen, Shri Govind, Ex-Badli worker represented through the Secretary, Rashtriya Koyal Khadun Mazdoor Sangh, Nowrozabad Colliery Branch, Post Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide Notification No. L-21012/17/88-D-3 (B) dated 19-7-1988, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of S.E.C.L., P.O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol in terminating the services of their workman Shri Govind, Badli Worker Token No. 29 with effect from 1-1-85 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. This case was at the stage of filing rejoinder and documents by the parties and framing of issues.

3. On 31-5-1991 parties move a joint application along with a Settlement with a request to pass an award in terms of the Settlement duly verified. The terms of Settlement dated 3-8-1990 are as under :—

1. It is agreed that Shri Govind F.C.D. dh worker, T. No. 29B shall be given re-employment without back wages subject to medical fitness or proper identification within 15 days of the finalisation of the issue.
2. Shri Govind shall not claim any wages for the period from the date of his termination till the date of his re-employment and the period shall be treated as dies non on the principle of no work no pay. For the purpose of gratuity he will have continuity in the employment.
3. This settlement shall be treated as full and final and shall not be cited as precedence.

4. I have gone through the above terms of Settlement and I am of the opinion that they are just fair and in the interest of the workman concerned. I, therefore, record award in terms of the settlement arrived at the between the parties. Parties will bear their own costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-21012/17/88-D III (B)]

कानून 1944—ओर्डिनेशन विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार नौवोगोजावार कोनियारी आफ सोहागपुर एवं आफ एम.ई. सी.एल. के प्रबन्धालय के संभेद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्डिनेशन विवाद में केंद्रीय सरकार ओर्डिनेशन प्रधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित हुयी है, जो केंद्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1944.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of S.E.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/T C(RN)63/1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of S.E.C.L., Johilla Sub Area P. O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workman Shri Arjun S/o Mangal, Ex-Miner/Badli Worker represented through the Secretary, Rashtriya Koyal Khadan Mazdoor Sangh, Nowrozabad Branch P. O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management.—Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012/16/88-D-II(B) dated 30-6-1988, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of S.E.C.L., P.O. Nowrozabad Colliery, Distt. Shahdol in terminating the services of their workmen Shri Arjun S/o Mangal, Ex-Miner/Badli Worker, Token Number 384, w.e.f. 1984 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The instant case was at the stage of filing rejoinder, documents and framing of issues.

3. On 31-5-1991 parties move a joint application along with a Settlement with a request to pass an award in terms of the Settlement duly verified. The terms of the Settlement dated 3-8-90 are as under :—

1. It is agreed that Shri Arjun S/o Mangal shall be given re-employment without back wages subject to medical fitness on proper identification within 15 days of the finalisation of the issue.
2. Shri Arjun S/o Mangal shall not claim any wages for the period from the date of his termination till the date of his re-employment and the period shall be treated as dies non on the principle of no work no pay, for the purpose of gratuity he will have continuity of the employment.
3. This settlement shall be treated as full and final and shall not be cited as precedence.

4. The above terms of the Settlement appears to be just and fair. I therefore pass an award in terms of the above Settlement. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-21012/17/88-D II(B)]

कानून 1946—श्रीओर्डिनेशन विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार ओर्डिनेशन प्रधार के प्रबन्धालय के संभेद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्डिनेशन विवाद में केंद्रीय सरकार ओर्डिनेशन प्रधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करनी है, जो केंद्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1945.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in

the industrial dispute between the employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of M/s. SECL and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) 86/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of M/s. SECL in retiring their workman Sri Suresh Chand Nigam, Shotfirer C/o. Shri R. R. Gupta, Overman, Birsinghpur Colliery Post Birsinghpur, Distt. Shahdol (M.P.)-485226.

APPEARANCES :

For Workman.—None.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Shahdol (M.P.).

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(193)/88-D.IV (B) dated 26-4-1989, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the Management of Birsinghpur Colliery of M/s. SECL in retiring their workman Sri Suresh Chand Nigam Shotfirer w.e.f. 1-10-87, while as per Form B Register he has not attained the age of superannuation, is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date ?"

2. The case was registered on 8-5-1989, but nobody ever appeared on behalf of the workman for the last eight proceedings despite repeated notices were issued to the workman, nor statement of claim filed till 5-6-1991.

3. In the circumstances, it appears that the workman has no interest in the case. I, therefore, record a No Dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. I-22012/193/88-D.IV (B)]

कामा. 1946 — औद्योगिक विश्वाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यरूप में, केन्द्रीय सरकार ईक्वेहरा कालिपरी प्राप्त उत्तरव्य से एवं प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुसंधान तथा निकाय औद्योगिक विश्वाद में केन्द्रीय गवर्नर औद्योगिक अभिदारण, जलनगर के पचपट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय परामर्श का 19-6-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1946.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Eklerha Colliery of W.C.L., and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-91.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(207)/1987

PARTIES :

Employer in relation to the management of Eklerha Colliery of W.C.L., P.O. Eklerha, District Chhindwara (M.P.)

wara (M.P.) and their workman Shri Bhaiyalal S/o Kanhaiyalal, Minng Sirdar represented through the General Secretary, M.P.K.K.M.P. (HMS), P.O. Junardeo, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Shah

For Management.—Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (M.P.).

AWARD

Delhi, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012[57]87-D.III(B) dated 21-9, 6-10-1987, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Eklerha Colliery of W.C.L., Pench Area, Parasia in retiring Shri Bhaiyalal S/o Kanhaiyalal, Mining Sirdar w.e.f. 25-7-87 and not considering the date of birth as recorded in the School Leaving Certificate submitted by him is justified ? If not, what relief the workman is entitled to ?"

2. In this case of the workman who was Mining Sirdar and retired with effect from 25-7-1987, the only question involved is whether his date of birth is 25-7-1927 or 20-4-1938 as claimed by the workman, in consequence of which his retirement is premature because undisputedly the age of superannuation is 60 years.

3. Thus if the date of birth of the workman as 25-7-1927 is treated as correct date he has been rightly superannuated on 25-7-1987 on attaining the age of 60 years. But if his date of birth is 20-4-1938 and which fact has not been considered by the management the order of his superannuation is liable to be set aside.

4. On this issue the evidence led by the workman are documents Ex. W/1 to Ex. W/9 as proved by W.W.1, the workman himself and the documents Ex. M/1 to Ex. M/3 which have been admitted by the workman.

5. We shall only examine the material documents which are on record but before this it may be pointed out that according to the workman he was employed on 20-7-1955 by the erstwhile management which was taken over by the present management after nationalisation of the coal mines in the year 1973. The workman has tried to point out that the erstwhile management which was a private company there was neither any column to show the date of birth nor any date of superannuation was prescribed. This fact has to be kept in mind and the other fact is that the workman is not a illiterate man.

6. Now coming to Ex. W/1, it is a letter of appointment given by the Amalgamated Coalfields Ltd. on 20-7-1955 to the workman. This appointment letter does not show any column against which the date of birth of the workman should be recorded. However, the workman has been shown to be 20 years at the back of this document. Thus as per Ex. W/1 the erstwhile management on 20-7-1955 had definitely recorded his age to be 20 years which take back his date of birth to the approximate year of 1935. Other document is Ex. W/2 which is a photo copy of Transfer Certificate from the Higher Secondary School according to which the workman was born on 20-4-1938. It may be pointed out at this stage that this document was filed by the workman when he raised the dispute as back as in the year 1981 for the first time as is apparent from documents Ex. W/3 and Ex. W/7.

7. Management on his part has filed copy of Sirdar's Certificate Ex. M/1, copy of Form B Register Ex. M/2, Office Memo I & M/3 according to which the date of birth of the workman has been recorded to be 25-7-1927. But as per Ex. W/9 which is photo copy of the letter of the management the date of birth has been recorded as 1-7-1933.

8. Referring to the written statement of the management and the rejoinder of the workman dated 19-10-1989 (filed on 7-6-90) it appears that certain objections were called for and according to management workman had not raised objection within the stipulated time (para 7 of the written statement). These objections according to the management appear to have been called in the year 1987. The case of the management further reveals that his case relating to his date of birth was considered on 5-5-87 by the Age Determination Committee which made the following observations as given in para 8 of the written statement.—

"AS per 'B' Form register as well as Sirdar's certificate issued by the Board of Mining Examination (bearing No. 31734 dt. 16-3-73) the date of birth of Sri Bhaiyalal is 25th July, 1927. He has presented himself before the committee and produced a transfer certificate from Madhyamic Shalla, issued on 28-1-87, indicating his date of birth as 20-4-1938 and also stating that he was in the school upto 194^a. The workman also accepted that he had not raised any objection during the year 1981, when the opportunity was given regarding objection for his date of birth. The Committee feels that the school leaving certificate could not be treated as an authentic document in support of age. Hence it is felt that entries in 'B' Form register, in which his date of birth is 25-7-1927 need not be revised."

9. Thus the objection of the management to the effect that his case could not be considered has no force. When the management pleads that his case was considered in the year 1987, we have to see as to whether it was properly considered or not. The above observations of the age Determination Committee are self explanatory. His School Leaving Certificate showing his date of birth was rejected without any rhyme or reason. The only facts which were considered in determining his age was Form 'B' Register, according to which his date of birth was 25-7-1927 and the thumb mark of the workman was there. Obviously the Age Determination Committee had not reviewed the facts to find out the correct date of birth of the workman. It should have collected all the facts and given an opportunity to the workman to prove the authenticity of his School Leaving Certificate which it has not done. He has also not been medically examined.

10. Evidence adduced by the workman before this Tribunal has not been assailed. It is true that the workman has filed School Leaving Certificate after a long lapse of time but the fact that the erstwhile management did not take care to record his date of birth nor there was any provision relating to the age of superannuation. Therefore if the workman did not care about getting his date of birth to be correctly recorded he should not be blamed. In any case, the justice should be done. Documents proved by the workman could not be challenged by the management. Inconsistencies in regard to the date of birth are evident inasmuch as per Ex. W/9 the date of birth of the workman is shown as 1-7-1933 while in Ex. M/1 and Ex. M/2 as also Ex. M/3 his date of birth has been shown to be 25-7-1927.

11. On the other hand, as per Ex. W/1 he was 20 years old at the time of initial appointment tentatively. Thus in these circumstances Ex. W/2 document is an important document and date of birth recorded in the Transfer Certificate should be taken as authentic date of birth.

12. I therefore hold that the date of birth of the workman is 20-4-1938 and not 25-7-1927. That being so, he has been wrongly retired on 25-7-1987. Reference is therefore answered as follows :—

The action of the management of Eklehra Colliery of WCL, Pench Area, Parasia in retiring Shri Bhaiyalal Slo Kanhaiyalal, Mining Sirdar w.e.f. 25-7-87 and not considering the date of birth as recorded in the School Leaving Certificate submitted by him is not justified. His date of birth is 20-4-1938 and therefore the order of his superannuation taking his age to be 60 years is bad in law and is set aside.

Workman is deemed to be in continuous service with all back wages and consequential benefits. No. order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-21012/57/87-D.III (B)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 जून, 1991

कामा. 1947.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधित कंपनी के संचार नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, कानपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-1991 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 21st June, 1991

S.O. 1947.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 305 of 1989

In the matter of dispute

BETWEEN

The Secretary Central Bank Employees Association C/o
Shri R. K. Pandey 67/49 Lal Kuwan Lucknow.

AND

The Regional Manager, Central Bank of India Hazarati-
ganj, Lucknow.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/127/89-D.II (A) dated 30-11-89 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of Central Bank of India in imposing the penalty of stoppage of two increments of Shri Kailash Nath Tondon, Peon is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?

2. The Industrial Dispute on behalf of workman has been raised by the Central Bank Employees Association (hereinafter referred to as Union).

3. The admitted facts are that the workman was issued memos dated 27-3-73, 9-8-73, 17-10-74 and 31-5-75 by the management in respect of certain lapses alleged to have been committed by him. The explanation given by the workman to the said memos was not found satisfactory by the management. The management therefore vide order dated 11-2-75 suspended him and later on he was issued chargesheet dated 19-9-75 by the Assistant Zonal Manager. The charges are—

1. The Handwriting expert has opined that all the three withdrawals amounting to Rs. 950, Rs. 800 and Rs. 925 from two HSS Account of Sri Raj Narain Srivastava and Sri Usha Pandey have been forged by Shri Krishna Narain Tondon.

2. Shri Tondon was found gambling in the Bank's premises on 17-10-74 at 12.30 p.m. in the lunch room during office hours.

3. Shri Tondon absented himself from duties from 1st May 1973 without any application. He had been very irregular in attendance also in the past.
4. On 10-3-73, Shri Tondon had lost (13) clearing cheques while bringing the same from State Bank of India.

Shri B. N. Misra was appointed Enquiry Officer. Thereafter in connection with this inquiry a number of inquiry officers were appointed one after the other. The last Enquiry Officer happened to be Shri R. N. Agrawal. After concluding inquiry he gave his findings on 15-8-84. He found charge No. 4 only as proved and the rest of the charges as not proved. While giving his findings he proposed the punishment of stoppage of two increments which would have the effect of postponing his future increments. The E.O. himself issued a show cause notice regarding the proposed punishment to the workman and by means of his order dated 16-7-84, copy Ext. M-3, imposed the said punishment on the workman. On the basis of order dated 16-7-84, of the F.O. the Chief Manager, by means of his order dated 27-7-84, informed the workman that the punishment given to him by the E.O. was being inflicted on him. He clarified that workman's increments falling due on 1-7-85 and 1-7-86 would stand stopped permanently. The workman was further informed that his suspension would stand revoked from the date he reported for duty at Alambagh Branch of the Bank. Lastly, the Chief Manager informed him that he would not be eligible for any difference of salary and the subsistence allowance which have been paid to him during his suspension period. Against the order of punishment the workman filed an appeal but it was dismissed on 16-8-85 by the Appellate Authority. The workman resumed duty at Alambagh Branch on 27-7-84. I may state here that the workman was admittedly a peon in the bank.

4. The Union has assailed the order of punishment on a number of grounds. The Union alleges that the suspension of the workman was ordered with great delay. Further the prolongation of suspension of the workman was malafide unfair and unjustified. The Inquiry took 9 years during which the workman remained under suspension. Many of the inquiry officers were biased against the workman.

5. The Union further alleges that the E.O. had no business to propose quantum of punishment. Further it was none of the business of the enquiry officer to award punishment to the workman. The findings of the enquiry officer are not based on evidence; they are perverse. In respect of the charge proved the bank did not suffer any loss. The appellate authority did not notice the fact that the chargesheet was served by the Assistant Zonal Manager, whereas, the Disciplinary Authority cum enquiry officer was an officer of the rank below him. The management have acted arbitrarily in denying the whole of the pay and allowances to the workman of the suspension period.

6. The Union has, therefore, prayed that the order of punishment of stoppage of two increments of the workman be set aside and the workman be given the relief of full wages of suspension period excluding the suspension allowance already paid to him.

7. The case is contested by the management. The management plead that if there had taken place delay in the completion of inquiry it was entirely due to lapses on the part of the workman. The workman in the beginning avoided to take notice of the information regarding dates fixed in the inquiry on the pretext or the other although the letter in this regard were sent to him by registered post. When the Enquiry Officer fixed 17-10-75 as the date in the inquiry the leaders of recognised Union approached the Zonal Office to discuss the suspension issue. The Enquiry Officer appointed from time to time were S/Shri B. N. Misra, D. D. Khanna, A. N. Chaturvedi, M. N. Mehrotra, R. P. Goyal, R. K. Dass, D. L. Chaturvedi and R. N. Agrawal. S/Shri B. N. Misra and D. D. Khanna and R. K. Dass had to be reward because of their transfer, Shri B. N. Chaturvedi remained on sick leave for the months; Shri M. N. Mehrotra expressed his mobility to conduct the Enquiry. Shri R. D. Goyal fell ill and again Shri D. L. Chaturvedi who was a retained Chief Manager the Union objected to his appointment. The Management were then pleaded that the Enquiry

was held fairly and properly and that the judicial given by the Enquiry Officer are not perverse.

In support of its arc the Union has examined the workman and in support of their case, the Management have examined Shri S. K. Jain Regional Manager, the Management have also relied upon a number of documents filed by them.

9. In this case the workman has written arguments from the said of the management, the management's auth representative has argued the case.

10. There is no dispute about the fact that Shri R. N. Agarwal was the last Enquiry Officer in the inquiry against the workman. He gave his report, Ext. M-17, on 15-8-84. He held charges No. 1 and 2 and 3 as not proved and charge No. 4 as proved. While giving his inquiry report, he also proposed punishment of stoppage of two increments which would have the effect of postponing his future increments. Subsequently vide his order dated 16-7-84, copy Ext. M-5 Shri Agrawal imposed the punishment of stoppage of two increments as proposed by him on the workman. The order shows that before passing this order he had issued a show cause notice against the proposed punishment to the workman. This means that Shri Agrawal also assumed the roll of the disciplinary authority. Then we have before us the copy of order dated 27-4-84 Ext. M-2 of Shri H. N. Awasthi Chief Manager. From the order it appears that he informed the workman that punishment awarded by the Enquiry Officer vide his order dated 16-7-84, was being inflicted on him. The Chief Manager further clarified that the workman's increments due on 1-7-85 and 1-7-86 would stand stopped permanently. He revoked the order of suspension and directed the workman to report for duty at Alambagh Branch. He even held that the workman would not be eligible for any difference of salary and the subsistence allowance which had been paid to him during the suspension period. I may state here that the Enquiry Officer while imposing punishment of stoppage of two increments did not say anything about the workman's emoluments during the period of suspension.

11. The question is whether Shri Agarwal Enquiry Officer could have acted as disciplinary authority. The answer to it will be evident from the statements made by the management witness who has also of the rank of Regional Manager in his cross examination. In para 3 of his statement in cross examination he has deposed that from some time before 1968-70, Chief Manager/Regional Manager has been the appointing and dismissing authority of the sub-staff. According to the witness in the present case punishment was awarded to the workman by Shri H. N. Awasthi Chief Manager vide his order dated 27-7-84 on the basis of inquiry conducted by Shri R. N. Agarwal Dy. Chief Officer. He was further of the view that Shri R. N. Agarwal did not award any punishment to the workman. Thus this evidence is much against the documentary evidence referred to above.

12. During the course of arguments from the side of the management reliance was placed on the copy of Confidential Letter No. PRS/Leml/2 : 73/25 dated 31-10-73 Ext. M-3. The confidential letter is accompanied by a confidential document relating to the procedure for holding departmental inquiry and taking disciplinary action against staff. With regard to the award staff it is stated that the enquiry officer after recording his finding of guilt shall propose punishment to be inflicted upon the workman and thereafter after giving the workman a show cause notice regarding proposed punishment shall award him punishment which will be communicated to the workman through proper channel. Last para in this regard reads as under—

The management enforcing and giving effect to the punishment awarded by the Enquiry Officer and informing the employee to that effect by a memo.

The procedure therefore shows that the inquiry officer is both Enquiry Officer and the Disciplinary authority and the sole purpose of the management is to give effect to the punishment awarded by the inquiry officer to the workman.

13. With their application dated 11-10-90, the management filed a notice issued by the Managing Director with regard to appointment of Enquiry Officers and Appellate Authorities. The notice is dated 4-11-76. The document has been admitted by the authorised representative for the workmen. With the notice is enclosed a list of Enquiry Officers. The name of Shri R. N. Agrawal Branch Manager Rampur appears at Serial No. 33. It follows therefore that in the light of para 19.11 i the 1st BPS Shri R. N. Agrawal was simply appointed an enquiry officer and not as disciplinary authority. This gets support from even the statement made by the management witness to which I have earlier referred. The result therefore is that the Enquiry Officer was not convenient to act as Disciplinary Authority and impose upon the workman the punishment of stoppage of two increments. If his order becomes illegal, the order dated 27-7-84 passed by Shri H. N. Awasthi Chief Manager and the order dated 16-8-85 passed by the appellate authority also become illegal. The copy of order of the appellate authority has not been filed by either side. But this much is admitted to both the sides that the appeal filed by the workman was dismissed by the Appeal Authority. The appellate authority ought to have noticed the illegality in the procedure and should have remanded the case with the direction that the show cause notice against the proposed punishment would be issued by the disciplinary authority after the disciplinary authority had agreed with the findings of the Enquiry Officer. But this was not done. Therefore, all the orders dated 16-7-84, passed by the Enquiry Officer, dated 27-7-84 passed by the Chief Manager and dated 16-8-85 passed by the Appellate authority became illegal.

14. I may state here that so far conduct of inquiry is concerned the workman has admitted in his cross examination that during the inquiry proceeding he was given full opportunity to defend himself. Therefore inquiry as conducted by the Enquiry Officer cannot be challenged on the grounds that it was not conducted fairly and properly.

15. In view of the findings recorded above, above referred three orders of the Enquiry Officer, Chief Manager and the Appellate Authority are set aside. Since charge No. 4 stands proved against the workman who himself had admitted the loss of 13 clearing cheques, of course under certain circumstances, it will be just and proper if the management is given the liberty to proceed further in accordance with law on the basis of the report of the inquiry officer. Accordingly the management shall be at liberty to proceed against the workman on the basis of findings recorded by the Enquiry Officer, Shri R. N. Agrawal in accordance with law.

16. The reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12012/127/89-D.II (A)]

का.आ. 1948 :- अधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्ययन में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धताल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बावजु अनुबंध में निर्दिष्ट अधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकारिक अधिकारण, सं. 1 बब्ड के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1948.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(Presiding Officer, Justice S. N. Khatri)

Reference No. CGIT-25 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

Their wrkmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the workmen—No appearance.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 6th day of June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Bank of India is not allowing the post of Special Assistant to Shri S. V. Chavhan, Clerk Mandraup Branch, as per provision of Bipartite Settlement dated 1-9-77 to Shri S. V. Chavhan, Clerk Mandraup Branch, as entitled?"

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the Workman. Thereafter on his application, I set aside that Award by my order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/439/87-D.II(A)]

का.आ. 1949:- अधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्ययन में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धताल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट अधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकारिक अधिकारण, सं. 1 बब्ड के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1949.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER : JUSTICE S. N. KHATRI)
Reference No. CGIT-36 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

APPEARANCES :

For the Management—None present.

For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 6th day of June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following Industrial Disputes to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

“Whether the action of the management of Bank of India Regional Manager, Alibagh Distt. Raigad in terminating the service of Shri Y. V. Chorge, Depoy or Ram Raj Branch vide order No. A.R.O.: PERS-P:150 dated 17-5-1988 is legal and justified? If so, to what relief the workman is entitled to?”

2. In spite of about 10 adjournments, the workman has not made his statement of claim. He has not even cared to remain present today and on the two previous dates. He does not appear to be interested in prosecuting the reference. Accordingly I dismiss it for want of prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer
[No.L-12012/588/89-D.II(A)]

का.आ. 1950:— आधारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक भाफ इंडिया के प्रबन्धताल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आधारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधारिक अधिकरण, स. 1 बब्ड के प्रत्येक का प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार का 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1950.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER, JUSTICE S. N. KHATRI)

Reference No. CGIT-24 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 6th June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

“Whether the demand of Bank of India Staff Union, Pune that the Regional Manager, Bank of India, Ratnagiri Region, and through its officers, should appoint Shri D. A. Dangi as a part-time sweeper on scale wage and pay arrears with effect from 1-6-86 is justified? If so, to what relief is the workman entitled?”

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the Workman. Thereafter on his application, set aside that Award by my Order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/521/87-D.II(A)]

का.आ. 1951.—आधारिक विवाद अधिनियम, 1947, (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक भाफ इंडिया के प्रबन्धताल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आधारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधारिक अधिकरण, स. 1 बब्ड के प्रत्येक का प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार का 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1951.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER, JUSTICE S. N. KHATRI)

Reference No. CGIT-23 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.
For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 6th June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(i) Whether the action of the management of Bank of India employing Shri A. C. Shapsekar on permanent basis on 3/4 scale and thereby reducing his emoluments which he earned while working on daily wages is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

(ii) Whether the action of the management of Bank of India in allowing Shri A. C. Shapsekar to do the work of dairymaid carrying special allowance and having done the work not paying him the special allowance is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the workman. Thereafter on his application, set aside that Award by my Order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/440/87-D.II(A)]

का.आ. 1952— औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड कमर्सिंग्स बैंक के प्रबन्धनात्मक के सबद्वारा नियोजित और उनके कर्मकारों के बीच, अनुषंघ में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के पंथपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार वर्ष 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1952.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the United Commercial Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-1991

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(237)/1987

PARTIES :

Employees in relation to the management of United Commercial Bank, Divisional Office, 108 Sushil Bhavan, Dhantoli, Nagpur (MS) and their workman, Shri A. D. Nikhade, represented through the UCO Bank Employees Union 542, Congress Nagar, Nagpur (MS).

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. T Sahasrabudhe.

For Bank—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

INDUSTRY: Banking.

DISTRICT: Nagpur (MS).

AWARD

Dated, June 5th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/122/II/87-DII(A), dated 10-11-1987, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of United Commercial Bank in terminating the services of Shri A. D. Nikhade w.e.f. 2-10-86 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Facts leading to this case are that the workman, Shri A. D. Nikhade, was an employee of the United Commercial Bank at Nagpur and worked from 2-8-1985 to 1-10-86. His services were terminated with effect from 2-10-1986. He was paid daily wages @ Rs. 10 per day. He was not sponsored through the Employment Exchange. It has also not been specifically denied that the workman had worked for the period as detailed below (Reply to para 6 of the statement of claim) :—

Month/ year. 1985	No. of days	No. of Holidays
August	31	6
September	30	7
October	31	6
November	30	8
December	31	6
1986		
January	31	4
February	28	4
March	31	8
April	30	6
May	31	4
June	30	6
July	31	4
August	31	7
September	30	5
October	1	—
	427	84

3. Workman says that he was appointed as Sub-staff against the nature of permanent work and was doing the work of permanent nature as was expected from permanent Sub-staff of the Bank. He was, however, paid daily wages @ Rs. 10 per day. He was taken over time work. He was not paid on holidays as required by law. All this was unfair labour practice. His services have been terminated notice contrary to the provisions of Sections 25B and 25F of the I.D. Act, despite the fact that permanent vacancies were available against his post. Though he had worked for 240 days excluding 84 holidays for which he has not been paid but he was not given permanent appointment and preference over the newly appointee in violation and breach of provisions of Sections 25G and H of the I.D. Act. Shri Shivaji Dewase and Shri Madan Yadav were appointed after his services were terminated. As per Sastry Award and other Awards and Bipartite Settlement he should not only have been paid for overtime work and for holidays but also should have been absorbed against the permanent vacancy. He is, therefore, entitled to the following reliefs :—

1. Declaring the action of the bank in terminating the services of the workman w.e.f. 2-10-86 as illegal and unjustified and directing the bank to reinstate the employee with full back wages.
2. Wages as per the provisions of the Bi-partite Settlement right from the date of appointment in the bank.
3. Payment of appropriate Bonus to the employee.
4. Giving status of permanent employee with all the benefits to the workman.
5. Any other relief and costs of the case.

4. According to the management, workman was a daily rated employee. He was neither posted against the permanent post nor any job of permanent nature was taken from him. He was temporarily engaged to clean the premises, get tea/snacks for the staff and guests from nearby stalls. Notice of termination was not necessary. He has not completed 240 days continuous service. He is not entitled to any relief as claimed. There is no violation of any Award, Settlement or Order.

5. Management further say that he is not a workman under the provisions of the I.D. Act. He had to go out of employment due to non-renewal of contract.

6. It is also contended that there is proper procedure for appointment against a permanent post. Persons who were subsequently employed came through the Employment Exchange.

7. For all the above reasons reference is liable to be rejected.

8. Workman has examined himself in support of his case and has proved documents Ex. W/1 to Ex. W/4, while the management has examined Shri G. B. Pathak, Deputy Chief Officer (Personnel Department) as M.W. 1.

9. Reference was the issue in this case.

10. At the outset it can be said from the table given above that the workman who had worked for 343 days excluding holidays and Sundays which come to 84 days and according to the management the workman was paid for the Sundays and holidays also it followed that he had put in 427 days service and obviously 240 days continuous service in the last preceding one year from the date of termination on 2-10-86. Even assuming that there were certain breaks they were not due to any fault on the part of the workman.

11. The workman has also proved these facts by his affidavit which have not been specifically denied.

12. Perusal of para 8 of the written statement reveals that the said workman during the period 2nd August, 1985 to 1-10-1986 did not get his name registered with the Employment Exchange at Nagpur though he was advised of the consequences of non-registration. This appeals to be the cause of his retrenchment because it is not disputed by the manage-

ment in para 8 of the written statement that after the termination of the services of the workman certain vacancies were filled in through the Employment Exchange in accordance with the mandatory directions of the management. But this too does not appear to be a true fact because as per M.W. 1, G. B. Pathak (para 5 of his deposition) some 25 workmen were also employed who were not called through the Employment Exchange. It follows that the workman was retrenched not only in violation of the provisions of Sections 25B and 25F but also Section 25H of the I.D. Act. Thus the question that he was not registered in the Employment Exchange does not arise in view of his long service. If the management was so keen why the workman was employed directly at the initial stage. Even otherwise also I have pointed out that M.W. 1 stated on oath that some 25 workers were employed directly and not through the Employment Exchange.

13. It would be needless to point out that the workman is very much a workman within the meaning of Section 2(s) of the I.D. Act and I need not discuss the law in this regard.

14. Thus the termination of the services of the workman, Shri A. D. Nikhade being void ab initio he is entitled to reinstatement with all back wages and continuity in service. He should also be absorbed against the permanent vacancy of Sub-staff. He is not entitled to any other reliefs as prayed for. Reference is accordingly answered as follows:—

The action of the management of United Commercial Bank in terminating the services of Shri A. D. Nikhade w.e.f. 2-10-1986 was not justified. He is entitled to reinstatement with all back wages and continuity in service. He should also be absorbed against the permanent vacancy of Sub-staff. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-12012/122/87-D-II(A)]

का.आ. 1944.— औद्योगिक विधाव अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्युत्तरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बोर्ड, प्रत्युत्तर में निर्दिष्ट औद्योगिक विधाव में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बंदई के पाचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on 18-6-91.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER, JUSTICE S. N. KHATRI)
Reference No. CGIT-14 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 6th June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Bank of India Regional Office and through its offices is not appointing Shri D. J. Kumbhar, Sweeper at Talawade Branch with effect from 11-3-1985 and not confirming him from 11-9-1985 justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the Workman. Thereafter on his application, I set aside that Award by my order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the Workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative hav turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. E-12012/444/87-D.I(A)]

का.आ. 1944.— औद्योगिक विधाव अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्युत्तरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक इंडिया के प्रबन्धतंत्र नियोजकों और उनके कर्मकारों के बोर्ड, प्रत्युत्तर में निर्दिष्ट औद्योगिक विधाव में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1954.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-81.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(43)1987.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of Maharashtra, Divisional Office, North Zone-2, 14, Shakti Niwas Malviya Nagar, Bhopal-462003 (M.P.) and their workmen represented through the Union of Maharashtra Bank Employees, Deewan Bhavan, Shreeram Nagar, Gullowatal, Garha, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri G. P. Gupta.

For Bank—Shri A. K. Yadav.

INDUSTRY : Banking DISTRICT: Jabalpur(M.P.)

AWARD

Dated : June 3rd 1991

By Notification No. L-12011/56/86-D.II(A) dated 14th April 1987 the Central Government, Ministry of Labour, has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the demand of the Union of Maharashtra Bank Employee, Jabalpur, to con-

sider administrative office also along with branches for request transfer as per clause 3 & 4 of the Settlement dated 31-10-1983 is justified ? If so, to what relief are they entitled ?"

2. This is a reference sponsored by the the Union of Maharashtra Bank Employees, Jabalpur, that their demand to consider the request transfer as per Clause 3 & 4 of the Settlement dated 31-10-1983 to the Branches and Administrative Offices are not being considered to which they are entitled. The main grievance of the Union is that the interpretation of the word 'branches' made by the management is very narrow because it includes the administrative offices also in the Settlement dated 31-10-1983. They have further alleged that the number of employees are still in queue of request transfer for Jabalpur, out of them more are seniors to Mr. R. M. Avachi who was given transfer from Kunda to R. M. Office, Jabalpur illegally, despite the advice of conciliation officer. The names of few employees and members of this Union are given herein below who are very much entitled to get transfer at Jabalpur :—

Name	Present Branch	Post held
1. Mr. L.L. Agarwal	Umreth	Clerk
2. Mr. P.P. Kushwaha	Paradisinga	Clerk
3. Mr. P.K. Muley	Chandrapur	Clerk
4. Mr. A.K. Dubey	Sconi (Pandhurna)	Clerk
5. Mr. R.K. Gupta	Jeen	Clerk
6. Mr. Rawel Singh	Shendurjanghat	Clerk
7. Mr. S.C. Chaturvedi	Mandla	Clerk
8. Mr. V.K. Neelay	Umreth	Clerk
9. Mr. W.A. Khan	Ugli	Clerk

3. Similarly Bank has opened its Zonal Office at Bhopal in 1982 for which the same stand was taken by the Bank and no Circular was issued at the time of opening of the said office as per point 3 & 4 of the Settlement dated 1-10-1973 and 31-10-1983. Bank has not filled in 80% vacancies of the total requirement of the staff for Zonal Office by considering pending request applications for Bhopal. There are various circulars in regard to request transfer and settlement arrived at on 1st October, 1973 and 31st October, 1983. As per these Settlements the Bank has operated all matters of request transfer of the workmen in the Bank. As per point nos. 3 & 4 of the Settlement dated 1-10-1983 read with Settlement dated 31-10-1983 Bank has agreed to fill in 50% vacancies out of the total vacancies of workmen required for any particular new branches and offices, which was proposed to be opened, from the workmen seeking transfer to the proposed new offices/branches by calling their applications and as per Clause 3(iii) of the Settlement dated 31-10-1983 Bank has agreed that 80% vacancies out of the total vacancies of workmen to any branch or office will be filled from the pending request transfer applications. These circulars are not being followed. Accordingly, the Union has prayed for the following reliefs :—

1. The circular for Regional Office, Jabalpur should be issued by the Bank as per Clause 3 & 4

of the settlement dated 1-10-83 and subsequent dated 31-10-1983.

2. The 80% vacancies out of actual vacancies of Regional Office, Jabalpur should be filled from the pending request transfer applications for Jabalpur as per Clause No. 3(iii) of the Settlement dated 31-10-1983.

3. That the members of this Union whose names are already given in the statement of claim should be given transfer immediately.

4. The order for Zonal Office, Bhopal should be passed.

5. Cost of this case.

6. Any other relief that Hon'ble Tribunal be pleased to grant.

4. In the rejoinder the Union has further stated that the Agreement dated 1-10-1973 is not terminated and was in force when the Agreement dated 31-10-1983 came into force. During the period between 1981 to 1983 the Bank has already affected and considered all the transfers as per terms and conditions laid down in the policy dated 1-10-1973. Moreover, the Bank has also utilised the terms of policy dated 31-10-1983 in 1982 in some cases and thus it is clear that the policy dated 1-10-1973 was not terminated and hence at the time of opening of the administrative office at Jabalpur, Bank has to follow the other terms and conditions of the policy dated 1-10-1973 and necessary circular must be issued in this regard. The Union has also denied that the Settlement is not applicable to this union. It is as much applicable to this Union as to the other unions. The Bank has given wrong information. The following is the list of candidates appointed in the administrative office at Jabalpur :—

Sl. No.	Name	Date of joining
1.	Mr. D. K. Agarwal	April, 1982
2.	Mr. R. Naik	16-06-1982
3.	Mr. A. M. K. Ekka	23-03-1982
4.	Miss Meera Vatnani	15-07-1982
5.	Miss Nisha Jaiswal	15-07-1982
6.	Mrs. Gitanjali Thakur	—1982
7.	Miss D. S. Kanta Tigga	11-10-1982
8.	Miss Anjali Khedkar	15-10-1982
9.	Mr. T. K. Tigga	11-10-1982
10.	Mr. R. K. Shrivastava	20-10-1982
11.	Mr. S. G. Bagaddeo	22-12-1982
12.	Mr. R. M. Sonkusale	30-05-1983
13.	Mr. J. S. Armo	30-5-1983
14.	Miss Alka Das	30-05-1983
15.	Miss E. Saguna	06-06-1983
16.	Mr. C. S. Tiwari	06-06-1983
17.	Miss Ruma Das	08-08-1983
18.	Mr. P. S. Pathak	16-08-1983
19.	Mr. Harish Pathak	24-03-1983
20.	Mr. Shiv Kumar Singh	06-09-1982
21.	Mr. Kartarchand	01-09-1982

The Union has also given the names of the members whose applications were pending at the time of posting of B.S.R.B. candidates at Jabalpur. They are as under :—

1. Mr. G. P. Gupta	Applied in 1981
2. Mr. D. J. Choudhary	Applied in 1981
3. Mr. L. L. Agarwal	Applied in April, 1982
4. Mr. W. A. Khan	Applied in 1982
5. Mr. A. K. Dubey	Applied in 1982
6. Mr. S. K. Chaturvedi	Applied in 1983

5. That apart, various posts are still vacant at the administrative office at Jabalpur, but the Bank is not considering the transfers of the members of this Union. The Bank has posted candidates from R. M. Office Bhopal to A.G.M. Office Bhopal. The Bank has also appointed two drivers at A.G.M. Office, Bhopal despite the fact the applications of the members of this Union viz. Shri S. R. Patil etc. working at R. M. Office, Jabalpur have not been considered. The action of the Bank is not proper and legal and beyond the norms stipulated in the Settlement dated 1-10-1973.

6. According to the management, the Administrative Office at Jabalpur was opened in August/September, 1982. The Union wants to insert the word 'office' in Clauses 3 and 4 of the Settlement dated 31-10-1983 and to apply the same to the administrative office which was opened before coming into operation of the Settlement dated 31-10-1983. Thus the reliefs cannot be granted.

7. The Regional/Divisional Office at Jabalpur is not altogether a new office but has been carved out of the Divisional Office, Bhopal, which was controlling the entire branches in the State of Madhya Pradesh. The supervisory staff for this office was provided from Bhopal Office. No Agreement was in force when administrative office at Bhopal was opened at Jabalpur as the Bank had already given the notice of change in the year 1981 and terminated the Agreement on request transfer as it existed since 1973. The subsequent Agreement had taken place on 31-10-1983 with the majority Union affiliated to A.I.B.E.A. and as such this Agreement cannot be made applicable to the already opened Jabalpur Office and the present dispute deserves to be dismissed.

8. That apart, the Union has raised this dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) Jabalpur in April 1986 i.e. after lapse of more than four years the alleged cause of action. On this ground also the dispute deserves to be dismissed. The present Union raising the dispute is not a party to the Settlement dated 31-10-1983 and the Union which is not a party to it cannot thrust its own interpretation as and when it likes. The term used in the Settlement dated 31-10-1983 relates to the transfers to new Branches only and not new Offices. This has been done with a view to get experienced staff for the Branches wherever possible. The Circular dated 1-10-1973 is beyond the scope of present reference. Hence the reference raised in the light of the Agreement dated 1-10-1973 cannot be entertained and the

reference is not tenable. The employees who are already in service of the Bank and have applied for transfer on request to the place where the Bank proposed to open new Branch are better suited as against the B.S.R.B. candidates. With this in mind the parties to the Settlement have made a special provision for new Branches in Cl. 4 of the Settlement dated 31-10-1983. Any attempt to read the word 'Office' along with Branches in the said Clause will not be proper and therefore also the reference is not maintainable. The Union wants to explain the terms of reference by application dated 18-5-1987 in relation to administrative office of the Bank. The administrative office of Bank are situated in more than one State all over India. The amendment to statement of claim, if allowed, will affect the establishments situated in more than one State. Since the reference made by the Government is under Sec. 10(1)(d) of the I.D. Act and not under Sec. 10(1)(a), this Tribunal shall not be entitled to consider the present point. The proper forum for this would be a National Industrial Tribunal. The transfer is management's prerogative and the Government has held time and again that no dispute can be raised over the issue of transfer. The transfers are affected as per the administrative convenience of the Bank and the reference being applicable to the request transfer is liable to be rejected. No Settlement had taken place on 1-10-1973 on request transfer. The reference to the circular dated 1-10-1973 is beyond the scope of the term of reference, for adjudication.

9. The Settlement dated 31-10-1983 is not a settlement in continuation of the Settlement dated 1-10-1973. The policy laid down in the Circular dated 1-10-1973 for request transfer is continued to be followed on certain stipulations by the Settlement of 31-10-1983 and not the Settlement of 1-10-1973 itself. The Bank has followed the procedure laid down in the Circular dated 1-10-1973 regarding request transfer until it was terminated.

10. The Bank has denied that as per Circular dated 1-10-1973 and dated 31-10-1983 respectively the Bank has agreed to fill in 50% vacancies of any particular office from the workmen seeking transfer to that proposed office by calling their applications. On the other hand, Cl. (e) of the Settlement dated 31-10-1983 is not made applicable to the administrative office proposed to be opened by the Bank as the same is applicable only to the Branches to be opened newly. The Union affiliated to A.I.B.E.A. which is a party to the Settlement have never objected to this practice prevalent in the Bank.

11. Clause 3(iii) has been quoted out of context. It states about the procedure of request transfer to the extent of 80% of actual vacancies to be considered before posting B.S.R.B. candidates. Thus it cannot be said that the Bank has agreed to affect pending request transfers. Before posting B.S.R.B. candidates, the Bank takes into account of such applications of employees who are eligible for transfer on request to that place and while posting B.S.R.B. candidates for the administrative office at Jabalpur no application of any employee who could be considered eligible for transfer on request was pending

with the Bank. Eleven candidates are recruited directly through the B.S.R.B. The Settlement dated 31-10-1983 is not applicable. Objections have been raised for the first time in April 1986. That vide Circular dated 5-8-74 issued in respect of allotment of allowance carrying posts the words both Branch and Office have been used. This shows that where it was necessary and intended the Bank rightly included both Branch and Office and where it has, not necessary and not intended the word 'Branch' has been used. It is wrong to say that Mr. R. M. Ayachi has been wrongly transferred because he is a member of a favourite Union. His transfer was not made at the time of opening of administrative office at Jabalpur, but was made on 23-11-1985 on compassionate ground on his application dated 4-9-1984. Similar transfers on compassionate ground have been made. Thus his transfer cannot be questioned on the ground of the seniority of the alleged pending applications of the employees listed in para 11 of the statement of claim.

12. The Bank states that the following are not members of the present Union :—

1. Mr. A. K. Dubey	Seoni (Pandhurna)
2. Mrs. Ranel Singh	Shendurjanaghat
3. Mr. S. Chaturvedi	Mandla.

13. There was no violation of the Settlement dated 31-10-1983. It is denied that the Bank has acted arbitrarily or in violation of the Settlement. The reference is liable to be rejected with costs.

14. The reference is the Issue in this case vide proceedings dated 22-9-1987.

Finding with reasons :

15. While trying to be brief so far the facts are concerned, I shall be specific in answering the reference because it covers a very short point as to whether the Settlement dated 31-10-1983 includes administrative office also along with the branches for considering request transfers as per Clause 3 and 4 of the Settlement dated 31-10-1983.

16. Voluminous evidence has been led in this regard. Since specific cases are not for consideration here, I shall confine myself to the interpretation of the said settlement. The management, however, raised the following material points—

- (i) only the National Tribunal can consider this reference and that;
- (ii) the cases of the members of the other unions cannot be considered.

17. So far as the first point is concerned, it is just a matter of interpretation of the clauses of the settlement and nothing more. It is not an issue which has to be decided by the National Tribunal but this can be decided by this Tribunal as well.

18. So far the question that the cases of members of other unions are concerned, in this regard I have only to cite the judgements of the Supreme Court—Ram Prasad Vishwakarma Vs. Chairman, Industrial Tribunal, Patna and others (AIR 1961 SC 857) and 1657 GI[91—7.

Jhagrakhand Collieries (P) Ltd. Vs. G. C. Agarwal, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur and others (AIR 1975 SC p. 171). Thus cases of all the concerned employees of the management can be considered in view of the settlement dated 31-10-83 for the simple reason that different sets of rules and principles cannot be laid down to different sets of members of different union of the same establishment. In the same way, the settlement should not be construed as discriminatory for the purpose of request transfers to branches or the administrative offices. Following are the reasons.

19. Having gone through the document Ex. M|1 to Ex. M|27 and Ex. W|1 to Ex. W|15 (No oral evidence has been adduced by either party), I must consider the earliest circular dated 1st October, 1973 (Ex. M|15) which was superseded by Ex. M|16 dated 27-1-1982 and new settlement dated 31-10-83 (Ex. M|18) came into existence and was circulated vide Ex. M|17 dated 16-11-1983.

20. Clause 3 of Ex. M|18 relates to general procedure of request transfers. Clause 4 relates to transfer to new branches. I must reproduce the relevant paras which are as under :—

(i) The request transfers will be considered by the Staff Division, Pune, on the basis of seniority. The applications in the prescribed form and those within the norms when received will be entered into a register and the other applications not fulfilling norms will be returned to the applicants.

(ii) The request transfer applications in prescribed form must be routed through the Branch|Office where the employee is working. The Branch|Office will keep the record of such applications and inform the applicant about the forwarding of such applications to Divisional Manager, Staff & IR Central Office, directly. ('Branch|Office' is noteworthy which is indicative of including office as well a part from branch. If this was not the intention, the expression 'branch office' should have been used and not 'branch|office'. It may further be noted that expression 'branch office' has not been used for branch in clause 4).

(iii) Before posting of BSRB candidates pending transfers to the extent of 80% of actual vacancies would be taken into consideration.

4. Transfer to New Branches—

(i) The present practice of issuance of circulars from Central Office, calling applications will be continued while opening of new branches and at least 50% of the staff required for new branches would be considered from the eligible candidates seeking transfers at those centres and the remaining may, be considered from the candidates newly appointed as per BSRB allotment.

(ii) Whenever new candidates are not available, the staff will be provided as per seniority of the request transfer applicants whose applications are received in the Staff Division for the proposed branch."

21. If the entire Settlement dated 31-10-1983 (Ex. M|18) is considered together particularly in the

light of the clauses 1 to 5, 6 and 8 it would be very clear that this settlement does not relate to transfer to branch only and without referring to earlier settlement, it can be clearly pointed out from Clause 3 that if settlement related to branches only, there was no purpose in putting an expression 'branch|office', for Clause 4 does not use the word 'office' anywhere. Obviously, it relates to practice to be followed in relation to request transfers to new branches. Clause 8 of Ex. M/18 also relates to request transfers. First part of Clause 3 is general, according to which no T.A. & D.A. is to be given on request transfers. It does not discriminate between transfer to branch or offices while the second part of Clause 8 relates to granting T.A. and D.A. on posting at new branches (not offices) even in the case of request transfer.

22. Thus by no stretch of imagination it can be said that this Settlement related to request transfers to branches only and no administrative offices. It would be a very narrow construction and discriminatory also. Even otherwise also use of the word 'office' in Clause 3 would become redundant inasmuch as there cannot be a one way traffic and where request transfer from office have to be considered as per this Clause, it follows by implication that request transfers to office are also to be considered in the entire context.

24. Reference is accordingly answered as follows : The demand of the Union of Maharashtra Bank Employees, Jabalpur, to consider administrative office also along with branches for request transfers as per Clause 3 and 4 of the Settlement dated 31-10-83 is justified. Their cases accordingly be considered in the light of above interpretation of the Settlement. No order as to costs. Award is made accordingly.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-12011/56/86-D.II(A)]

का.प्रा. 1955.— औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार देना बैंक के प्रबंधतात्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-19 को प्राप्त हुआ था।

ANNEXURE

S.O. 1955.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers by relation to the Dena Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-91

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
CASE NO. CGIT/LC/R(59) 1988

PARTIES

Employers in relation to the management of Dena Bank, Raipur (M.P.) and their work-

man, Shri Ashok Kumar Durugkar, Opp. Irrigation Officer, Kailash Nagar, Rajnandgaon (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Workman himself.

For Management.—Shri S. K. Ghosh.

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Raipur (M.P.).

AWARD

Dated June 5th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/646/87-D.II(A) dated 15th June, 1988, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Dena Bank in relation to their Rural Services of Centre, Rajnandgaon in terminating the services of Shri Ashok Kumar Durugkar, Water-boy-cum-Peon(Sub-staff) and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under Section 25th of the I.D. Act is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?"

2. Undisputed facts that have arisen out of the pleadings and evidence on record is that the workman was engaged as temporary/casual labourer for 118 days as detailed below :

From	to	days
25-4-1985	11-5-85	14
13-5-1985	25-5-85	12
19-8-1985	31-8-85	10
30-9-1985	7-10-85	7
27-3-1986	31-3-86	4
1-4-1986	10-4-86	10
26-4-1986	3-5-86	7
5-5-1986	14-5-86	8
16-5-1986	26-5-86	8
7-7-86	19-7-86	11
28-7-1986	1-9-86	27
		118 days

He accordingly worked from 25-4-1985 to 11-5-85 and also subsequently upto 1-9-1986 (See M.W.1 R. P. Patle's deposition paras 2 & 3).

3. Shri Chunni Lal was taken as permanent Sub-staff with effect from 15-12-1983. Certain other persons were also taken in service as detailed below :—

Name of person employed	Branch at which employed	Date w.e.f. which employed
1. Kamal	Bhatpara	27-7-87
2. Jhadram Sahu	Tilda	31-12-87
3. Chhabiram Sahu	Rajim	9-11-87
4. Pilooram Dhruv	Basna	27-1-88
5. Nandkumar Marlan	A. Chauki	8-3-88

4 Certain posts were taken vacant and interviews were held but the workman concerned was not selected.

5. According to the workman, interview of the employment of these persons subsequent to his retrenchment as also filling of various vacancies after obviously after his retrenchment is violative of the provisions of Sec. 25H of the I.D. Act and he is entitled to be reinstated. It has also been stated that it must be declared that the action of the management of Dena Bank in terminating his services as Water-boy-cum-peon(Sub-staff) and not offering his further employment under Sec. 25H of the I.D. Act while recruiting fresh hands is unjust and illegal and he is entitled to be reinstated with full back wages retrospectively.

6. Management says that Chunni Lal was appointed as permanent Sub-staff much prior to the engagement of Shri Ashok Kumar. So far other persons viz. Kamal and four others were concerned they were taken in service by virtue of the award of this Tribunal hence question of violation of Sec. 25H of the I.D. Act in relation to these workmen does not arise. Since the applicant had not come through the Employment Exchange therefore he could not be called for interview and appointed as sub-staff in the Bank and as such the question of considering him for further employment under Sec. 25H of the I.D. Act does not arise.

7. That apart, the workman is not a workman in the eye of law. He was engaged for short duration and the reference is liable to be rejected on all these counts.

8. At the outset I must point out that the workman was a daily rated casual employee of the management and he was paid by the management is not disputed. The testimony of the workman to the effect that he was to work for the whole day not only as Waterman but also as a Peon. He used to bring water, files, distribute daks and clean the furniture. He was a whole time worker. This evidence has not been rebutted.

9. Thus daily rated casual worker employed for the whole day is very much a workman in the eye of law as envisaged under Sec. 2(s) of the I.D. Act and I need not deal with this aspect of the case in detail. Even piece meal employees are workers.

10. The workman concerned had worked for 118 days and as pleaded by the management in para 4 of the written statement that certain workers were employed after the retrenchment of this workman and after interview merit list was prepared and they were appointed after approval of the authorities concerned. The only defence taken is that the name of the workman was not sponsored through the Employment Exchange and therefore he was left out. It may be noted that M.W. J. R. P. Patle, has admitted in his cross-examination in para 3 that the office had asked for the marks sheet of the workman and the workman had given his marks sheet.

11. From the above pleading and the evidence it can be well gathered that the workman was well qualified for the post of which the interviews were

held. it follows that after his retrenchment certain posts to which he could be absorbed were vacant which were filed in by the management. Though it is not clear that there were some posts but the workman was qualified for the post for which interview were held and the workman was only left out because he was not sponsored through the Employment Exchange. Workman having put in service from 25-4-85 to 1-9-86 for 118 days as detailed above should have been given preference in view of the provisions of Sec. 25H of the I.D. Act irrespective of the fact whether his name was sponsored through the Employment Exchange or not. If that was the case, the services of the workman as casual labourer should have been deployed through the Employment Exchange only and not otherwise.

12. That being so, workman is entitled to be re-employed on the post of sub-staff interviewed after his retrenchment. He should be deemed to be in employment from this date onward and would be entitled to the wages from the date he joins. Reference is accordingly answered as under :—

The action of the management of Dena Bank in relation to their Rural Service Centre, Rainandgaon in terminating the services of Shri Ashok Kumar Durugkar, Water-boy-cum-Peon (Sub-staff) and not considering him for further employment while securing fresh hands under Section 25H of the I.D. Act is not justified. He is entitled to be reinstated from the date of the award and would be entitled to the wages from the date he joins. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-12012/646/87-D II(A)]

नई दिल्ली 27 जून 1991

का आ 1956—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में श्री सी सी पल का पिटम मुरलीडीह कोलियरी के प्रबन्धनव के मंबद्ध नियोजको और उनके कर्मसारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में वेन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, म. 1 अनबाद के पचपट को प्रकाशित दर्शाते हैं, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त होता था।

New Delhi, the 27th June, 1991

S.O. 1956.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 DHANBAD as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A Pits Murlidih Colliery of M's BCCI, and their workmen, which was received by the Central Government.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

REFERENCE NO. 137 OF 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of
20/21 Pits, Murlidih Colliers of M/s
Bharat Coking Coal Ltd

AND
Their workmen

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri B. K. Ghosh
Member, Executive Committee, Janta
Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi,
Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 24th May, 1991

AWARD

By Order No. I-20012(272) 89-1, R. (Coal-I) dated, the 6th June, 1990 the Central Government in the Ministry of Labour has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-k) of Section 10 of the I. D. Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

SCHEDULE

"Whether the management of M/s Bharat Coking Coal Ltd in relation to 20/21 Pits Murlidih Colliery Area II is justified in not seeking medical assessment of age of the workman, Shri Shiv Pujan, Rajbhar, loader? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The order of reference for adjudication of the industrial dispute was received in the office of this Tribunal on 14-6-90 and the same was registered as Reference No. 137'90. Thereafter notices were issued to the parties. Both the parties made their appearance but did not file their respective written statement and several adjournments were granted to them. Lastly when the case was fixed for filing written statement by the workmen, Shri B. K. Ghosh, Member Executive Committee of the sponsoring union, submitted before me that he was not interested to take any steps in the industrial dispute, and as such, the case be disposed of according to law I heard both the parties, and it appears to me that there is no industrial dispute existing between the workmen and the employers. In the circumstances, I am constrained to pass a "No dispute" Award in the present industrial dispute.

This is my Award.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. I-20012/272/89-IR(Coal-1)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

No. 2132 dated 22nd June 1991

का आ 1957—बर्मचारी भविष्य विधि द्वारा प्रदीप्ति द्वारा अधिकारी नियम 1952 (1952 नं 19) की गयी 16 की डाक्टरेशन (2) द्वारा प्रदत्त गविनमेंट द्वारा प्रयोग करने वाले वाले सम्बन्धीय वस्तु में वाली आड्डा नं 2132 दिनांक 26 अगस्त 1987 की अधिकृत कानून में गालन वाली परिवर्तनों का यात्रा में गवाह द्वारा, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना गम्भीर है ज्वासना के नियन्त्रित वर्षों का दिनांक 1 सितम्बर 1990 में अगले तीन वर्षों की अवधि के ताएँ इस अधिकृत के प्रबन्ध में उसमें विनियित गर्भी के अधीन रहने हुए एन्ड्रूजन लूट देनी है अधिकारी —

मन्त्री

क्रम से प्रतिलिपि वा विवरण

1. मर्भी शिक्षण सम्बन्धीय विधि के अधीन विवरण के समान अधिकारी भविष्य विधि, परिवार पश्चात वया अमा नहवद वीमा अधिकारी भविष्य विधि विवरण और जमा महबद वीमा मूल्यांकन कर रहे हैं।

2. मर्भी प्रतिलिपि वा सामाजिक पर्यावरण अधिकृत विधि 1960 के अन्तर्गत सोमाजिक विवरण के तथा जिनके बर्मचारी गवाह/केन्द्रीय सरकार के बर्मचारी विवरण के समान अधिकारी भविष्य विधि, परिवार पश्चात वया जमा महबद वीमा अधिकारी भविष्य विधि विवरण वया जमा महबद वीमा मूल्यांकन कर रहे हैं।

[म. नम. 35014/13/90-SS-II] पम -11]

New Delhi, the 24th June, 1991

S.O. 1957.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 16 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2432 dated the 26th August, 1987 the Central Government after having regard to the circumstances of the case, is of the opinion that it is expedient so to do, hereby exempts the following classes of establishments from the operation of the Act for a further period of three years with effect from 1st September, 1990 subject to the conditions specified therein, namely :—

SCHEDULE

SI No Particulars of establishments :

1. All educational institutions, whose employees are in receipt of contributory provident fund, family pension and deposit linked insurance or non-contributory provident fund, pension and deposit linked insurance at par with State/Central Government employees.
2. All establishments which are registered as 'Society' under the Societies Registration Act, 1860 and whose employees are in receipt of contributory provident fund, family pension and deposit linked insurance or non-contributory provident fund, pension and deposit linked insurance at par with State/Central Government employees.

[No. S. 35014(13)/90-SS.II]

तह दिनी १८ जन 1991

ग्रा. ३४ १९७४ —कम्बारी राज्य वीमा अधिनियम १९४८ (१९४८ ३१) का घासा १ वी उपशाग (३) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदब्ल्यू १७९१ का उम तारीख के रूप में नियम करता है जिसका उत्तर अधिनियम व अधियाय ५ (वारा ४४ आर ५१क मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त का जा चक्का है) आर अधियाय ६ (धारा ७६ वी उपशाग (१) आर घासा ७१ ७८ ८१ आर ८१क मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त का जा चक्का है) के उपचरण इसीमा राज्य के नियमिति वित्त भवत में प्रवृत्त होते अस्थान —

उपराम 'विवर का नहान गमनागम व गजम्ब शाम छेष्टवाग व अन्नमा आवाह भवत ।

[संख्या एम ३८०१ २३ ३१ अम १]

New Delhi, the 26th June, 1991

S O 1958—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints its the 1st July 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76 and 77 78 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Orissa namely

'The areas comprising of the revenue village of Chhecherhong in tehsil of Palnagarh in Bolangir District'

[N S 38013 23 91-SSI]

ग्रा. ३४ १९७४ —कम्बारी राज्य वीमा अधिनियम १९४८ (१९४८ ३१) का घासा १ वी उपशाग (३) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदब्ल्यू १७९१ का उम तारीख के रूप में नियम करता है जिसका उत्तर अधिनियम के अधियाय-५ (घासा ४४ आर ५१क मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त का जा चक्का है) आर अधियाय-६ (घासा ७६ वी उपशाग (१) आर घासा ७१ ७८ ८१ आर ८१क मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त का जा चक्का है) के उपचरण इसीमा प्रदेश राज्य व नियमिति वित्त भवत में प्रवृत्त होते अस्थान —

व्रम मत्या राजम्ब शाम वा नाम हट्टपन्त मत्या जिल का नाम

१ नामान माक्ता	१४१	मिर्मोर
२ मापानी	१४१	मिर्मोर
३ नामान रत	१३	मिर्मोर
४ जाहगर	१३५	सिरमार
५ मापी नन	१४	मिर्मोर

[संख्या एम ३८०१ ३/२३/११ अम १]

S O 1959 In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st July 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76 and 77 78 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Himachal Pradesh namely

S No	Name of the Revenue Village	Had Bast No	Name of the Dist.
१	Nangil Saketi	१४१	Sirmour
२	Oglee	१४०	Sirmour
३	Rampur Jatia	१३९	Sirmour
४	Johian	१३८	Sirmour
५	Mogi Nand	१४२	Sirmour

[No S-38013 24/91-SS-1]

तह दिनी १८ जन 1991

ग्रा. ०६० —केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हा जान पर कि राज्यहत मण्डल अपक्रिय विवाद अधिनियम १९४७(१९४७ का १४) वी धारा १ के खंड (३) के उपखंड (६) के उपचरण व अन्तर्गत सारांश सरकार के श्रम मत्यालय की अधिकारियता मत्या वा आर १९ दिनांक १२ दिसम्बर १९९० द्वारा किसी भी खंडित तत (केन्द्रीय तत) माटर आर विमान स्पिरिट, डीजल तत, मिट्टी का तत इधन तत विरिप व हडाकाबन तत आर उनके मिश्रण जिसमें मिथेंटिक इधन रास्ते तत और इस प्रकार के तत जापान वै के नियमण या उत्तादन व नग उदाग में मेवाओं का उक्त अधिनियम व इयाजना के लिये १२ दिसम्बर १९९० में छह मास की कालावधि व तिय तत अपार्यायी बता आषित किया था

ओर केन्द्रीय सरकार का नद है कि नारायण म उक्त कालावधि का छह मास की ओर कालावधि व तिय बताया जाना अस्थान है।

अत अब आद्यागिक विवाद आशानम १९४१(१९४७ का १४) का धारा २ व खंड (३) के उपखंड (III) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त श्री विद्या का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उदाग का उक्त अधिनियम के प्रयोगता व तिय २३ जन १९९१ स छह मास की आर कालावधि व तिय तत अपार्यायी मरा आषित करता है।

[संख्या ११९१/२५४३/१(ए)]

११ नद्दायार अवर सचिव

New Delhi the 2nd June, 1991

S O 1960—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had in pursuance of the proviso of sub-clause (vi) of clause (1) of section 2 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S O No 39 dated the 17th December 1990 the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil) motor and aviation spirit diesel oil, kerosene oil fuel oil diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels lubricating oils and the like, to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 29th December, 1990,

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months,

Now therefore in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (1) of section 2 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby dec-

lares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 29th June, 1991.

[No. S-11017/2/84-D.I(A)]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नंद दिल्ली 25 जून 1991

श्रा प्रा 1961—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मेन्टेनेंस एवं जलसंचयन के प्रबंधन के गश्त नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के प्रत्येक को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th June, 1991

S.O. 1961.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDENT OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(145)1989

PARTIES :

Employer in relation to the management of Central Railway Jabalpur and their workman Shri Biran S/o Shri Ram Asre, Casual Labour, Village Tikaria, Post Markundi, Tah. Karvi, District Banda (U.P.).

APPEARANCES :

For Workman--None.

For Management.—Shri S. K. Mishra Advocate.

INDUSTRY.—Railways DISTRICT.—Banda (U.P.)
ADARD

Dated. June 7th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-41012/80/88-D-2(B) Dated 31st July, 1989, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the decision taken by the management of Central Railway, Jabalpur in removing Shri Biran S/o Shri Ram Ashre, Casual Labour, from service w.e.f 19-1-1988 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2 Both the parties have filed their respective statement of claim. Thereafter the workman did not take interest in prosecuting his case

3. It appears that the workman has no interest case. I therefore record a no dispute award. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-41012/80/88-D-2(B)/P]

वा धा 1963—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल रेलवे जबलपुर के प्रबंधन के मध्य नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के गश्त को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 21-6-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1962.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDENT OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(141)1989

PARTIES :

Employers in relation to the Central Railway Jabalpur and their workman, Shri Sunder Lal S/o Shri Jhalla, Casual Labourer, Village Bambhiya, Post Office Markundi, Tah. Karvi, District Banda (U.P.).

APPEARANCES :

For Workman--None.

For Management.—Shri S. K. Mishra Advocate.

INDUSTRY.—Railways DISTRICT.—Banda (U.P.)

AWARD

Dated . June 6th 1991

By Notification No. L-41012/84 D-2(B) Dated 31st July 1989 the following dispute has been referred to this Tribunal by the Central Government, Ministry of Labour, for adjudication :—

"Whether the decision taken by the management of Central Railway, Jabalpur (M.P.) in removing Shri Sunderlal S/o Shri Jhalla, Casual Labourer, from service with effect from 19-1-1988 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2 In this case only on two dates i.e. 21-9-1989 and 24-10-1989 the workman appeared in person and parties filed their respective statement of claim. The workman after 24-10-1990 is absenting himself and remained absent on 11-3-90, 24-9-90, 10-3-90,

26-6-90, 25-9-90 and 17-1-91—Neither any rejoinder has been filed nor evidence adduced by the workman. Therefore it appears that the workman has no interest in the case. I therefore record a no dispute award. No. order as to costs.

V. N SHUKLA, Presiding Officer
[No L-41012 84/88.II(B)(P1)]

का प्रा 1963—आधिकारिक विवाद भवित्वियम्, 1947 (1947 का 14) का वारा 17 के मनुस्करण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय शासकीय प्रबन्ध समिट बोर्ड के बजाए नियायालय और उनके कर्मचारों के बीच, अग्रसर म नियायालय आधारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधारिक अधिकारण, भक्तागढ़ के पचाट से प्रशासित करती है, जो कल्पीय सरकार को 21-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1963.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SH. ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT.
CHANDIGARH

I.D. 53/87

Baljeet Singh & Others

Vs.

Bhakra Beas Management Board

For the Workman—Sh. R. K. Sharma.

For the Management—Sh. C. Lal.

AWARD

Central Govt. vide gazettee Notification No. L-42011/8 86-D.II(B) dated 14th July, 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :

"Whether the action of the Executive Engineer (O&M) Division Bhakra Beas Management Board, Dhulkote in Terminating the services of the below mentioned workmen w.e.f. 9-8-85 is just and legal. If not, to what relief are the workmen entitled to and from what date ?

Name of the workmen :

1. S Sh. Baljeet Singh, Gurdev Singh, Ram Partap, Raghbir Singh, Harish Kumar, Rameshwar Dass, Yash Pal Singh.

2. Claim of the petitioners as set out in the claim statement is that they were appointed as W/C T Mate by the Executive Engineer (O&M) Division BBMB Dhulkote. They have also alleged in their respective claim statements that their services were terminated on 9-8-1985 by the above said Executive Engineer. It

was claimed that the termination of services of the petitioners are illegal, arbitrary and against the principle of natural justice on the ground that mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act was not complied. Only 10 days notice instead of one month notice was given. Neither wages in lieu of remaining days of notice nor retrenchment compensation was paid. Subsequent plea taken by the petitioners in their respective claim petitioners is that the principle of 'last come first go' was not observed since juniors to the petitioners were retained in employment and their names are Joginder Singh, Malkiat Singh, Dharam Vir, Hoshiar Singh, Suresh Kumar, Manjit Singh, Ram Singh, Mohan Lal, Pawan Kumar, Dharam Pal, Daljit Singh, Maksood Ahmed, Raj Kumar and Sri Ram.

2. Claim of the petitioners was resisted by the management and in their written statement; preliminary objection was taken that the petitioners were appointed against specific work and on its completion they were discharged with due notices on 8-8-1985. Another plea was taken that the establishment of the respondent is not covered by term 'Industry.' On merits the plea was taken that these petitioners were appointed primarily on work charge basis and they were again appointed categorically specifying that the appointment was against the 'construction work' of the New 66 KV Sub Station Sector 52, Chandigarh Mohali. It was admitted that the services of the petitioners were terminated with 10 days notice as work against which they were engaged completed. It was also pleaded that the petitioners were appointed against specific work and on its completion they were discharged. The work was completed within the period of two years as such the provisions of Section 25-F were not attractive. Another plea was also taken that (i) Joginder Singh (ii) Malkiat Singh (iii) Dharam Vir (iv) Hoshiar Singh (v) Suresh Kumar (vi) Manjit Singh (vii) Rameshwar Dass (viii) Ram Raj (ix) Maksud Ahmed (x) Raj Kumar (xi) Mohan Singh (xii) Joginder Singh (xiii) Pawan Kumar (xiv) Dharam Pal were seniors to the petitioners except Shri Manjit Singh, Ram Raj, Maksood Ahmed, Pawan Kumar and Dharam Pal who are either engaged on other jobs or better qualified. It was also pleaded that Raj Bir and Charanjiv Kumar their services have already been terminated and do not exist on their The services of Ram Singh have also been terminated w.e.f. 21-3-84. Similarly Daljit Singh who was appointed on 30-5-1983 is still continuing being senior most, and the stand taken by the management that the petitioners are not entitled to have any claim since they were engaged against a deposit work given to the BBMB by the Chandigarh Administration and on its completion services of the workman alongwith the petitioners were terminated on 8-8-1985.

3. The petitioners also filed reapplication contradicting the stand taken by the management and reiterated their claims as in the claim statements. In replication main plea was taken by the petitioners that the management has not given correct dates of their appointments. The date given by the management are the dates on which the workmen were brought on work charge establishment and even prior to being brought on work charged establishment, workmen served as casual workers on daily wage and the time was also laid that the persons juniors to the petitioners

are still continuing. They are Manjit Singh, Maksood Ahmed who are still working. Raj Kumar, Pawan Kumar, Dharam Pal and Charanjit and Daljit Singh are junior to the workmen.

4. Workmen in support of their case filed their affidavit in evidence. Gurdev Singh filed his affidavit Ex. W1, Rameshwar Dass as Ex. W2, Yash Pal as Ex. W3, Harish Kumar as Ex. W4, Raghbir Singh as Ex. W5, Daljit Singh as Ex. W6, and Ram Partap filed his affidavit Ex. W7. The workman also filed offer of appointment of Baljeet Singh as Ex. W8 of 1-9-1983 and of Gurdev Singh Ex. W9 dated 1-8-83 and of Raghbir Singh as Ex. W11 dated 29-7-1983 and of Yash Pal Singh as Ex. W11 dated 29-7-1983 and Ex. W12 of Experience certificate of Rameshwar Dass. In their affidavit they have re-asserted the contents contained in their claim statements and the stress was laid that the management has not complied with the provisions of Section 25-F and 25-G of the I.D. Act 1947 and principle of 'Last come first go' was not observed.

5. The management in their evidence filed Ex. M1 affidavit of Shri V. K. Goel S.D.O. Construction BBMB Chandigarh and Ex. M1 offer of appointment of Gurdev Singh dated 2-7-1984, Ex. M2 arrival report and Ex. M3 termination order of Gurdev Singh. The plea was taken by the management that the petitioners were appointed prior on work charge basis for specific job after completion of deposit work they were rightly terminated. However as a good gesture the petitioners were offered amount falling short of notice in the retrenchment compensation and they are not entitled to claim any re-instatement.

6. I have heard both the parties. The counsel for the workmen has argued that there is violation of Section 25-F of the I.D. Act 1947. The petitioners had already completed 240 days in the preceding year at the time of retrenchment and no retrenchment compensation was given to the petitioner and other conditions of Section 25 has not been complied with. Another plea was taken by the Counsel for the petitioners is that there is violation of Section 25-G of the I.D. Act 1947. Juniors to the petitioners had been retained by the management report and taken by the management that and the principle of 'last come first go' has not been followed by the management as provided in Section 25-G of the I.D. Act 1947 and thus the petitioners are entitled for re-instatement with full back wages. Representative on behalf of the management has argued that the petitioners are not entitled to any retrenchment compensation as the case does not fall U.S 25-F and U.S 25-G of the I.D. Act and the present case falls U.S 25-FFF sub-section (2) of the I.D. Act 1947 and has argued that they were employed for specific work and the work was completed within a period of two years as provided in the above said section and therefore workmen are not entitled for any relief by way of re-instatement or compensation. After perusing the record I am not convinced by the stand taken by the management. In order to attract Section 25FFF sub-section (2) of the I.D. Act 1947 there has to be closing down of the undertaking in which the retrenched employees had been working. But the position is not so in the present case. The offer of appointment placed on

record which are Ex. W8 to W11 shows that the petitioners were duly appointed by the BBMB which is still existing unit. The main ingredient of Section 251 FF of closing down of the undertaking is missing in the present case. Not only this however Shri V. K. Goel appearing on behalf of the management as M1 has admitted in his cross-examination that according to requirement the workman employed for a particular job work are also deputed to job at other work. This also indicates that the petitioners were not specifically employed to do particular job. Therefore, Section 25FFF sub section 2 has no application in the present case.

6. Counsel for the workmen advanced arguments that the workmen have already been completed 240 days in the preceding year on the date of their retrenchment and no retrenchment compensation was given to them as provided U.S 25-F of the I.D. Act 1947. Ex. W8 to W11 are the offer of appointments which has been produced in evidence by the workmen showing offer of appointment of Baljeet Singh of dated 1-9-1983, Gurdev Singh of 1-8-1983, Raghbir Singh of 29-7-1983 and of Yash Pal Singh of dated 29-7-1983 in which they were required to give their acceptance with seven days and subsequently Baljeet Singh joined on 2-9-83, Raghbir Singh on 4-8-83, Yash Pal Singh on 4-8-83, Gurdev Singh on 6-8-83 i.e. within seven days from the date of their offer of appointment. No counter offer of appointment has been placed in evidence by the management concerning the workmen. Only by way of Ex. M1 the management had tried to stress that offer of appointment is dated 2-7-1984 in case of Gurdev Singh and in consequent thereof he had joined on 2-7-84 vide M2. Thus runs contrary to Ex. W9 as discussed above in evidence by the workmen. The management had not adduced any explanation to this and thus goes against the management. From the documents Ex. W8 to W11 and the affidavits sworn by the respective petitioners and from the date of their retrenchment, there is no evidence on the record on behalf of the management whether there is any break in service and though in the preceding year they have been admittedly worked for more than 240 days. Mr. V. K. Goel appeared on behalf of the management has also admitted that no retrenchment compensation was given to them. However he admitted that retrenchment compensation was offered to them during conciliation proceedings before the Assistant Labour Commissioner (Central) to which the petitioners refused. This shows that at the time of termination of services of the petitioners no retrenchment compensation was given to them. This clearly violates the provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947.

As per their own admission of the management there is also violation of Section 25-G of the I.D. Act 1947 for non following the principle of 'Last come first go'. V. K. Goel appearing on behalf of the management has admitted in his cross-examination that Joginder Singh and others referred in para 3 of the written statement (14 in numbers) are juniors to the present petitioners. He has also admitted in his cross examination that Joginder Singh and others started in year 1981 at the written statement upto 1986 to 1987 till in the employment of the manage-

ment but on other works. This admission of this witness appearing on behalf of the management clearly indicates that Joginder Singh and others mentioned in para No. 3 of the written statement (referred in Para 2 of this award) were juniors to the present petitioners and they are still working with the respondent management and the present petitioners have been retrenched who were senior to them are out of job. This also violates the provisions of Section 25-G of the I.D. Act 1947.

In view of the facts discussed above and the circumstances, the cases of present petitioners succeed and the petitioners stand re-instated with continuity in service. There is no evidence on behalf of the workmen to the effect that they had remained unemployed or not worked any where during the above period. The management has also not adduced any evidence to the effect whether they were gainfully employed during the above period. However seeing these circumstances it is ordered that petitioners shall get 50 per cent of their backwages due to them. The result thereof that reference is answered in favour of the workmen and against the management.
Chandigarh : 31-5-91.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

[No. L-42011/8/86-D.II(B)(Pt.)]

का.आ. 1964—श्रीबोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की थांग 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कलावती सरन विल्डन हॉस्पिटल नई दिल्ली के प्रबंधनताव के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में नियिष्ट श्रीबोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीबोगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1964.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kalawati Saran Children Hospital, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 17-6-1991.

ANNEXURE
BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING
OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 28/91

In the matter of dispute between :

Smt. Santosh Devi Nursing Orderly, through
Mahasachiv, Hospital Employees Union,
Aggarwal Bhawan, G. T. Road, Tis Hazari,
Delhi-110054.

Versus

Chikitsa Adhikshak, Kalawati Saran Children
Hospital, Baba Kharak Singh Marg, New
Delhi-110001.

APPEARANCES :

Workman in person.
Shri A. K. Sharma—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/38/10-IR(DU) dated 12-3-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of
Kalawati Saran Children Hospital, New
Delhi in terminating the services of Smt.
Santosh Devi, Nursing Orderly w.e.f. 1-9-89
is justified ? If not, what relief she is
entitled to and from what date ”

2. Smt. Santosh Devi workman made statement today that she has filed case in the Central Administrative Tribunal Delhi and wanted to withdraw this case from this court. She further prayed that no dispute award be given in this case.

3. In view of the statement of the workman there exists no dispute between the parties to be settled by this court. I, therefore, pass a No Dispute award in this case leaving the parties to bear their own costs.

7th June, 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.
[No. L-42012/38/90-IR(DU)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer.

